निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

दिनांक : 02 फरवरी 2026
स्थान : सेरेंगसिया फुटबॉल मैदान, पश्चिमी सिंहभूम

चाईबासा में लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

• बोकारो, मंगलवार 3 फरवरी 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 257 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

कुएं में गिरने से मासूम की मौत

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। परसुडीह थाना क्षेत्र के छोटा गोविंदपुर पंचायत भवन बजरंगनगर के पास कुएं में गिरने से पांच वर्षीय मासूम शिवम कैवर्तो की मौत हो गई। शिवम रविवार शाम करीब पांच बजे अपने दोस्तों के साथ घर से खेलने निकला था। शाम छह बजे के बाद उसके सभी दोस्त अपने-अपने घर लौट आए, लेकिन शिवम घर नहीं पहुंचा। देर शाम तक बच्चे का कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों की चिंता बढ़ती चली गई। तत्पश्चात परसुडीह थाना पुलिस को सूचना दी गई।

व्यवसायी ने फांसी लगा की आत्महत्या

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र स्थित ट्रिनीटी गार्डेन अपार्टमेंट (ब्लॉक-ए, डी-3) निवासी व्यवसायी फाल्गुनी मुखर्जी (57) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर सर्किल इंस्पेक्टर सीमा कुमारी समेत बरवाअड्डा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया। मृतक फाल्गुनी मुखर्जी हीरापुर पार्क मार्केट, विवेकानंद चौक के समीप बैग की दुकान चलाते थे। परिजनों के अनुसार वे रात में दुकान बंद कर घर लौटे थे। सुबह दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने चाबी से दरवाजा खोला तो फाल्गुनी मुखर्जी रस्सी के सहारे पंखे से झूलते मिले।

हथकड़ी में इंटर की परीक्षा देने पहुंचे दो छात्र

जहानाबाद(नबिटा ब्यूरो)। बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा आज यानी 2 फरवरी से शुरू हो गई। परीक्षा 13 फरवरी तक चलेगी। पहले दिन ही एग्जाम से जुड़ी कई तस्वीरें और कहानियां सामने आईं। इनमें सबसे चौंकाने वाला दृश्य जहानाबाद से आया जहां दो परीक्षार्थी हथकड़ी लगाकर परीक्षा देने पहुंचे। जिले के रतनी प्रखंड स्थित प्रवेशिका उच्च विद्यालय, शकूराबाद परीक्षा केंद्र पर सोमवार को अजीब नजारा दिखा। पुलिस कस्टडी में दो युवक हथकड़ी लगाए परीक्षा केंद्र पहुंचे। दोनों इंटरमीडिएट के परीक्षार्थी हैं। कड़ी जांच के बाद उन्हें परीक्षा में बैठने दिया गया। हथकड़ी में भी आंखों में भविष्य के सपने थे।

बाहुबली अनंत सिंह आज लेंगे विधायक की शपथ

पटना(नबिटा ब्यूरो)। बाहुबली अनंत सिंह मंगलवार को विधायक की शपथ लेंगे। पटना सिविल कोर्ट के फैसले के बाद उनके शपथ ग्रहण का रास्ता साफ हो गया है। कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच जेल से विधानसभा लाया जाएगा। जानकारी के मुताबिक अनंत सिंह को सिर्फ थपथ लेने के लिए कोर्ट से अनुमति मिली है। उन्हें दुलारचंद यादव मर्डर केस में जमानत नहीं मिली है। यानी शपथ की प्रक्रिया पूरी होने के बाद लेने के बाद वे फिर बेऊर जेल चले जाएंगे।

सरकार गांव से चलती है, रांची से नहीं : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो प्रखंड स्थित सेरेंगसिया शहीद स्थल पर आयोजित शहीद दिवस सह विकास एवं रोजगार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की सरकार रांची के हेडक्वार्टर से नहीं बल्कि गांव से चलने वाली सरकार है। हमारी सरकार लेने वाली नहीं बल्कि देने वाली सरकार है, जो आम जनता के सुख-दुख की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम की शुरुआत सेरेंगसिया शहीद स्मारक पर मुख्यमंत्री द्वारा अमर वीर शहीदों को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। श्रद्धांजलि सभा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सेरेंगसिया की यह पावन धरती जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले वीर शहीदों की गवाही देती है। उनके संघर्ष और बलिदान से ही आज हमें अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की प्रेरणा मिलती है। इसके उपरांत मुख्यमंत्री सेरेंगसिया शहीद नमन सह परियोजना उद्घाटन-शिलान्यास एवं परिसंपत्ति वितरण समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया तथा राज्य के 1479 अभ्यर्थियों को विभिन्न विभागों के नियुक्ति पत्र सौंपे। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से जनता की समस्याओं का समाधान गांव-गांव जाकर कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले गांवों में बिजली आती नहीं थी, लेकिन बिजली का बिल जरूर आ जाता था। ऐसे में राज्य सरकार ने एकमुश्त बिजली बकाया माफ किया और आज 200 यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा

रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि आने वाली पीढ़ी शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बने। बौद्धिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का शोषण रोकने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड राज्य के 25 वर्षों में भाजपा ने सिर्फ सत्ता में रहकर राज्य को लूट का घर बना दिया। भाजपा की सरकारें वादा कर मुकरने वाली रही हैं जबकि झामुमो की सरकार अपने वादों को निभाने वाली सरकार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं से किए गए वादे के अनुरूप मैया सम्मान योजना लागू की गई है जिससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। केवल पश्चिमी सिंहभूम जिले में ही दो लाख से अधिक महिलाएं इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। वहीं जेपीएससी के माध्यम से हजारों युवाओं को नियुक्ति दी गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 के पहले माह तक 25 से 26 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री ने असम राज्य में आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि एक ही देश में आदिवासियों के साथ दो तरह का कानून लागू किया जा रहा है। असम में आदिवासियों को ओबीसी और सामान्य वर्ग का दर्जा दिया जा रहा है, जबकि झारखंड में आदिवासी अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत आते हैं। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में असम में 25-30 आदिवासी गांवों को जलाया गया और कई लोगों की जान गई। वहां के आदिवासी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन भी आदिवासियों की मदद के लिए असम जाते रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि झारखंड के आदिवासी अपने भाइयों के संघर्ष में उनके साथ खड़े हैं और जरूरत पड़ने पर पूरा झारखंड उनके समर्थन में खड़ा होगा। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को शिक्षा की ओर प्रेरित करें और उन्हें इंजीनियर, डॉक्टर, आईएएस व आईपीएस बनाएं। सरकार सावित्रीबाई फुले योजना के माध्यम से स्कूली बच्चों को सहायता दे रही है। उन्होंने कहा कि 18 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को ढाई हजार रुपये प्रतिमाह देना सरकार की सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।कार्यक्रम में मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा एवं लाभार्थी उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा और विकास कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण भावुकता और उत्साह से भरा रहा।

दुबई में फंसे झारखंड के 14 प्रवासी मजदूर

सरकार से सुरक्षित वापसी की गुहार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों से दुबई गए 14 प्रवासी मजदूर कथित तौर पर वेतन न मिलने और अतिरिक्त काम कराने के दबाव के कारण गंभीर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। इन मजदूरों ने राज्य सरकार से सुरक्षित स्वदेश वापसी की अपील की है। यह जानकारी राज्य प्रवासी नियंत्रण सेल की टीम लीडर शिखा लकड़ा ने दी है। अधिकारियों के अनुसार, ये मजदूर गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो जिलों के निवासी हैं। मजदूरों ने एक वीडियो भेजकर अपनी स्थिति साझा की है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि संबंधित निजी कंपनी ने उन्हें तीन महीने से वेतन नहीं दिया है और ओवरटाइम काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इससे उन्हें रहने और खाने तक की समस्या हो रही है। शिखा लकड़ा ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों ने अपनी व्यथा का वीडियो सामाजिक कार्यकर्ता

सिकंदर अली को भेजा, जो प्रवासी मजदूरों के कल्याण के लिए काम करते हैं। वीडियो में मजदूरों ने सरकार से मदद की अपील की है। राज्य प्रवासी नियंत्रण सेल अब मजदूरों से संपर्क कर उनके दस्तावेजों का सत्यापन कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भारतीय दूतावास और यूएई सरकार के अधिकारियों से बातचीत शुरू की जाएगी, ताकि मजदूरों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। राज्य सरकार इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने की तैयारी कर रही है। सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से ठोस कूटनीतिक कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी विदेशों में प्रवासी मजदूरों के उत्पीड़न के मामले सामने आए हैं और काफी प्रयासों के बाद उन्हें वापस लाया गया है, लेकिन आजीविका की मजबूरी में मजदूर लगातार विदेश जाने को विवश हैं। दुबई में फंसे मजदूरों में रोशन कुमार और अजय कुमार (दोनों गिरिडीह के सरिया के), गिरिडीह के बगोदर के राजेश महतो और अजय कुमार, बोकारो के पेंक नारायणपुर के दलेश्वर महतो, खेदाडीह के जागेश्वर महतो और फलेंद्र महतो, सिरैया के बैजनाथ महतो, दिलीप महतो, गंगाधर महतो, त्रिलोकी महतो, बसरिया के दीपक कुमार, गोरहर के रोहित महतो और सेवा महतो (सभी हजारीबाग जिले के) शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, ये सभी मजदूर अक्तूबर 2025 में एक निजी कंपनी के लिए ट्रांसमिशन लाइन परियोजना पर काम करने दुबई गए थे। मजदूरों का आरोप है कि तीन महीने से उन्हें वेतन नहीं दिया गया है। दुबई में फंसे मजदूरों में गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो जिलों के कई गांवों के निवासी शामिल हैं।

इनोवा क्रिस्टा से 30 पेटी अवैध शराब जब्त, तस्कर फरार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। लातेहार पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चंदवा थाना क्षेत्र में 30 पेटी अवैध शराब जब्त की है। यह कार्रवाई कुजरी नदी ओवरब्रिज के पास की गई, जहां एक इनोवा क्रिस्टा कार से शराब की खेप ले जाई जा रही थी। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस को देख तस्कर मौके से फरार हो गया, हालांकि वाहन और शराब की बड़ी खेप पुलिस के हाथ लग गई। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस द्वारा जब्त की गई शराब में रॉयल चैलेंज और 8 पीएम जैसे ब्रांड शामिल हैं। जानकारी के अनुसार कुल 30 पेटियां बरामद की गई हैं, जिनमें प्रत्येक पेटी में 180 एमएल की 24-24 बोतलें रखी गई थीं। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने शराब ले जा रही बैंगनी रंग की इनोवा क्रिस्टा कार को भी जब्त कर लिया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि शराब को अवैध रूप से किसी दूसरे जिले या राज्य में खपाने की तैयारी थी। चंदवा थाना प्रभारी रणधीर सिंह ने बताया कि पुलिस को देखते ही शराब तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गया। हालांकि उसकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। इसके अलावा इस तस्करी में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

पूर्व विधायक के आवास पर बमबाजी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। नगर निकाय चुनाव की सरगर्मी के बीच रविवार देर रात सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित पूर्व विधायक संजीव सिंह के आवास सिंह मैंशन में बमबाजी की घटना सामने आई। इस वारदात से इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 11:30 से 12 बजे के बीच बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने सिंह मैंशन को निशाना बनाते हुए दो बम फेंके। एक बम आवास परिसर के गेट के भीतर जाकर विस्फोट कर गया, जबकि दूसरा बम बाहर ही गिर गया। जिस स्थान पर विस्फोट हुआ, वहां आमतौर पर लोग बैठते हैं। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के समय झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह, उनकी पत्नी और वर्तमान विधायक रागिनी सिंह अपने कमरे में मौजूद थीं। धमाके की आवाज सुनते ही परिसर में अफरातफरी मच गई। अंदर मौजूद लोग और सुरक्षा गार्ड बाहर की ओर निकले, लेकिन तब तक अपराधी फरार हो चुके थे। घटना की सूचना मिलने के बाद सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर पूर्व विधायक संजीव सिंह से पूरी जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने सिंह मैंशन में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। जांच के लिए डीवीआर को पुलिस अपने साथ ले गई है। आसपास के इलाकों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि बमबाजी की घटना को गंभीरता से लिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि सिंह मैंशन में झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह, उनकी पत्नी विधायक रागिनी सिंह और झरिया की पूर्व विधायक कुंती सिंह निवास करती हैं। पूर्व विधायक संजीव सिंह ने नगर निकाय चुनाव में मेयर पद के लिए अपनी दावेदारी पेश की है और मंगलवार को नामांकन करने वाले हैं। चुनाव से ठीक पहले हुई इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी है।

बुजुर्ग की पीट-पीट कर हत्या करने में तीन गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। लालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत लोवर वर्द्धमान कम्पाउंड धोबी घाट के पास मामूली कहासुनी में पिटाई से एक बुजुर्ग की मौत मामले में तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना 31 जनवरी की रात घटी थी, जब बुजुर्ग मधेश्वर सिंह अपने मोहल्ले लोवर वर्द्धमान कंपाउंड में टहलने के लिए निकले थे। इसी दौरान मोहल्ले में रहने वाले मुन्ना कच्छप के पुत्र अमन कच्छप और अनिकेत कच्छप से किसी बात को लेकर उनकी कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। आरोप है कि अमन कच्छप और अनिकेत कच्छप ने मधेश्वर सिंह के साथ मारपीट शुरू कर दी थी। इस दौरान आरोपियों का पिता मुन्ना कच्छप भी अपने बेटों के साथ मारपीट में शामिल हो गया। तीनों के द्वारा की गई पिटाई से मधेश्वर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही अचेत होकर गिर पड़े। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। रांची के सिटी डीएसपी केवी रमन ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापामारी दल का गठन किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने अभियुक्त अमन कच्छप उर्फ अमन उरांव, अनिकेत कच्छप और मुन्ना कच्छप को गिरफ्तार कर लिया है। सभी लोवर वर्द्धमान कम्पाउंड झीपा कोचा टोला, थाना लालपुर के निवासी हैं। इस घटना के संबंध में लालपुर थाना कांड संख्या 21/26 दिनांक 01 फरवरी 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं 127 (2)/ 308 (4)/ 115(2)/ 351(2)/ 117 (2)/ 109/103(1)/3(5) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी में अमन कच्छप, अनिकेत कच्छप, मुन्ना कच्छप एवं मुन्ना कच्छप की पत्नी को अभियुक्त बनाया गया है।

ब्रिलियंस अवॉर्ड 2026-सीजन वन का भव्य और सफल आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची स्थित प्रसिद्ध विनायका ईको रिसॉर्ट में रविवार को ब्रिलियंस अवॉर्ड 2026-सीजन वन का भव्य और सफल आयोजन किया गया। इस गरिमामयी समारोह में लोकप्रिय अभिनेत्री व सेलिब्रिटी मलाइका अरोड़ा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 50 से अधिक विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। सभी पुरस्कार मुख्य अतिथि मलाइका अरोड़ा द्वारा कार्यक्रम के प्रायोजकों के साथ संयुक्त रूप से प्रदान किये गये। सम्मान पाकर सभी पुरस्कार विजेताओं के चेहरे पर उत्साह और गर्व साफ झलक रहा था। इस आयोजन के टाइटल स्पॉन्सर के रूप में पंचरत्न स्काईलाइन के मालिक पियूष मोरे का विशेष योगदान रहा। वहीं, एसोसिएट स्पॉन्सर्स के रूप में निलेश छावनिका, उत्तम गोल्डार, पल्लवी कुमार, डॉ. आस्था बौल और सुजीत कुमार ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम की मुख्य आयोजक हर्षप्रीत कौर और कविता डैम ने बताया कि ब्रिलियंस अवॉर्ड का उद्देश्य ऐसे प्रेरणादायी व्यक्तित्वों की पहचान कर उन्हें सम्मानित करना है, जो अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर समाज के लिए मिसाल बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से न केवल प्रतिभाओं को पहचान मिलती है बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा भी मिलती है। गरिमामय माहौल, भव्य मंच सज्जा और विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी के बीच यह आयोजन अत्यंत सफल और यादगार रहा। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, पुरस्कार विजेताओं, प्रायोजकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

लोक भवन में सैकड़ों लोगों ने लिया प्रकृति का आनंद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची स्थित लोक भवन उद्यान के सोमवार को आम लोगों के लिए खुलते ही आकर्षण का केंद्र बन गया। उद्यान के दीदार के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच खुशनुमा पल बिताए। रंग-बिरंगे फूलों, सुसज्जित गार्डन और फव्वारों की खूबसूरती ने हर किसी को मोहित कर दिया। उद्यान में घूमने पहुंचे लोग इसकी सुंदरता की तारीफ करते नहीं थक रहे थे। सुबह से ही लोक भवन उद्यान के प्रवेश द्वार पर लोगों की भीड़ देखने को मिली। परिवार के साथ पहुंचे लोग, युवा वर्ग और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साह के साथ उद्यान में घूमते नजर आए। फूलों की क्यारियों और हरियाली के बीच हर कोई अपनी तस्वीर लेने को लेकर खासा क्रेजी दिखा। मोबाइल कैमरों और सेल्फी के जरिए लोग यादगार पलों को कैद करते रहे। लोक भवन उद्यान के खुलने से पहले ही प्रकृति प्रेमी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, जैसे ही उद्यान आम जनता के लिए खोला गया, लोग अनुशासित तरीके से अंदर प्रवेश करते नजर आए। विद्यार्थियों में खास उल्लास देखने को मिला। वही बुजुर्गों ने शांत वातावरण में टहलते हुए प्रकृति का आनंद लिया। कई लोग सुबह की सैर के दौरान उद्यान की हरियाली में समय बिताते दिखे। लोक भवन उद्यान में इस बार गुलाबों की खास बहार देखने को मिल रही है। उद्यान में 30 हजार से अधिक गुलाब के फूल मौजूद हैं। लाल, पीले और गुलाबी गुलाबों से पूरा परिसर रंगीन नजर आ रहा है। खास आकर्षण उन पौधों का है, जिनमें एक ही पेड़ पर अलग-अलग रंगों के गुलाब खिले हुए हैं। यह दृश्य लोगों को रुकने और तस्वीर लेने के लिए मजबूर कर रहा है। वहीं गुलाबों के अलावा सीजनल फूलों की भी आकर्षक सजावट की गई है। विभिन्न रंगों के मौसमी फूलों से क्यारियां सजी हुई हैं, जो उद्यान की सुंदरता को और बढ़ा रही हैं। यहां बनाए गए कृत्रिम पहाड़ और झरने लोगों को प्राकृतिक अहसास दे रहे हैं। फव्वारों से गिरता पानी और आसपास की हरियाली वातावरण को और मनमोहक बना रही है। उद्यान में झारखंड की सांस्कृतिक पहचान को भी दर्शाया गया है। सोहराई पेंटिंग, महापुरुषों और शहीदों की प्रतिमाएं लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इसके अलावा पीला बांस, रुद्राक्ष, कल्पतरु, स्ट्रॉबेरी, इलायची और तेजपत्ता जैसे पौधे भी लोगों को खासा प्रभावित कर रहे हैं। कुल मिलाकर लोक भवन उद्यान न सिर्फ प्रकृति प्रेमियों के लिए बल्कि परिवारों और विद्यार्थियों के लिए भी सुकून और आनंद का केंद्र बन गया है। फूलों की खुशबू, हरियाली और शांत माहौल लोगों को बार-बार यहां आने के लिए आकर्षित कर रहा है। वर्तमान में लोक भवन उद्यान 2 फरवरी से 8 फरवरी तक आम जनता के लिए खुला हुआ है। दर्शक सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक उद्यान का भ्रमण कर सकते हैं।

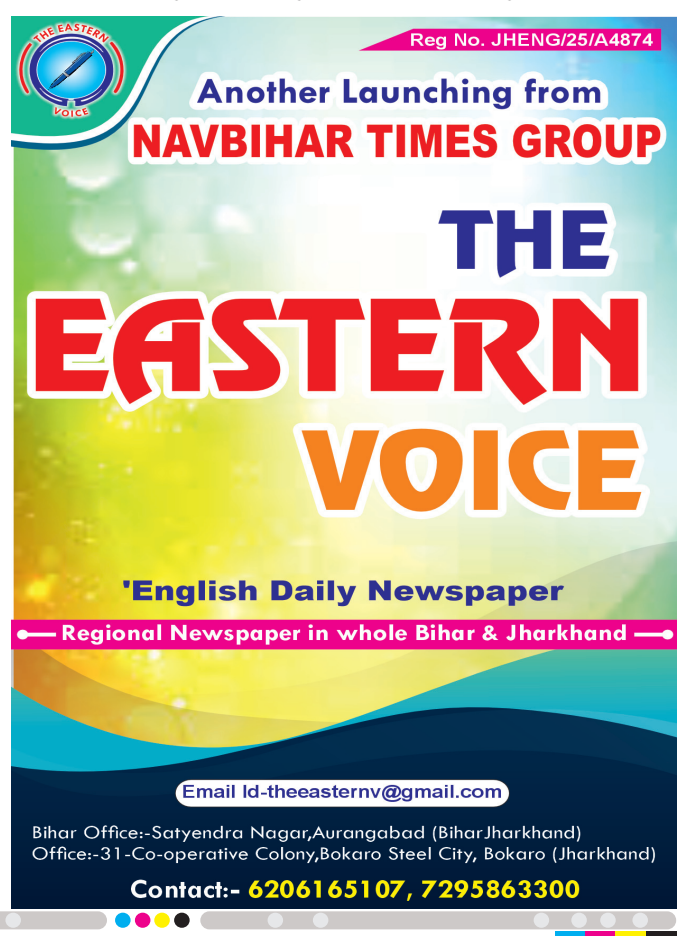

संक्षिप्त समाचार

सहायक शिक्षिका के लिए विदाई समारोह आयोजित

दनियावां(पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के मध्य विद्यालय सिंगरियावां की सहायक शिक्षिका विभा सिन्हा को सेवानिवृत्त होने पर समारोह आयोजन कर विदाई दी गयी।समारोह में प्रधानाध्यापिका सुशीला कुमारी ने विभा सिंहा को अंगवस्त्र भेंट कर उनके सुखद भविष्य की कामना की।उन्होंने कहा कि अपने सेवाकाल में शिक्षा के क्षेत्र में निष्ठा,अनुशासन और समर्पण का परिचय दिया जो विद्यालय के प्रति प्रेरणाश्रोता रहेगा।

बाइक पेड़ से टकराई, एक की मौत, दो घायल

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पालीगंज में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज गति से जा रही एक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम छा गया है। मृतक की पहचान

रवि पासवान (24 वर्ष), पिता प्रभु पासवान के रूप में हुई है। वहीं हादसे में घायल हुए युवकों की पहचान गौतम कुमार और शिव कुमार के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कराया। वहीं मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पालीगंज भेज दिया है। बताया जा रहा है कि बाइक की रफ्तार काफी तेज थी, जिससे चालक संतुलन खो बैठा और यह दर्दनाक हादसा हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई।

160 लीटर देशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मद्य निषेध विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर पालीगंज के अख्तियारपुर नहर सड़क के पास कार्रवाई करते हुए एक टेक टेम्पो से 160 लीटर देशी शराब बरामद की है। इस दौरान टेम्पो चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि विभाग को सूचना मिली थी कि एक टेक टेम्पो में पॉलीथिन में पैक कर देशी शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही मद्य निषेध विभाग की टीम ने अख्तियारपुर नहर सड़क के पास टेम्पो को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान टेम्पो में पॉलीथिन से बंधे कई थैलों में कुल 160 लीटर देशी शराब बरामद हुई। मौके से टेम्पो चालक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंकर कुमार (पिता जगरनाथ साव), निवासी जहानाबाद तथा लक्ष्मण कुमार (पिता स्व. महंत पांडे), निवासी इस बिगहा, थाना सिकरिया, जिला जहानाबाद के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया है।

दो बाइकों में भिड़ंत, एक की मौत

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी पितवांस मार्ग में मसौढ़ी थाना क्षेत्र के तुलसीचक के पास रविवार की देर रात को दो बाइकों की आमने-सामने की भीडंत में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई है वही एक गंभीर रूप में जख्मी है। जिसका इलाज अनुमंडल अस्पताल मसौढी में किया जा रहा है। मृतक की पहचान राकेश कुमार उम्र 30 वर्ष पिता सिद्धेश्वर नाशोपुर गांव थाना नौबतपुर के रूप में हुई है। वही जख्मी बाइक सवार युवक की पहचान मनोज कुमार उम्र 35 वर्ष पिता कृष्णा पंडित गंगाचक मालिकाना मसौढी के रूप में हुई है। जांच पदाधिकारी ने बताया किया घटना तुलसीचक गांव के पास देर रात को हुआ था, जब एक बाईक सवार युवक मनोज कुमार नौबतपुर के रास्ते से आ रहा था और दूसरा बाइक विपरीत दिशा से जा रहा था दोनों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई है जिसमें आनन फानन में दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां एक की मौत हो गई है। घटना के बाद पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। स्थानीय लोगों की माने तो दोनों बाइक के भिड़ंत का कारण बाइक के लाइट के कारण हुआ है जिससे सामने वाला व्यक्ति दाहिने बाएं करने में जोरदार टक्कर हो गई थी।

ऑल्टो कार से शराब बरामद, तस्कर गिरफ्तार

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुनपुन थाना क्षेत्र के अलावलपुर के पास में एक्साइज पुलिस ने एक सफेद रंग के ऑल्टो कार से पॉलिथीन में भरा हुआ शराब को जप्त किया है, जप्त शराब में 160 लीटर देसी शराब है। गिरफ्तार शराब सप्लायर का नाम बप्पी आचार्या, उम्र 28 वर्ष पिता कमल आचार्या कुमहरार अगम कुआं का रहने वाला है, जो पिपरा थाना क्षेत्र के बेहरामा चकिया से पॉलिथीन में शराब भरकर पटना ले जा रहा था, जहां सूचना का सत्यापन करते हुए एक्साइज विभाग के टीम ने अलावलपुर गांव के समीप उसे रंगे हाथ पकड़ लिया है, जहां ऑल्टो कार में तकरीबन आठ पॉलिथीन में भरा हुआ शराब 160 लीटर जप्त किया गया है।

नगर प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

मनेर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रोक व लगातार अभियान के बावजूद मार्ग पर अतिक्रमण कर दुकान लगाने वाले नहीं मान रहे हैं। इसके बाद नगर परिषद व पुलिस प्रशासन की ओर से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान फिर चलाया गया। इसके बाद मनेर पड़ावपर, बस्ती मार्ग, सराय मोहल्ला, काजी मोहल्ला, कटहरा मोहल्ला, चांदनी चौक, नेवाती मोहल्ला, देवी चौराहा, रामघाट सहित कई जगहों पर

नगर परिषद ने अभियान चलाते हुए जुमार्ना वसूला। इस संबंध में नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सिद्धार्थ हर्षवर्धन ने बताया कि बार-बार लोगों को अतिक्रमण हटाने की चेतावनी के साथ ही उन्हें हटाया भी जा रहा है। लेकिन पुनः लोग अतिक्रमण कर अपनी अपनी दुकान लगा दे रहे है। जिस कारण से अब प्रतिदिन अतिक्रमण करने वालों पर जुमार्ना लगाया जा रहा है, और साथ ही अब सामान जब्त करते हुए मुकदमा भी किया जाएगा। सोमवार को 10 ऐसे लोगों पर पांच- पांच सौ रुपये जुर्माना वसूला गया।

दुष्कर्म मामले का अभियुक्त गिरफ्तार

मनेर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के सहाली चक गांव में एक महिला के साथ दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे एक अभियुक्त को पुलिस ने छापेमारी करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में मुनीर थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि कांड संख्या 761/25 मामले में दुष्कर्म क्या अभियुक्त सहाली चक गांव के रहने वाले अयोध्या राय के पुत्र चंदन कुमार को गिरफ्तार किया गया है। जिस पर गांव की ही एक महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा था। मामले में पीड़ित पक्ष के द्वारा लिखित शिकायत कर मामला दर्ज कराया गया था। इसके बाद कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है, जिसके गिरफ्तारी के बाद जेल भेजा गया है।

एंबुलेंस के लिए जमकर हंगामा किया

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अनुमंडल अस्पताल में सोमवार की सुबह गुलाब बाग के 16 वर्षीय वृद्ध भोली साव को उसके पुत्र ने गंभीर हालत में इलाज के लिए बाढ़ से अनुमंडल अस्पताल में भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पटना जाने के लिए रेफर कर दिया। परिजनों ने एंबुलेंस को मोबाइल से जल्द एंबुलेंस मुहैया कराने की गुहार लगाई लेकिन आधा घंटा गुजर जाने के बाद भी जब एंबुलेंस अस्पताल नहीं पहुंचा तो परिजन हंगामा करना शुरू कर दिया और एंबुलेंस वाले नंबर पर जमकर कहा सुनी करने लगा।

बाढ़ वार्ड 12 में किया गया कंबल का वितरण

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर परिषद के सौजन्य से वार्ड संख्या 12 में वार्ड पार्षद मंजू देवी की अध्यक्षता में सोमवार को लगभग 12 बजे कंबल वितरण का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद के अध्यक्ष संजय कुमार उर्फ गाय माता भी उपस्थित हुए वार्ड की करीब 200 महिलाओं के बीच कंबल का वितरण किया गया इस दौरान गरीबों ने लेट से कंबल बांटने की बात करें साथ ही ठंड गुजर जाने के बाद कंबल वितरण को कुछ लोगों ने बकवास बताया वहीं कुछ महिलाओं के बीच खुशी का माहौल देखा गया।

कदाचार मुक्त दावों के साथ मसौढ़ी अनुमंडल में इंटर की परीक्षा शुरू

सात परीक्षा केंद्रों पर 4850 परीक्षार्थी हुए शामिल

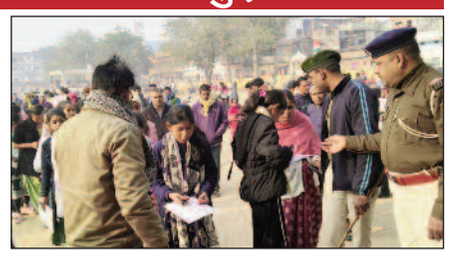

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कदाचार मुक्त दावों के साथ बिहार इंटरमीडिएट की परीक्षा दो पालियों मे सोमवार से शुरूआत हो गई है जो आगामी 13 फरवरी तक चलेगी,कड़ी सुरक्षा के बीच यह परीक्षा की तैयारी की गई है। मसौढी अनुमंडल में सात परीक्षा केंद्र सिर्फ लड़कियों के लिए ही बनाया गया है। जहां 4850 परीक्षार्थी इस परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। पहले दिन जीव विज्ञान की परीक्षा रही,जहाँ सभी छात्राओ ने बताया की तैयारी जमकर की है हालांकि कई छात्राओं ने बताया कि पहला दिन थोड़ा नर्वस हो रहे हैं बिहार बोर्ड के नियम के अनुसार इस बार भी छात्र-छात्राओं को जूता मौजा पढ़ने पर बैन लगाया है, हाथों में घड़ी भी खुलवाया गया, सिर्फ एडमिट कार्ड लेकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश किए गये।बहरहाल पूरे मसौढी अनुमंडल में 37 स्टैटिक दंडाधिकारी बनाए गए हैं, तीन उड़न दस्ता पदाधिकारी बनाए गए हैं इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र के परीक्षा केदों पर 200 मीटर तक प्रवेश निषेध किया गया है शहरों में 100 मीटर तक प्रवेश निषेध किया गया है। इसके अलावा अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक कमरे में 25 छात्राओं के बीच दो वीक्षकों की तैनाती की गई है और हर कमरे में जो भी वीक्षक मौजूद होंगे उन्हें सख्त निर्देश दिया गया है कि जिस कमरे में जो भी कदाचार पाये जाएंगे उन पर कार्रवाई होगी।

पहले दिन लेट आये चार महिला परीक्षार्थियों की परीक्षा छुटी, पिटते रहे दरवाजा, रोते रहे परीक्षार्थी, हुआ हंगामा

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कदाचार मुक्त दावों के साथ बिहार इंटरमीडिएट की परीक्षा सोमवार से शुरू हो गई है। मसौढी अनुमंडल में सिर्फ लड़कियों के लिए इस बार सात परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, वहीं पहले ही दिन 4 महिला परीक्षार्थियों की लेट आने से परीक्षा छूट गई है सुबह तकरीबन 9:10 में चारों लड़कियों परीक्षा केंद्र पर पहुंची थी, जहां काफी देर तक दरवाजा पीटते रही लेकिन दरवाजा नहीं खुला, रोती बिलखती रही बावजूद दंडाधिकारियों ने दरवाजा नहीं खोला, मसौढ़ी अनुमंडल में बने सात परीक्षा केंद्रों में पुनपुन, परसा,धनरूआ, पालीगंज समेत अन्य जगहों के परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं 37 स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार 9:00 बजे तक परीक्षार्थी को अपने परीक्षा केंद्रों तक हर हाल में पहुंच जाना है, लेकिन सोमवार को पहले ही दिन कई परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थी लेट से पहुंचे जहां दरवाजा बंद कर दिया, गया, श्रीमती गिरिजा कुवर हाई स्कूल परीक्षा केंद्र पर यही तस्वीर देखने की मिला, जहां परीक्षार्थी रोते रही, दरवाजा पिटते रहे। अभिभावकों ने बताया कि ट्रेन लेट हो गई थी परसा से आ रहे थे लेकिन जाम में पड़ गए सेंटर पर पहुंचने में लेट हो गई थी, हालांकि बंद दरवाजा के पास रोती हुई छात्रों को देख भीड़ को गुस्सा पनपा और कुछ देर के लिए हो हंगामा की नौबत हुई, जहां पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए सभी लोगों को खदेड़ा, मौके पर थाने से तीन-चार पुलिस की गाड़ियां पहुंची और भीड़ को तितर बितर किया, हालांकि घंटों देर तक चारों परीक्षार्थी रोती रही।

प्रो. आर. पी. शर्मा की 92वीं जयंती मनी

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आरपीएस रेसिडेन्सियल स्कूल, बेली रोड, पटना में आज सुबह से ही गुनगुनी धूप के बीच विद्यालय परिसर में कुछ ज्यादा ही हलचल दिख रही थी। सामने में ही ताम्र निर्मित स्व. प्रो. आरपी शर्मा की आदमकद प्रतिमा स्थापित है जो भगवान भास्कर के रश्मियों के बीच स्वर्ण-सा प्रतीत हो रहा है। जी हाँ, यह भव्य अवसर है स्व. (प्रोफेसर) आरपी शर्मा की 92वीं जयन्ती समारोह का। दिनांक 2 फरवरी 2026 को आर.पी.एस. ग्रुप की शैक्षणिक संस्थानों के संस्थापक एवं धार्मिक ग्रन्थ 'कालजयी हनुमान' के रचयिता स्व. प्रो. आरपी शर्मा की 92वीं जयंती के अवसर पर आर. पी. एस. रेसिडेन्सियल स्कूल, बेली रोड, पटना, के प्रागंण में समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष एवं वर्तमान विधायक, बरबीघा, डॉ. कुमार पुष्पंजय ने की एवं संस्थान के प्रागंण में स्थित स्व. प्रो. आरपी शर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रबन्ध निदेशक कुमार पृतंजय, बड़ी संख्या में शिक्षाविद्, बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्त्ता, शहर के गणमाण्य व्यक्ति एवं आरपीएस परिवार के सभी सदस्य उपस्थित हुए एवं प्रो. आरपी शर्मा को पुष्पाजंली अर्पित की।

पुनपुन सीओ के खिलाफ पंचायत प्रतिनिधियों ने फूंका बिगुल

जनप्रतिनिधियों को धमकाने,एवं भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर मुअतल करने की मांग

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुनपुन अंचलाधिकारी के खिलाफ पुनपुन प्रखंड के सभी पंचायत प्रतिनिधि आंदोलन का बिल्कुल फूंक दिया है,ऐसे में सोमवार को पुनपुन अंचल कार्यालय के समक्ष ही धरना पर बैठ गए हैं। इस धरना में बीस सूत्री अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि कई मुखिया कई पंचायत समिति के अलावा पूर्व प्रखंड प्रमुख एवं अन्य पंचायत समिति सदस्य शामिल रहे। दरअसल मामला बीते 28 जनवरी की है, जहां पर बीस सूत्री उपाध्यक्ष सिंटू कुमार के द्वारा जनता की समस्या को लेकर अंचलाधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया, जहां कई कर्मचारी गायब दिखे इसी को लेकर पुनपुन अंचल अधिकारी के द्वारा फोन करते हुए कई अभद्र भाषा का प्रयोग कर उन्हें धमकी दिया और थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया, इसी बात को लेकर पुनपुन प्रखंड के सभी पंचायत प्रतिनिधियों में गुस्सा पनप उठा है और धरना पर बैठते हुए सरकार से भ्रष्ट पदाधिकारी पर कार्रवाई करने की मांग की है उनके संपत्ति की जांच करने की भी मांग की है पंचायत प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया है कि यह जमीन माफियाओं से मिलकर अकूट संपत्ति कमाई है महिला पदाधिकारी होने के नाते जनता के सवालों पर जबाब भी समस्या उठाई जाती है तो उन पर प्राथमिकी दर्ज करने की चेतावनी देते हैं। बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति अध्यक्ष ने बताया कि हमने सरकार से मांग किया है कि से बर्खास्त करें और इसकी पूरी संपत्ति की जांच हो।

धरना कार्यक्रम में बीस सूत्री अध्यक्ष अनिल साहनी, पैक्स अध्यक्ष प्रमुख प्रतिनिधि शैलेश पटेल, पंचायत समिति सदस्य रामानुज कुमार, पंचायत समिति सदस्य अमर कुमार, पंचायत समिति सदस्य दयानंद कुमार, पूर्व प्रमुख उदय कुमार, बीस सूत्री उपाध्यक्ष सिंटू कुमार पंचायत समिति जेपी कुमार, पंचायत समिति संजय चौधरी, पंचायत समिति धर्मेंद्र पासवान, ममता कुशवाहा बीस सूत्री सदस्य समेत सैकड़ो लोग शामिल रहे।

रोहित हत्याकांड मामला : प्रेम प्रसंग में हुई थी चाकू गोद कर हत्या, चार निरुद्ध बालक गिरफ्तार, 11 युवकों पर प्राथमिकी

मसौढी /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बीते शनिवार को हुई दसवीं कक्षा का छात्र रोहित उर्फ राजू हत्याकांड मामले में मसौढ़ी पुलिस ने चार निरूध बालकों को हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेज दिया है। दरअसल यह पूरा मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है। इसी में दो गुटों के बीच विवाद पनपा था जो हिंसक रूप ले लिया, इस पूरे मामले में मृतक के पिता गिरजा कुमार पिता सुबेलाल सिंह ने 11 युवको पर नामजद और पांच अज्ञात पर मसौढी थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई है, जहां सीसीटीवी फुटेज से पहचान करते हुए फिलहाल चार निरूध बालक को हिरासत में लेते हुए उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। हालांकि चाकू मारने वाला युवक फरार है, पूरे घटना के संदर्भ में सूत्रों के मुताबिक बताया जाता है की घटना कारीत करने वाला युवक किसी लड़की से प्रेम करता था, जिसका कुछ महीने से उसका ब्रेकअप हो गया था,उसके बाद उसी लडकी का अभी कुछ दिनों से मृतक रोहित उर्फ राजू के साथ दोस्ती हो गई थी, जो ब्रेकअप हुए युवक को यह दोस्ती रास नहीं आई और उसे कई बार कई जगहों पर उससे दोस्ती तोड़ने की बात कही थी, इसी बीच को लेकर दोनों में कई बार विवाद भी हुआ था, शनिवार के दिन मृतक राजू उर्फ राज रोहित जिसे इसी वर्ष मैट्रिक के परीक्षा देनी थी उसके कोचिंग में फेयरवेल कार्यक्रम था,जो आयोजन के बाद बाइक पर तीन लोग सवार होकर घर जा रहे थे उसी दरमियान सब्जी मंडी के पास में उस युवक को हथियार के साथ सभी आठ 10 लड़के उसे पकड़ लिए और उसी दरमियान चाकू निकालकर उसके पेट में मार दिया जिससे गंभीर रूप में जख्मी हुआ और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। फिलहाल पुलिस चाकू मारने वाले आरोपी और अन्य फरार अभियुक्त के खिलाफ टीम गठित करते हुए छापेमारी कर रही है।

पालीगंज के पूर्व सरपंच स्व. रामनाथ चंद्रवंशी की 10वीं पुण्यतिथि मनी

पालीगंज(पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पालीगंज के पूर्व सरपंच स्वर्गीय रामनाथ चंद्रवंशी की 10वीं पुण्यतिथि नगर बाजार स्थित आर्य समाज मंदिर के हॉल में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहन चौधरी ने की, जबकि संचालन अनिल आजाद ने किया। इस अवसर पर कई राजनीतिक और सामाजिक लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुबास सिंह चंद्रवंशी, पटना के पूर्व मेयर एवं भाजपा के प्रदेश संयोजक संजय चंद्रवंशी, जिला परिषद अध्यक्ष अंजू देवी, पालीगंज के लोजपा प्रत्याशी सुनील यादव, भाजपा नेता अशोक कुमार वर्मा, उर्मिला देवी, बैजनाथ चंद्रवंशी, पूर्व मुखिया गणेशदत्त, मोहन चौधरी, बिट्टू कुमार चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

मसौढी में किसानों की समस्या को लेकर किसान मजदूर विकास संगठन ने किया धरना प्रदर्शन

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। 21 सूत्री मांगों को लेकर किसान मजदूर विकास संगठन के बैनर तले मसौढ़ी अंचल कार्यालय पर किसानों का विरोध प्रदर्शन किया गया,कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार ने की, मौके पर मसौढ़ी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से आए हुए सैकड़ो किसान शामिल हुए,प्रदेश अधयक्ष अनिल कुमार ने कहा की हमारी 21 सूत्री मांगे हैं, जिसमें किसान मजदूर को कृषि पदाधिकारी द्वारा सरकारी मूल्य पर खाद आपूर्ति करवाने, बीज की उपलब्धता, खेती करने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, मसौढी अंचलाधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा किसानों के समस्याओं को सार्थक रूप से बात करने, उनके ऑनलाइन किए गए परिमार्जन प्लस को शीघ्रतापूर्वक किसानों के समक्ष निपटारा करने, किसानों की ऑनलाइन रसीद में छूटे हुए खाता प्लॉट रखवा का ऑनलाइन करने,दाखिल खारिज की कार्यों में तेजी लाने, रिजेक्ट किए गए म्यूटेशन को सार्थक रिपोर्ट करने, को के द्वारा रिजेक्ट किया गया म्यूटेशन को डीएसएलआर के पास जल्द सुनवाई किया जाए,, मसौढ़ी में बंद पड़े नलकूपों को चालू करवाया जाए ,बिजली बिल सुधार हेतु ब्लॉक परिसर में हर माह कैंप किया जाए, राजस्व कर्मचारी के सप्ताह में 1 दिन कैंप लगाकर किसानों की समस्या सुना जाए आदी मांग है। इसके साथ ही अनिल कुमार ने अंचलाधिकारी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार किसानों को फार्मर आईडी के नाम पर धोखा दे रही है, मसौढ़ी प्रखंड में सैकड़ो से किसान है जिसका अभी तक फार्मर आईडी नहीं बना है।

वहीं सरकार ने पहले ही तय कर दिया है कि 40% से ज्यादा फार्मर आईडी नहीं बनेंगे तो फिर 60% किसान कहां जाएंगे यह सरकार की दोहरी नीति नहीं चलेगी। धरना कार्यक्रम में पालटन सिंह, विजय यादव, राकेश कुमार ,मुखिया रवि प्रकाश, राकेश पटेल ,राकेश शर्मा, विजय यादव विश्वनाथ केसरी, मंतोष पासवान सुभाष कुमार समेत सैकड़ो लोग शामिल रहे ।

चर्म रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति से पूरा इलाज संभव : डॉ. साजन

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। साजन क्लिनिक, बंगाली अखाड़ा मोड़, बारी पथ, पटना के निदेशक डॉ. साजन, 'गुप्त एवं यौन रोग विशेषज्ञ' ने कहा है कि सफेद दाग एक ऑटोइम्यून डिजीज है, जिसमें व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता उसकी त्वचा को नुकसान पहुंचाने लगती है। यह शरीर के इम्यून सिस्टम के कार्यप्रणाली में होने वाले असंतुलन के कारण होता है। ऐसी स्थिति में त्वचा की रंगत निर्धारित करने वाले मेलेनसाइटस नामक सेल धीरे-धीरे नष्ट होने लगते हैं। परिणामस्वरूप त्वचा पर सफेद ध्ब्बे नजर आने लगते हैं। आम तौर पर यह समस्या होठों और पैरों पर दिखायी देती है। इसके अतिरिक्त शरीर के कई अलग-अलग हिस्सों पर भी ऐसे दाग नजर आ सकते हैं। जिसके कारणों का पूरी तरह पता नहीं चल सका है। फिर भी इलाज से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। कई बार यह आनुवांशिक कारणों से भी हो सकता है। छूने या सम्पर्क में आने से इसका संक्रमण नहीं होता है। कुछ लोग इसे कुष्ठ रोग की प्रारम्भिक अवस्था मान अत्यंत भयभीत हो जाते हैं, पर वास्त में ऐसा नहीं है, कुष्ठ रोग से इसका कोई संबंध नहीं है। यह एक

प्रकार का चर्म रोग है जिसमें शरीर के अंदरुनी हिस्सों को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। यूरोपीय देशों में यह इतना आम है कि वहां इसे रोग की श्रेणी में नहीं माना जाता है। कई बार यह बीमारी एक से डेढ़ साल में ठीक हो जाती है, जबकि कुछ मामलों में यह जरुरी नहीं है कि यह ठीक भी हो । ल्यूकोर्डमा एक प्रकार का त्वचा रोग है। दुनिया की 0.5 प्रतिशत से एक प्रतिशत आबादी इससे ग्रसित है। लेकिन भारत में इससे आठ प्रतिशत लोग ग्रसित हैं। ल्यूकोडर्मा किसी भी उम्र में हो सकता हे, लेकिन आधे से ज्यादा मामलों में यह 20 साल की उम्र से पहले ही विकसित हो जाता है। आयुर्वेद के अनुसार वात, पित्त और कफ यानी त्रिदोष के कारण इस प्रकार के रोग होते हैं।

वरिष्ठ नेता बबन शर्मा के श्राद्ध क्रम में पंडारक पहुंचे मुख्यमंत्री

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पंडारक प्रखंड अंतर्गत पंडारक गांव के नीतीश कुमार के बेहद करीबी जदयू के वरिष्ठ नेता बबन शर्मा का निधन होने के बाद उनके श्राद्ध कर्म में सोमवार की संध्या बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सड़क मार्ग से उनके श्रद्धा क्रम में पहुंचे इस दौरान नीतीश कुमार करीब 5 मिनट तक उनके पुत्र आलोक कुमार से मुलाकात कि उनके घर के छत पर जाकर लोगों का अभिनंदन किया और फिर उनका काफिला पटना के लिए निकल पड़ा। बबन शर्मा के श्राद्ध क्रम में कई बड़े हस्ती उनके कार्यक्रम में शिरकत करेंगे सोमवार को मशहूर भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा अपने कार्यक्रम का प्रस्तुति दिया। वहीं मंगलवार के दिन गजल गायक अनूप जलोटा भी पंडारक पहुंचकर अपनी प्रस्तुति देंगे।

उत्साह और उमंग के साथ कृषि अनुसंधान परिसर में शुरू हुआ सिक्किम के किसानों का प्रशिक्षण

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिक्किम जो एक जैविक खेती प्रधान राज्य है, के लघु एवं सीमांत किसानों के कौशल विकास तथा क्षमता संवर्धन के उद्देश्य से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा समेकित कृषि प्रणाली विषय पर एक उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 02 से 06 फरवरी 2026 तक किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सिक्किम राज्य से कुल 27 किसान भाग ले रहे हैं, जिनमें 18 महिलाएं शामिल हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीमित संसाधनों के कुशलतम उपयोग के माध्यम से कृषि उत्पादन बढ़ाना, किसानों की आय में वृद्धि करना तथा टिकाऊ एवं जलवायु-अनुकूल खेती को बढ़ावा देना है। संस्थान के निदेशक डॉ. अनुप दास ने अपने अभिभाषण में सिक्किम के किसानों को उन्नत कृषि की दिशा में पहला कदम उठाने पर बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने स्मार्ट खेती को अपनाने हेतु भूमि एवं जल प्रबंधन की उन्नत तकनीकों—जैसे ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग, कृषि अपशिष्ट का पुनर्चक्रण, कम्पोस्ट निर्माण, ग्राफ्टिंग, समेकित जैविक खेती, समेकित प्राकृतिक खेती तथा कृषि-वानिकी—को अपनाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही आय में वृद्धि एवं टिकाऊ कृषि को सुनिश्चित करने के लिए डेयरी, सुअर पालन आदि सहायक उद्यमों को कृषि प्रणाली में सम्मिलित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसके अतिरिक्त किसानों को कम से कम ऐसे किसी एक घटक का चयन अवश्य करना चाहिए, जिससे आय में गुणात्मक वृद्धि प्राप्त की जा सके, जैसे गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री का उत्पादन, स्ट्रॉबेरी की खेती, उच्च मूल्य फल फसलों का उत्पादन, मशरूम स्पॉन उत्पादन, कृषि प्रसंस्करण गतिविधियाँ आदि। कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक एवं फसल अनुसंधान प्रभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि कहा कि समेकित कृषि प्रणाली किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का एक सशक्त माध्यम है । उन्होंने बताया कि यह प्रणाली कृषि के विविध पहलुओं को एक साथ जोड़कर उत्पादन क्षमता को बढ़ाती है, जिससे लघु एवं सीमांत किसानों को अधिक प्रभावी और टिकाऊ खेती अपनाने में सहायता मिलती है। डॉ. आशुतोष उपाध्याय, प्रभागाध्यक्ष, भूमि एवं जल प्रबंधन ने कहा कि मृदा स्वास्थ्य, जल संरक्षण और संसाधन दक्षता समेकित कृषि प्रणाली की आधारशिला हैं, जो दीर्घकालीन कृषि स्थिरता सुनिश्चित करती हैं। डॉ. कमल शर्मा, प्रभागाध्यक्ष, पशुधन एवं मात्स्यिकी प्रबंधन ने समेकित कृषि प्रणाली में पशुधन एवं मात्स्यिकी घटकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ये घटक कृषि अपशिष्ट के पुनर्चक्रण के साथ-साथ अतिरिक्त आय और रोजगार के अवसर सृजित करते हैं। डॉ. उज्ज्वल कुमार, प्रभागाध्यक्ष, सामाजिक-आर्थिक एवं प्रसार ने कहा कि समेकित कृषि प्रणाली की सफलता किसानों तक वैज्ञानिक तकनीकों के प्रभावी प्रसार, प्रशिक्षण और सहभागिता पर निर्भर करती है। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. शिवानी ने कहा कि समेकित कृषि प्रणाली किसानों को फसल, पशुपालन और अन्य उद्यमों को मिलाकर संसाधनों का अधिकतम उपयोग और आय में वृद्धि करने का अवसर देती है। कार्यक्रम का संचालन पाठ्यक्रम सह निदेशक डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक, पटना द्वारा किया गया। अंत में वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. कुमारी शुभा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिलसा के पांच केंद्रों पर 71 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षा सोमवार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रारंभ हुई। परीक्षा के पहले दिन हिलसा के पांच परीक्षा केंद्रों पर कुल 71 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं, देर से पहुंचने के कारण दर्जनों छात्राओं को परीक्षा में बैठने का मौका नहीं मिल सका, जिससे परीक्षा केंद्रों पर कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। विलंब से केंद्रों पर पहुंचे कई परीक्षार्थियों ने जान जोखिम में डालते हुए बाउंड्री फांदकर प्रवेश करने का प्रयास किया, जबकि कई छात्राएं फूट-फूट कर रोती नजर आईं। सभी परीक्षा केंद्रों पर धारा 144 लागू रही तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।आंकड़ों के अनुसार प्रथम पाली में रामबाबू हाईस्कूल परीक्षा केंद्र पर कुल 2165 परीक्षार्थियों में 24 अनुपस्थित रहे। एसयू कॉलेज परीक्षा केंद्र में 793 में 9, सरदार पटेल कॉलेज में 904 में 20, उच्च विद्यालय मई में 865 में 8 तथा मध्य विद्यालय गुलनी हैदरपुर में 393 में 4 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए।

नीति आयोग द्वारा संचालित संपूर्णता अभियान 2.0 का किया शुभारंभ

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । आज समाहरणालय सभागार कक्ष में जिला उपायुक्त रामनिवास यादव अनुमंडल पदाधिकारी गिरिडीह श्रीकांत यशवंत विस्पुते अनुमंडल पदाधिकारी खोरीमहुआ अनिमेष रंजन जिला योजना पदाधिकारी जितेंद्र दूबे जिला शिक्षा पदाधिकारी वसीम अहमद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अंजना भारती समेत अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर नीति आयोग द्वारा संचालित संपूर्णता अभियान 2.0 कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिला एवं प्रखण्ड कार्यक्रम अन्तर्गत इंडिकेटर वाइज सतुराशन के निमित्त 06 इंडिकेटर्स का चयन करते हुए सभी संबंधित क्षेत्रों में सतुराशन हेतु तीन माह का "सम्पूर्णता अभियान" प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। संपूर्णता अभियान 2.0 कार्यक्रम 28 जनवरी से 14 अप्रैल तक संचालित होगा। इसके तहत सभी 06 मानकों पर कार्य किया जा रहा है।इस दौरान उपायुक्त रामनिवास यादव ने मीडिया बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि नीति आयोग द्वारा संचालित तीन माह का "सम्पूर्णता अभियान के तहत इंडिकेटर वाइज सैचुरेशन के निमित्त सभी 06 इंडिकेटर्स में प्रगति करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को एक्शन प्लान तैयार कर समन्वय स्थापित करते हुए सभी इंडिकेटर में प्रगति

सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने कहा कि सभी पैरामीटर में पूरी पारदर्शिता और तन्मयता के साथ कार्य करें, जिससे कि नीति आयोग के सभी मानकों में प्रगति हासिल किया जा सके। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हेल्थ एवं न्यूट्रिशन पर विशेष फोकस करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र भ्रमण कर सभी पैरामीटर पर कार्य करें साथ ही शिक्षा स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे कृषि जल संसाधन वित्तीय समावेशन और कौशल विकास के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों में तेजी लाएं ताकि आने वाले तीन महीनों में शत-प्रतिशत लक्ष्य को हासिल किया जा सकें। उन्होंने शिक्षा विभाग को जिन विद्यालयों में विद्युतीकरण नहीं किया गया है, उन विद्यालयों में विद्युतीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी डिपार्टमेंट से समन्वय स्थापित कर विद्यालयों में शीघ्र ही इलेक्ट्रिसिटी की सुविधा उपलब्ध कराया जाय। टेक्स्टबुक डिस्ट्रीब्यूशन को सैचुरेशन मोड में कराएं। इस अभियान के तहत सभी गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच कार्य को हर हाल में करना है। साथ ही डायबिटीज तथा उच्च रक्तचाप का स्क्रीनिंग तथा उच्च रक्तचाप, आईसीडीएस का एक सूचकांक गर्भवती महिलाओं को पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराना है। एनिमल वैक्सीनेशन को भी पूरा करें। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि कल्याणकारी योजनाओं को सफल बनाना हमारी

- जिला उपायुक्त ने संबंधित विभागों को उचित कार्य योजना तैयार कर नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिला व प्रखंड कार्यक्रम अंतर्गत सभी इंडिकेटर्स में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए
- आकांक्षी जिला एवं प्रखंड अंतर्गत नीति आयोग के सूचक के लक्ष्य प्राप्ति को लेकर उचित दिशा निर्देश दिए गए
- सभी पैरामीटर में पूरी पारदर्शिता और तन्मयता के साथ कार्य करें, जिससे कि नीति आयोग के सभी मानकों में प्रगति हासिल किया जा सकेः उपायुक्त

प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्रीकांत या विस्पुते ने कहा कि नीति आयोग द्वारा संचालित संपूर्णता अभियान एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। जिसके तहत नीति आयोग के सभी मानकों में प्रगति सुनिश्चित की जानी है। उन्होंने कहा कि सम्पूर्णता अभियान के तहत तीन माह का कार्य योजना तैयार कर रोस्टर के अनुरूप प्रत्येक दिन का गतिविधि का संचालन करें एवं निर्धारित लक्ष्य को हर हाल में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी खोरीमहुआ अनिमेष रंजन ने कहा कि नीति आयोग के तहत सभी मानकों में प्रगति लाने हेतु 3 महीनों का संपूर्णता अभियान निर्धारित किया गया है। इसमें फेज वाइज एक्शन बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है ताकि योजनाओं में वृद्धि लाया जा सकें। उन्होंने कहा कि इन तीन महीनों में फर्स्ट ए एनसी के तहत जांच गर्भवती महिलाओं की लिस्ट बनाकर उसका नियमित जांच करवाना गर्भवती महिलाओं के बीच कोट उपलब्ध करना एएनसी कार्ड का वितरण प्रॉपर जांच आदि किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में बुनियादी सुविधाओं जैसे वेइंग मशीन हिमोग्लोबिनोमीटर आदि की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जायेगी ताकि गर्भवती महिलाएं भी सरकारी सुविधाओं का लाभ ले सकें। कार्यक्रम का समापन जिला योजना पदाधिकारी जितेंद्र दूबे के अभिभाषण से किया गया।

विभिन्य नगर निकायों से आज कुल 45 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन किया दाखिल

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । नगरपालिका आम चुनाव 2026 के निमित्त पूरे नगर निकायों में नाम निर्देशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस दौरान गिरिडीह जिला अंतर्गत सभी नगर निकायों गिरिडीह नगर निगम, बड़की सरैया नगर पंचायत और धनवार नगर पंचायत में आज कुल 45 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन दाखिल किया। जिसकी विवरणी निम्न प्रकार है गिरिडीह नगर निगम में महापौर पद के लिए 03 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया, जिसमें प्रमिला मेहरा गौरव कुमार और जागेश्वर माथा शामिल है गिरिडीह नगर निगम के वार्ड संख्या 1 से 09 में आज कुल 05 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया। जिसमें हिना खानम विक्रम पंडित, आयशा खातून, मो शौकत अंसारी और रविराज गिरिडीह नगर निगम के वार्ड संख्या 10 से 18 में वार्ड संख्या 17 से आरती देवी और वार्ड नंबर 10 से श्री राहुल कुमार ने अपना नामांकन दाखिल किया। गिरिडीह नगर निगम के वार्ड संख्या 19 से 27 में आज कुल 10 नामांकन दाखिल हुआ, जिसमे राजा कुमार अंशु कुमार यादव मुकेश कुमार यादव हसन तबरेज मो जियाउद्दीन अंसारी कहकशा अंजुम शबनम बानो नूरी नाजिया, उर्मिला देवी ने अपना नामांकन दाखिल किया गिरिडीह नगर निगम के वार्ड संख्या 28 से 36 में आज कुल 14 नामांकन हुआ। जिसमें गोविंद कुमार यादव सावन कुमार ठाकुर, महेंद्र दास, पवन कुमार रवानी, अभिषेक कुमार शर्मा, शारदा देवी आसमा प्रवीण, इशरत जहां, आरजू बानो आसमीन प्रवीण सरफराज अंसारी शाहनाज खातून शकुंतला देवी और निशा कुमारी ने अपना नामांकन दाखिल किया बड़की सरैया नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए 04 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन दाखिल किया।

बस मालिक के घर के सामने से स्कॉर्पियो चोरी, तीन चोर कैद

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

दारू हजारीबाग। दारू प्रखंड के तिलैया शिव मंदिर के समीप विजय रथ बस के मालिक राजकुमार वर्मा के घर के सामने से स्कॉर्पियो वाहन चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरों ने रात के अंधेरे में घर के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो को चोरी कर लिया। चोरी गई गाड़ी सफेद रंग की स्कॉर्पियो है, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर 9001 बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार वाहन मालिक राजकुमार वर्मा ने अपनी स्कॉर्पियो को रात में घर के बाहर बने कोरकेट शेड में खड़ा किया था। रात्रि के समय जब वे बाहर निकले तो वाहन को गायब पाया। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने दारू थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुँची और घर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की।

हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल में फिर लापरवाही, मानवता हुआ शर्मसार

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल में तीन दिन पूर्व बंध्याकरण ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि अस्पताल में डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों की एक और गंभीर लापरवाही सामने आ गई है। इस बार मामला बड़े ऑपरेशन से प्रसव कराई गई एक महिला मरीज से जुड़ा है, जिसे रात में असहनीय दर्द होने लगा। दरअसल हिलसा थाना क्षेत्र के बलभद्र सराय गांव के निशु कुमारी को वीते 31 जनवरी को बड़ा ऑपरेशन से प्रसव कराया गया।सफल ऑपरेशन के बाद मरीज को वार्ड में शिप्ट कर दिया गया था। अगले दिन रात को करीब आठ बजे मरीज को अचानक असहनीय दर्द हुआ। मरीज की हालत बिगड़ने पर ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर व कर्मियों से बार-बार मरीज को देखने की गुहार लगाई गई, लेकिन डॉक्टर ने यह कहकर टाल दिया कि उसका ड्यूटी समय समाप्त हो चुका है। इसके बाद मरीज दर्द से कराहती रही, जबकि स्वास्थ्यकर्मी आराम फरमाते रहे। काफी आरजू बिनती करने पर एक घण्टे बाद डॉक्टर आए और उपचार किए। इस संबंध में मरीज के परिजन अनीश कुमार ने अस्पताल उपाधीक्षक को लिखित आवेदन देकर लापरवाह डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि इन लापरवाही के कारण ही अस्पताल में मरीज की जान चली जाती है। आवेदन में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि बड़े ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति गंभीर थी, इसके बावजूद जिम्मेदारों ने उसे भगवान भरोसे छोड़ दिया।लगातार सामने आ रही घटनाओं से हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

राष्ट्रीय जनता दल की बैठक में नगर निगम चुनाव पर बनी रणनीति

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह जिला राष्ट्रीय जनता दल जिला कमिटी की बैठक जिला अध्यक्ष इरफान आलम की अध्यक्षता में आयोजित हुई वहीं संचालन गांवा प्रखण्ड अध्यक्ष लखन यादव ने किया बैठक में गिरिडीह जिला में राष्ट्रीय जनता दल का सांगठनिक जनाधार काफी मजबूती से बढ़ाने पर जोर दिया गया संगठन की सशक्तिकरण को लेकर जिले के सभी 13 ब्लॉक में सांगठनिक ताकतों को मजबूती प्रदान करने में सभी प्रखंडों का दौरा किया जाएगा जिसमें सभी कार्यकताओं की सहभागिता पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभानी होगी कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष इरफान आलम ने बताया कि जिले में नगर निगम क्षेत्र में होने वाले चुनाव में सभी 36 वार्ड में सुयोग्य उम्मीदवारों को अपना समर्थन देकर कर्तव्यनिष्ठ चेहरों को वार्ड पार्षद बनाया जाएगा साथ ही एक मजबूत विचारधारा और सामाजिक न्याय की विरासत को सशक्त बनाने एवं गिरिडीह जिला का भाग्य बदलने व गिरिडीह वासियों की शोहरत सम्मान और तस्वीर बदलने तथा समृद्धशाली विकास की किरणें जनता के हर घरों तक पहुंचने में सफल साबित होने वाले सुयोग्य और कर्तव्यनिष्ठ चेहरों को मेयर पद पर पदस्थापित करने में हम सभी का बेहतर योगदान समर्पित रहेगा आगामी लोक सभा और विधान सभा चुनावों में भी जिले के सभी छह विधानसभा सीटों पर तथा लोकसभा के दो सीटों पर राजद चुनाव अपने दम पर लड़ेगी वहीं गठबन्धन धर्म का भी ईमानदारी से पालन करने में राजद पीछे नहीं रहेगा परंतु गठबन्धन के सभी दलों को भी ईमानदारी और निष्ठा के साथ गठबन्धन धर्म का पालन करते हुए सभी दलों के नेताओं को सम्मान देने का काम

करना चाहिए बैठक में गिरिडीह वासियों से अपील किया गया कि गिरिडीह की तकदीर और तस्वीर बदलने में ईमानदार और स्वच्छ उम्मीदवार को वार्ड पार्षद बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे साथ ही मेयर पद पर भी स्वच्छ और मजबूत विचारधारा वाले प्रत्याशी को मेयर बनाने में अपनी भूमिकाएं गिरिडीह जिले के उज्ज्वल भविष्य संवारने में समर्पित करें उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय जनता दल के जिला अध्यक्ष इरफान आलम राष्ट्रीय जनता दल के कतवार नेता अंभवी नेता रामेश्वर यादव जिला महासचिव शाहबाज कादरी, जिला सचिव अतुल कुमार चौधरी बलदेव नायक, सह सचिव संजय शर्मा, मंजूर अंसारी देवरी प्रखण्ड अध्यक्ष रामकिशुन हाजरा, गांवा प्रखण्ड अध्यक्ष लखन यादव, चन्दन हाजरा कालीचरण यादव, बंकिम कुमार रजक संजय कुमार ठाकुर रजाक अंसारी थे।

महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने जोनल युवा महोत्सव में परचम लहराया

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । आर के महिला महाविद्यालय की छात्राएं पौलोमी सरकार एवं रूपा कुमारी ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग की ओर से ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव जो कि फकीर मोहन विश्वविद्यालय उड़ीसा में 27 से 31 जनवरी को संपन्न हुआ,उसमें इन्होंने भाग लिया था। दोनों ही छात्राओं ने प्रतिभा का परचम लहराया। पौलोमी सरकार को वेस्टर्न सोलो में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ तथा ग्रुप सॉन्ग वेस्टर्न में द्वितीय स्थान रहा।वहीं रूपा कुमारी को हिंदी वाद विवाद में प्रथम स्थान मिला छात्राओं के इस प्रदर्शन से

महाविद्यालय में प्रसन्नता की लहर है। प्राचार्य डॉ के एन शर्मा ने छात्राओं को अनंत शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा की तैयारियों को लेकर जिला उपायुक्त ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में आगामी 03 फरवरी से प्रारंभ होने वाली मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा की तैयारियों को लेकर आज जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने गांवा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर बिजली, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, पेयजल सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार एवं परीक्षा कक्षों में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे पूर्णतः क्रियाशील रहें तथा उनकी निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही किसी भी अनधिकृत व्यक्ति का परीक्षा केंद्र परिसर में प्रवेश सख्ती से प्रतिबंधित रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि सख्त निगरानी के साथ नकल मुक्त एवं निष्पक्ष परीक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियों का पूर्व मूल्यांकन कर लिया जाए। साथ ही प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर प्राथमिक उपचार फर्स्ट एड की व्यवस्था तथा परीक्षा के दिन एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिले में मैट्रिक परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या 40,827 है। जबकि, इंटर परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या 27,137 है। साथ ही मैट्रिक परीक्षा को लेकर कुल 95 केंद्र एवं इंटर परीक्षा के लिए 63 केंद्र बनाया गया है।

501 महिलाओं की भव्य कलश यात्रा से गूंजा शिवधाम

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

दारू हजारीबाग। सदर प्रखंड अंतर्गत बानाहप्पा स्थित नवनिर्मित शिव मंदिर से आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जहां 501 महिलाओं एवं कुंवारी कन्याओं ने सिर पर कलश धारण कर भव्य कलश यात्रा निकाली। यह यात्रा मेडकुरी सेवाने नदी तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पवित्र जल भरकर महिलाएं पुनः मंदिर की ओर लौटीं। पूरे मार्ग में गाजे-बाजे, हर-हर महादेव के जयकारों और भक्तिमय वातावरण से क्षेत्र गुंजायमान हो उठा।इस पावन अनुष्ठान में मुख्य पुजारी अमरेंद्र प्रताप सिंह अपनी पत्नी खुशबू सिंह के साथ उपस्थित रहे।

मधुबन के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में पाठ्य सामग्री का वितरण

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के आयाम गतिविधि सेवार्थ विद्यार्थी के माध्यम से पीरटांड़ इकाई के द्वारा प्रखंड पीरटांड़ पंचायत अंतर्गत मधुबन के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच कॉपी बॉक्स पेंसिल रबर कटर पेन आदि का वितरण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से अभाविप प्रदेश सह मंत्री मंटू मुर्मू प्रदेश एसएफएस सह संयोजक अनीश रॉय उपस्थित रहे जिला संयोजक सह प्रदेश सह मंत्री मंटू मुर्मू ने कहा कि अभाविप का आयाम गतिवि एसएफएसके प्रमुख कार्यों में शामिल है बस्ती परिषद की पाठशाला गरीब बच्चों को शिक्षित करने के लिए निशुल्क कक्षाएं चलाना सामाजिक सहायता ठंड में कंबल वितरण आपदा राहत कार्य और जरूरतमंदों की मदद करना स्वास्थ्य और रक्तदान देश जनता को स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता लाना एवं जरूरत पडने पर समय-समय पर परिषद के कार्यकर्ता रक्तदान भी करते हैं सामाजिक चेतना ग्रामीण विकास स्वच्छता और स्थानीय मुद्दों पर जागरूकता फैलाना व्यक्तित्व विकास युवाओं में सेवा भाव और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का संस्कार विकसित करना एसएफएस का मुख्य ध्येय हर जीव में शिव देखना और

एनटीपीसी केरेडारी में एचपीसी वेतन विवाद ट्रिब्यूनल पहुंचा, हड़ताल वापस

नवीन सिन्हा
हजारीबाग ब्यूरो

एनटीपीसी लिमिटेड के केरेडारी कोल माइनिंग परियोजना में कार्यरत सैकड़ों मजदूरों के एचपीसी दर से वेतन भुगतान को लेकर चला आ रहा विवाद अब औपचारिक रूप से केन्द्रीय सरकारी औद्योगिक न्यायाधिकरण के समक्ष पहुंच गया है। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत उप मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), धनबाद द्वारा इस औद्योगिक विवाद को संख्या-1, धनबाद को न्यायनिर्णयन हेतु संदर्भित किया गया है। जानकारी के अनुसार यह विवाद एनटीपीसी केरेडारी कोल माइंस एवं उसके ठेकेदार एम/एस बीजीआर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधन और राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के बीच उत्पन्न हुआ है। यूनियन की मांग है कि परियोजना में कार्यरत मोहम्मद हाफिज अत्तारी सहित कुल 520 मजदूरों को एचपीसी दर पर वेतन भुगतान किया जाए। अब न्यायाधिकरण यह तय करेगा कि यह मांग न्यायसंगत एवं वैधानिक है या नहीं, तथा यदि सही पाई जाती है तो मजदूरों को किस प्रकार की राहत मिलेगी। न्यायाधिकरण को तीन माह के भीतर अपना फैसला सुनाने का निर्देश दिया गया है। इधर, इसी मामले को लेकर 21 जनवरी 2026 से केरेडारी कोल माइंस में मजदूरों की हड़ताल जारी थी। लेकिन विवाद के ट्रिब्यूनल में चले जाने के बाद राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन (हिन्द मजदूर सभा) ने हड़ताल वापस लेने की घोषणा कर दी है। यूनियन के जोनल सचिव मो. जहूर ने प्रबंधन को पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी। यूनियन ने स्पष्ट किया कि औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के अनुसार जब कोई मामला सक्षम कानूनी मंच पर विचाराधीन हो, तब हड़ताल पर जाना नियमों के विरुद्ध है। इसी कारण यूनियन ने तत्काल प्रभाव से हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया और अब मजदूरों के हित में कानूनी रूप से ट्रिब्यूनल के समक्ष पक्ष रखा जाएगा। हड़ताल वापसी की सूचना प्रबंधन के साथ-साथ प्रशासन एवं श्रम विभाग के अधिकारियों को भी दे दी गई है। अब परियोजना क्षेत्र में सामान्य कार्य बहाल होने की उम्मीद है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि ट्रिब्यूनल द्वारा जो भी निर्णय आएगा, उसे कंपनी और यूनियन दोनों को कानूनन मानना होगा।

चौपारण में पुलिस-वन विभाग की बड़ी कार्रवाई 25 एकड़ में लगी अवैध अफीम की फसल नष्ट

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण हजारीबाग। अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत चौपारण थाना क्षेत्र में हजारीबाग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर दिनांक 02 फरवरी 2026 को चौपारण थाना अंतर्गत ग्राम ढोडिया सहित अंजन के विभिन्न इलाकों में पुलिस एवं वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लगभग 25 एकड़ में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को चिन्हित कर मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान घटनास्थल से 6 डिलीवरी पाइप भी बरामद किए गए, जिन्हें वहीं नष्ट कर दिया गया। पुलिस द्वारा अवैध रूप से अफीम की खेती

करने वाले व्यक्तियों के नाम-पते का सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान के उपरांत उनके विरुद्ध कांड दर्ज कर विधि-सम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में अग्रतर कार्रवाई जारी है। इस संयुक्त अभियान में रउ्रढ्ढड बरही श्री अजित कुमार बिमल, पु0नि0 बरही अंचल श्री चंद्रशेखर, चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, एसआई सुबिन्दर राम, एएसआई बदल महतो, एएसआई कमरुद्दीन सहित सशस्त्र बल एवं वन विभाग के बनपाल कुलदीप कुमार एवं सरवन कुमार शामिल थे।

साहित्य की महान आकांक्षा की पूर्ति है उपन्यास 'सम्मान-पथ

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सुविख्यात संचारविद और साहित्यकार अमरेन्द्र नारायण का उपन्यास 'सम्मान पथ' वस्तुतः साहित्य की उस महान आकांक्षा की पूर्ति है, जिसका संबंध समाज के हित की भावना से है। लेखक ने अपने उपन्यास में 'उत्साह' के महत्त्व को सिद्ध करते हुए, यह कहना चाहा है कि उत्साह एक ऐसा बल है, जिससे सागर लाँघा जा सकता है और नियति बदली जा सकती है। हताशा मनुष्य को दुर्बल करती है और उत्साह बली बनाता है। यह बातें सोमवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में, सम्मेलन द्वारा प्रकाशित, जबलपुर के सुप्रसिद्ध लेखक अमरेन्द्र नारायण की पुस्तक 'सम्मान-पथ' के लोकार्पण-समारोह की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन

अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि मनुष्य पर उसके मन का सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। मन यदि प्रसन्न और उत्साहित हो तो वह व्यक्ति न केवल सदा-स्वस्थ रहता है, अपितु जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफल होता है। इसके विपरीत एक हताश व्यक्ति आलसी, अस्वस्थ और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में असफल होकर, परिवार और समाज पर बोझ बन जाता है। इसलिए मन को सबल बनाना और प्रत्येक परिस्थिति में उत्साह बनाए रखना आवश्यक है। उपन्यासकार ने इस पुस्तक के माध्यम से ग्रामीण-युवकों को, नूतन तकनीकी का सदुपयोग करते हुए, कृषि को उन्नत करने में उत्साह-पूर्वक यत्न करने का आह्वान किया है और इसे 'सम्मान-पथ' बताया है। इस उपन्यास का प्रत्येक अंश पाठकों में उत्साह का सृजन करता है। समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री विमल जैन ने कहा कि लोकार्पित पुस्तक के विद्वान लेखक को मैं दशकों से देखता और पढ़ता रहा हूँ। ग्रामीण-संस्कृति को लेखक ने इस कृति में बहुत ही सुंदर और सार्थक रूप में चित्रित किया है। ग्राम्य-परिवेश में जो आत्मीयता का स्वर है, वह अत्यंत प्रभावशाली ढंग से पुस्तक में अभिव्यक्त हुआ है।

पारसनाथ पहाड़ी मारंग बुरु को सिंगल-यूज प्लास्टिक-फ्री जोन घोषित करने हेतु समन्वय बैठक आयोजित

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह : पारसनाथ पहाड़ी मारंग बुरु को सिंगल-यूज प्लास्टिक-फ्री जोन घोषित करने, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट पीडब्लूएमयू के सुचारू संचालन तथा मधुबन तीर्थ क्षेत्र में उत्पन्न कचरे के प्रभावी प्रबंधन को लेकर आज एक उच्च-स्तरीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त गिरिडीह स्मिता कुमारी ने की, जबकि बैठक का संचालन पीरटांड प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा किया गया। पीरटांड प्रखंड में स्थित पारसनाथ पहाड़ी मारंग बुरु जैन समुदाय संथाल आदिवासी समुदाय सहित कई धार्मिक समूहों के लिए अत्यंत पवित्र एवं सांस्कृतिक महत्व का स्थल है। यह क्षेत्र पारिस्थितिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए बैठक में पहाड़ी क्षेत्र की पवित्रता, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने हेतु वैज्ञानिक ठोस-तरल कचरा प्रबंधन तथा पर्यावरण-अनुकूल स्वच्छता व्यवस्था को लागू करने पर विशेष बल दिया गया। बैठक के दौरान बताया गया कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण चरण-

02 के अंतर्गत प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट की स्थापना एवं जलवायु-लचीले जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य वाश अवसंरचना का विकास इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इन उपायों से न केवल पवित्र स्थल की स्वच्छता सुनिश्चित होगी, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी मुख्य निर्देश एवं निर्णय उप विकास आयुक्त ने सभी होटल एवं धर्मशाला संचालकों को अपने परिसरों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी स्थापित करने का निर्देश दिया, ताकि तरल अपशिष्ट का उपचार कर साफ पानी को नदियों एवं तालाबों में गिराया जाये पवित्र पहाड़ी क्षेत्र एवं उसके आसपास ठोस कचरा फेंकने तथा कचरे के ढेर लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जलवायु-अनुकूल वाश अवसंरचना के विकास पर सहमति बनी, जिसके तहत तीर्थयात्रियों एवं पर्यटकों के लिए सामुदायिक शौचालयों सहित स्वच्छ एवं सुरक्षित स्वच्छता सुविधाएं विकसित की जाएंगी पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों के लिए स्वच्छता, साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन से संबंधित दिशा-निर्देश तैयार कर उनके व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्णय लिया गया प्लास्टिक पृथक्करण एवं रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने हेतु मधुबन क्षेत्र में बेकार प्लास्टिक बोतलों के संग्रह के लिए ह्यबॉटल बैंकह्न की स्थापना की गई है होटल रसोई सफाई कर्मियों एवं संबंधित स्टाफ के लिए गिला एवं सूखा कचरा के पृथक्करण सेग्रेगेशन से सम्बंधित प्रशिक्षण आयोजित करने का निर्णय लिया गया आगामी चरण में पारसनाथ पहाड़ी एवं मधुबन पंचायत क्षेत्र में सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने हेतु व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया इस बैठक में श्री सम्मेद शिखर जी स्वच्छता समिति के प्रतिनिधि, होटल एवं धर्मशाला प्रबंधक स्थानीय दुकानदार, मधुबन गांव के संथाल आदिवासी समुदाय के सदस्यगण सहित स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग पीएचइडी एवं यूनिसेफ के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे बैठक में लिए गए सामूहिक निर्णय पारसनाथ पहाड़ी मारंग बुरु क्षेत्र की पारिस्थितिक अखंडता, धार्मिक पवित्रता एवं जन-स्वास्थ्य की रक्षा के लिए जिला प्रशासन की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। जिला प्रशासन द्वारा सतत एवं समुदाय-आधारित कचरा प्रबंधन समाधानों को अपनाकर इस पवित्र एवं संवेदनशील क्षेत्र के संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

दुल्हन की तरह सजा दिखा परीक्षा केंद्र

परीक्षार्थियों को तिलक लगाकर दिलाया गया प्रवेश ☐ छात्राओं की सुरक्षा को ले प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर के तारापुर अनुमंडल अंतर्गत उत्क्रमित विद्यालय बिहमा को इस बार आदर्श परीक्षा केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। यहां की व्यवस्थाएं अन्य केंद्रों से अलग और प्रेरणादायक नजर आईं, जहां परीक्षा का माहौल अनुशासित और सकारात्मक दिखाई दिया।

परीक्षा में शामिल होने पहुंचे छात्र-छात्राओं का प्रवेश से पहले पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस अनूठी पहल से परीक्षार्थियों के चेहरे पर उत्साह और आत्मविश्वास साफ झलकता नजर आया, जिससे परीक्षा का तनाव कम होता दिखा।

परीक्षा केंद्र को रंग-बिरंगे गुब्बारों, बैनरों और सजावटी सामग्री से दुल्हन की तरह सजाया गया था। यह सजावट न केवल आकर्षक थी, बल्कि पूरे परिसर में सकारात्मक और सुव्यवस्थित वातावरण को भी

दर्शा रही थी। छात्राओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। तारापुर के एएसपी संकेत कुमार स्वयं परीक्षा केंद्र पर मौजूद रहकर विधि-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते दिखे। उनके साथ मजिस्ट्रेट के रूप में प्रखंड कृषि पदाधिकारी सीताराम पासवान और तारापुर थाना अध्यक्ष राजकुमार भी केंद्र का निरीक्षण कर रहे थे।

प्रथम पाली में कुल 214 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। पहली पाली में बायोलॉजी विषय की परीक्षा आयोजित की गई, जो शांतिपूर्ण, कदाचारमुक्त और सुव्यवस्थित माहौल में संपन्न हो रही है। केंद्र पर सीसीटीवी निगरानी, पर्याप्त पुलिस बल और प्रशासनिक उपस्थिति से परीक्षार्थियों व अभिभावकों में भरोसा देखा गया।

आदर्श परीक्षा केंद्र की यह पहल न केवल परीक्षार्थियों के मनोबल को बढ़ाने वाली साबित हुई है, बल्कि अन्य परीक्षा केंद्रों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करती है।

10 दिनों पूर्व से लापता छात्र धराया

मधेपुरा। शहर के एक निजी विद्यालय से 10 दिन पूर्व लापता हुए आठवीं कक्षा के छात्र को पुलिस ने रविवार को सहरसा रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। छात्र की बरामदगी के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली है।

वार्ड दो स्थित आवासीय रामकृष्ण विद्या मंदिर स्कूल में रहकर पढ़ाई करने वाला आठवीं कक्षा का छात्र निशु कुमार 23 जनवरी को सरस्वती पूजा के दिन स्कूल से अचानक फरार हो गया था। उस दिन वह अपने सहपाठी प्रियांशु के साथ घर के लिए निकला था।

प्रियांशु सुरक्षित अपने घर पहुंच गया, लेकिन निशु कुमार घर नहीं पहुंच सका। इसके बाद विद्यालय प्रबंधन एवं परिजन काफी परेशान हो गए व उसकी तलाश शुरू की गई, लेकिन कई दिनों तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया।

थक-हारकर परिजनों ने सदर थाना में आवेदन देकर छात्र के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद सदर थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए छात्र की खोजबीन शुरू की।

पूर्व विधायक के आवास पर बमबाजी, परिसर में अफरा-तफरी

बाइक सवार अपराधियों ने फेंके बम, कोई हताहत नहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। नगर निकाय चुनाव की सरगर्मी के बीच रविवार देर रात सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित पूर्व विधायक संजीव सिंह के आवास सिंह मैंशन में बमबाजी की घटना सामने आई। इस वारदात से इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 11:30 से 12 बजे के बीच बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने सिंह मैंशन को निशाना बनाते हुए दो बम फेंके। एक बम आवास परिसर के गेट के भीतर जाकर विस्फोट कर गया, जबकि दूसरा बम बाहर ही गिर गया। जिस स्थान पर विस्फोट हुआ, वहां आमतौर पर लोग बैठते हैं। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

घटना के समय झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह, उनकी पत्नी और वर्तमान विधायक रागिनी सिंह अपने कमरे में मौजूद थीं। धमाके की आवाज सुनते ही परिसर में अफरातफरी मच गई। अंदर मौजूद लोग और सुरक्षा गार्ड बाहर की ओर निकले, लेकिन तब तक अपराधी फरार हो चुके थे।

घटना की सूचना मिलने के बाद सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर पूर्व विधायक संजीव सिंह से पूरी जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने सिंह मैंशन में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। जांच के लिए डीवीआर को पुलिस अपने साथ ले गई है। आसपास के इलाकों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके।

सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि बमबाजी की घटना को गंभीरता से लिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि सिंह मैंशन में झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह, उनकी पत्नी विधायक रागिनी सिंह और झरिया की पूर्व विधायक कुंती सिंह निवास करती हैं। पूर्व विधायक संजीव सिंह ने नगर निकाय चुनाव में मेयर पद के लिए अपनी दावेदारी पेश की है और मंगलवार को नामांकन करने वाले हैं। चुनाव से ठीक पहले हुई इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी है।

कजरा सोलर पॉवर प्लांट से जगमग होगा क्षेत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। जिले में बिजली की कमी को दूर करने और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में कजरा सोलर पॉवर प्लांट एक बड़ी उपलब्धि के रूप में उभर रहा है।

एक जुलाई 2024 से कजरा में 1,232 एकड़ भूमि पर सोलर पॉवर प्लांट का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का कार्य एल एंड टी लिमिटेड कंपनी को सौंपा गया है, जो अगले 10 वर्षों तक इसके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी निभाएगी।

करीब 2,300 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला कजरा सोलर पॉवर प्लांट दो चरणों में पूरा किया जाना है। दोनों चरणों का कार्य पूर्ण होने पर यहां से प्रतिदिन 301 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा, जबकि 495 मेगावाट आवर बिजली के स्टोरेज की भी व्यवस्था रहेगी। इससे न केवल लखीसराय बल्कि आसपास के जिलों को भी स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

करीब 1,500 करोड़ रुपये की लागत से प्रथम चरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। इस चरण में निर्धारित 185 मेगावाट क्षमता के विरुद्ध फिलहाल 150 मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरू हो चुका है।

सोलर प्लेटों की कतारों के बीच पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है, जिसके पूरा होने के बाद सोलर प्लेटों की सफाई कर पूर्ण क्षमता के साथ उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा।

कजरा सोलर पॉवर प्लांट से उत्पादित बिजली को लखीसराय और मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर ग्रिड को उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे क्षेत्रीय विद्युत आपूर्ति को मजबूती मिली है।

प्रथम चरण में कुल 16 ब्लाक में चार लाख 85 हजार सोलर प्लेट लगाए गए हैं। प्रत्येक सोलर प्लेट से 540 से 545 वाट बिजली उत्पादन की क्षमता है।

सोलर प्लेट की आयु 25 वर्ष और बैटरी की आयु लगभग 12 वर्ष निर्धारित की गई है। प्रथम चरण का कार्य तकनीकी रूप से पूर्ण माना जा रहा है।

डीएम से मिलने पहुंचा फर्जी आईएएस, धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। सारण समाहरणालय में सोमवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब जिलाधिकारी और वरीय पुलिस अधीक्षक से मिलने पहुंचे एक युवक की सच्चाई सामने आ गई।

खुद को आईएएस अधिकारी बताकर डीएमझएसएसपी से मिलने गया युवक फर्जी निकला, जिसे मौके पर ही पुलिस के हवाले कर दिया गया। पकड़ा गया युवक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बसाढ़ी गांव निवासी कृष्णा पंडित का पुत्र रितेश कुमार बताया गया है।

जानकारी के अनुसार मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बसाढ़ी निवासी कृष्णा पंडित के पुत्र रितेश कुमार अपने भाई मुन्ना पंडित के साथ समाहरणालय पहुंचा था।

वह पहले वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार से मिला और उन्हें गुलदस्ता भेंट किया। इसके बाद वह जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव से मिलने पहुंचा। खुद को आईएएस अधिकारी बताते हुए उसने दावा किया कि उसकी पोस्टिंग उत्तर प्रदेश के मेरठ में है।

डीएम वैभव श्रीवास्तव ने जब उससे सामान्य बातचीत की, तो उसके जवाबों और व्यवहार से संदेह गहराने लगा। पूछताछ के दौरान वह कई सवालों पर स्पष्ट जवाब नहीं दे सका।

इसके बाद डीएम ने तत्काल अपर पुलिस अधीक्षक राम पुकार सिंह को बुलाया और युवक की पृष्ठभूमि की जांच कराने का निर्देश दिया। प्रारंभिक पड़ताल में युवक के दावे झूठे पाए गए। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, युवक अधिकारियों से नजदीकी दिखाकर लोगों पर प्रभाव जमाने और रौब गांठने की नीयत से समाहरणालय पहुंचा था।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौसपुर में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौसपुर में हम और आप मिलकर करेंगे बच्चों का समग्र विकास थीम के तहत अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक मंजीत कुमार तिवारी ने की।संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक मंजीत कुमार तिवारी ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए बच्चों के समग्र विकास की दिशा में संयुक्त प्रयास करना है। उन्होंने बताया कि बच्चों की अकादमिक प्रगति को योजनाबद्ध तरीके से अभिभावकों के साथ साझा करना विद्यालय की प्राथमिकता है।

उन्होंने अभिभावकों को सलाह देते हुए कहा कि मोबाइल व सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण उपयोग कर बच्चों को वास्तविक जीवन की गतिविधियों से जोड़ना आवश्यक है। बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने आग्रह किया कि बच्चे प्रतिदिन साफ-सुथरे यूनिफॉर्म में, कटे नाखून व सलीके से बंधे बालों के साथ विद्यालय आएं।

प्रधानाध्यापक श्री तिवारी ने बताया कि डब्बाबंद भोजन के बजाय घर का बना पौष्टिक भोजन

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए अधिक लाभदायक है। अभिभावकों से घर पर बच्चों के लिए पढ़ाई का कोना तैयार करने तथा रोज कम-से-कम एक घंटा बैठाकर लिखने-पढ़ने की आदत विकसित कराने की अपील की गई। गृह कार्यों पर नियमित चर्चा करने, बच्चों को बोल-बोलकर पढ़ने के लिए प्रेरित करने तथा टीवी-मोबाइल के समय को सीमित कर संवाद और रचनात्मक गतिविधियों में जोड़ने की सलाह दी गई।संगोष्ठी के दौरान स्टूडेंट ऑफ द मंथ के रूप में सभी कक्षाओं से एक-एक विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें सम्मानित किया गया। अभिभावक ऑफ द मंथ के रूप में एक अभिभावक प्रियंका देवी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष अजीत कुमार ठाकुर, सचिव संध्या देवी, अभिभावक गौरी शंकर, रानी कुमारी, ब्रह्मानंद महतो, प्रियंका देवी, दिग्विजय कुमार गुप्ता, योगेश कुमार, कमल कुमार, छविनाथ मांझी, सनोज कुमार, अंजू कुमारी, अर्किता कुशवाहा, राज मो अंसारी सहित शिक्षक मौजूद रहे।

जिला स्तरीय प्रदर्शनी मेला में अमन को मिला स्थान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। डायट, पूसा, समस्तीपुर में आयोजित जिला स्तरीय गणित एवं विज्ञान प्रदर्शनी मेला-2026 में शिवाजीनगर प्रखंड के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय कलवारा के छात्र अमन कुमार ने गणित विषय के अंतर्गत प्रस्तुत अपने मॉडल/प्रदर्शनी के माध्यम से द्वितीय स्थान प्राप्त कर प्रखंड एवं विद्यालय का नाम रोशन किया। अमन की इस सफलता को उनके परिश्रम, नवाचार क्षमता एवं शैक्षिक गुणवत्ता का उत्कृष्ट उदाहरण माना जा रहा है। विद्यालय के शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापक ने अमन कुमार को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने बताया कि विद्यालय में बच्चों को नवाचार एवं प्रयोग आधारित शिक्षा के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जाता है, जिसका परिणाम इस उपलब्धि के रूप में सामने आया है।

प्रखंड क्षेत्र के शिक्षकों, अभिभावकों एवं स्थानीय लोगों ने भी अमन कुमार को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी ने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में अमन कुमार राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

बिहार की मासूम शेरनी ने जयपुर में जीता सोना

क्षेत्र में खुशियां, मिल रही बधाईयां

16 राज्यों के 1200 बच्चों ने लिया भाग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार की बेटियां शिक्षा के साथ खेल के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। सारण जिले के मढ़ौरा नगर पंचायत की आठ वर्षीय छात्रा नवी श्री ने कराटे स्कूली गेम्स जयपुर सीजन-3 में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में 24 और 25 जनवरी को मालवीय नगर स्थित ज्ञान विहार स्कूल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में राष्ट्रीय स्तर की कराटे प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में देश के 16 से अधिक राज्यों से आए करीब 1200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के दौरान नवी श्री ने अपने से अधिक उम्र की प्रतिभागियों को पराजित करते हुए 10 वर्ष आयु वर्ग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। विजेताओं को ट्रॉफी, पदक, प्रमाण पत्र के साथ नगद पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

अतिप्राचीन औद्योगिक नगरी के रूप में प्रसिद्ध मढ़ौरा नगर पंचायत के मनोकामना सिंह परिवार से ताल्लुक रखने वाली नवी श्री, सिद्धांत सिंह उर्फ मन्नू सिंह और तन्नू सिंह की पुत्री हैं। नवी वर्तमान में पटना के दी चैम्पियंस क्लब से जुड़कर कोच सेंसेई सौरव कुमार के निर्देशन में कराटे का प्रशिक्षण ले रही हैं।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने की खबर मिलते ही मढ़ौरा सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। वार्ड पार्षद, बड़ी मां सम्पा सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने नवी श्री को बधाइयां दीं।

कोच सेंसेई सौरव कुमार ने बताया कि नवी में कम उम्र में ही असाधारण प्रतिभा दिखाई दे रही है। उसकी लगन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास उसे अन्य बच्चों से अलग बनाता है। वह उम्र में बड़े खिलाड़ियों के साथ भी पूरे आत्मविश्वास से अभ्यास करती है और पढ़ाई के साथ खेल को संतुलित रखती है।

मानव तस्करी का हुआ खुलासा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को विवाह के नाम पर राजस्थान में बेचने वाले संगठित मानव तस्करी गिरोह का बाराचट्टी थाना पुलिस ने रविवार के अल सुबह पदार्फाश किया है। इस गिरोह के मुख्य बदमाश संजय पासवान, मुसेहनी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने इमामगंज थाना क्षेत्र के गगंटी से उसकी बहन के घर छापेमारी कर नाटकीय ढंग से गिरफ्तार किया।

यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष अमरेंद्र किशोर के नेतृत्व में की गई,मामले की अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक सरस्वती कुमारी भी टीम में शामिल रहीं।

थानाध्यक्ष ने बताया कि संजय पासवान ने मंझौली गांव के रहने वाले आदित्य पासवान की पुत्री का विवाह कराने का झांसा देकर राजस्थान में 36 वर्षीय हरि किशन को बेच दिया, जो कि ग्राम शिखरानी, गवरियानो बारी की बस्ती, मसूदा (राजस्थान) का रहने वाला है।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि हरि किशन ने अपने आधार कार्ड को स्कैन कर डुप्लीकेट आधार तैयार किया और उसमें पता बदलकर ग्राम सासाराम दशार्या।

गिरफ्तार डीईओ के लॉकर से मिले नकदी के साथ हीरे भी

रिश्वत लेते हुआ था गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने पिछले महीने मुफ्फररपुर से जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा सुधीर कुमार कुमार को 19 हजार रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया था। अब इस अधिकारी के पास से निगरानी ब्यूरो ने एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना चांदी बरामद किया है। सुधीर कुमार और इनकी पत्नी के नाम से एक बैंक लॉकर खोला गया तो बेशकीमती आभूषण होने की जानकारी सामने आई। मिली जानकारी के अनुसार, जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा सुधीर कुमार कुमार को तीन जनवरी को 19 हजार रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद इनके पटना स्थित घर की तलाशी ली गई। जहां से 14 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। इसके अलावा निवेश के कई कागजात, बैंक पासबुक भी बरामद की गई। इसी क्रम में इंडियन बैंक खाजपुरा में इनका एक बैंक लॉकर होने की जानकारी सामने आई। निगरानी ने इसका सत्यापन कराया। इसके बाद हाई कोर्ट से अभियुक्त को रिमांड पर लेकर डीएसपी मिथिलेश कुमार के नेतृत्व में एक जांच दल बनाया गया। जांच दल ने 30 जनवरी को सुधीर कुमार और इनकी पत्नी के नाम पर चल रहे बैंक लॉकर की तलाशी ली।

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नया मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा रेलवे स्टेशन, हावड़ा, पिन-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/ सीपीडब्ल्यूडी /एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: [चरिड डीईएन/सी/ हावड़ा] ई-निविदा सं.: 262_2025-26, दिनांक: 30.01.2026, कार्य का विवरण : (i) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 11ए/1 के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (ii) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 12ए के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (iii) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 12ए/3 के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (iv) एईएन/कटवा के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 21/1/सी/ई (एमएल) के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (v) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 7/सी के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। अनुमानित मूल्य : रु. 32,40,18,905.10, बयाना राशि : रु. 17,70,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य। समापन अवधि : 12 माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। निविदा की अंतिम तिथि और समय : दिनांक 23.02.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा। HWH-574/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

फैंसी क्रिकेट मैच के सुपर ओवर में पत्रकारों की टीम विजयी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। 77वें गणतंत्रोत्सव सप्ताह के तहत रविवार को हिसुआ में प्रशासन एकादश एवं पत्रकार एकादश के बीच फैंसी क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। नगर के नरहट रोड स्थित इंटर विद्यालय परिसर में खेले गए इस मैत्रीपूर्ण मुकाबले में दोनों टीमों ने दो-दो मैच खेले, जिसमें एक-एक मैच जीतकर दोनों टीमों ने बराबरी कर ली। इसके बाद निर्णायक मुकाबले के लिए सुपर ओवर खेला गया।

सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए पत्रकार एकादश की ओर से आजाद और अभिषेक मैदान पर उतरे। दोनों खिलाड़ियों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए एक ओवर में 24 रन बनाए। जवाब में प्रशासन एकादश की टीम मात्र 14 रन ही बना सकी। इस प्रकार पत्रकार एकादश ने सुपर ओवर में 10 रन से जीत दर्ज की। शानदार प्रदर्शन के लिए अभिषेक कुमार को मैन ऑफ द मैच तथा संजय वर्मा को बेस्ट फील्डर चुना गया। वहीं पत्रकार एकादश के कप्तान जितेन्द्र आर्यन ने किफायती गेंदबाजी करते हुए एक ओवर में 4 रन देकर 2 विकेट झटके।

मैच के समापन पर सदर डीएसपी-2 राहुल सिंह, नागरिक परिषद सदस्य शोभा देवी, रजनीश कुमार, इंस्पेक्टर राजेश कुमार एवं समाजसेवी अरविंद सिंह ने विजेता पत्रकार एकादश एवं उपविजेता प्रशासन एकादश को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के आयोजन से प्रशासन और पत्रकारों के बीच आपसी सौहार्द, समन्वय और सकारात्मक संवाद को बढ़ावा मिलता है। मुकाबले ने खेल भावना और भाईचारे का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया।

शादी की सालगिरह पर रक्तदान शिविर

नवादा। सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में छत्रपति शिवाजी सेवा संस्थान के सचिव जितेंद्र प्रताप जीतू की शादी की सालगिरह के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 10 रक्तवीरों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की।

रक्तदान करने वालों में पृथ्वी अजय बरनवाल का यह 50वां रक्तदान रहा, जबकि अन्य रक्तदाताओं में कुणाल कुमार, रविकांत कुमार, अविनाश कुमार, आदित्य कुमार, विशाल कुमार, अरविंद कुमार सिंह, नितेश कपूर, सावल कुमार एवं विराट कुमार शामिल रहे। संस्था के अध्यक्ष कैलाश विश्वकर्मा ने कहा कि रक्तदान महादान है और स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। रक्तवीर अजय कुमार बरनवाल ने कहा कि उन्होंने अब तक 50 बार रक्तदान किया है और आगे भी यह सेवा जारी रखेंगे। नवोतसाह साहित्य संगम के जिलाध्यक्ष नितेश कपूर ने अपने 19वें रक्तदान को पूरा करते हुए युवाओं से आगे आने की अपील की।

पुलिस ने किया शराब भट्ठियों को ध्वस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निदेर्शानुसार रूस्तमपुर थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर दमरीयाही घाट सुकुमारपुर दियारा में संचालित 8 देशी शराब की भट्ठीयों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान पुलिस टीम ने करीब 20 हजार लीटर कच्चा जावा को नष्ट कर शराब बनाने वाला उपकरण को आग लगाकर जला दिया। पुलिस ने मौके से प्लास्टिक ड्रम, टिन का ड्रम अन्य सामान को नष्ट कर दिया। हालांकि इस दौरान पुलिस किसी तस्कर को गिरफ्तार नहीं कर सकी। पुलिस को दूर से आता हुआ देख शराब तस्कर फरार हो गया। पुलिस तस्कर की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

उक्त कारवाई रूस्तमपुर थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में की गई। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर 8 देशी शराब की भट्टी को ध्वस्त किया गया। इस दौरान 20 हजार लीटर कच्चा जावा एवं शराब तैयार करने वाले उपकरण को नष्ट कर दिया गया है।

परीक्षा केंद्र पर अभिभावकों का हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। सोमवार से इंटरमीडिएट की परीक्षा शुरू होते ही बेगूसराय के एक परीक्षा केंद्र पर ऐसा हंगामा हुआ, जिसने परीक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। मामला आदर्श परीक्षा केंद्र जेके प्लस टू स्कूल, बेगूसराय का है, जहां प्रथम दिन ही देर से पहुंची एक छात्रा को प्रवेश नहीं दिया गया।

बताया जाता है कि छात्रा निर्धारित समय से विलंब से परीक्षा केंद्र पहुंची। गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने उसे अंदर जाने से रोक दिया। यह देख बाहर खड़े अभिभावकों और आम लोगों में आक्रोश फैल गया।

पहले अनुरोध हुआ, फिर शोर-शराबा, और देखते ही देखते कुछ लोग गेट पीटने लगे। जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो कथित रूप से गेट का लॉक तोड़ दिया गया और छात्रा को अंदर भेज दिया गया।

लेकिन अंदर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने करीब आधा घंटा विलंब होने की बात कहते हुए प्रवेश से इनकार कर दिया। केंद्राधीक्षक से बात करने के बाद छात्रा को पुनः बाहर कर दिया गया। इससे भीड़ और उग्र हो उठी। लोग जोर-जोर से चिल्लाकर छात्रा को परीक्षा में शामिल कराने की मांग करने लगे।

स्थिति बिगड़ती देख मौके पर मौजूद पुलिस पदाधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और भीड़ को परीक्षा केंद्र से दूर खदेड़ा। इधर परीक्षा से वंचित छात्रा ने बताया कि वह मटिहानी के बालिका प्लस टू स्कूल की छात्रा है। ई-रिक्शा की धीमी गति के कारण वह देर से पहुंची।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: डब्ल्यूटी-02-जीएसयू-एएसएन-25-26, दिनांक: 30.01.2026, उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/ इंजीनियरिंग, गति शक्ति यूनिट, आसनसोल, पूर्व रेलवे, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: निविदा संख्या: डब्ल्यूटी-02-जीएसयू-एएसएन-25-26, कार्य का नाम: आसनसोल मंडल की गति शक्ति यूनिट के अंतर्गत छोटा अमबोना में अप द्वितीय लूप, तुलसीटांड़ में अप लूप के निर्माण, सोनाचारा में आइसोलेशन के साथ पूर्ण लंबाई वाले लूप के प्रावधान, तापसी में डीडी-2 लाइन तक/से सीधे रिसेप्शन/डिस्पैच सुविधाओं के साथ स्टेशन यार्ड के पुनर्गठन और उपर्युक्त स्थानों पर अन्य सहायक कार्यों के लिए खुली निविदा; निविदा मूल्य: रु. 55,54,05,023.40; बयाना राशि: रु.29,27,000/-; कार्य समापन अवधि: 12 महीने। बंद होने की तिथि और समय/बोली की नियत तिथि: 27.02.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

ASN-330/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

कृषि बजट में ऐतिहासिक वृद्धि

कृषि को आधुनिक और टिकाऊ बनाने की दिशा में अहम कदम : राम कृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कृषि बजट में ऐतिहासिक वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि इस बजट के माध्यम से कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार को मजबूती मिलेगी। उर्वरक सब्सिडी के जरिए किसानों को राहत मिलेगी तथा कृषि विज्ञान केंद्रों के सुदृढ़ीकरण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और फसल विकास को नई गति प्राप्त होगी। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और कृषि को अधिक टिकाऊ, आधुनिक एवं लाभकारी बनाया जा सकेगा। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने हेतु कृषि विभाग का बजट बढ़ाकर 1,32,561 करोड़ रुपये कर दिया है। यह निर्णय किसानों की आय में वृद्धि, उत्पादन लागत में कमी तथा कृषि को आधुनिक, टिकाऊ और लाभकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल है। मंत्री ने कहा कि कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, विशेषकर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के लिए 9,967 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है जिससे वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और उन्नत तकनीकों के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं सस्ते खाद-उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 1,70,944 करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी का प्रावधान किया गया है जिससे उत्पादन लागत में कमी आएगी और किसानों को सीधा आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट में कृषि क्षेत्र के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र किसानों तक आधुनिक एवं फ्रंटलाइन कृषि तकनीकों की सीधी पहुंच सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम है। इनके माध्यम से नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन, प्रसार एवं परिष्करण किया जाएगा जिससे किसान बुनियादी स्तर पर वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन और उत्पादकता बढ़ा सकेंगे।

डा. प्रेम कुमार ने शहीद जगदेव बाबू की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

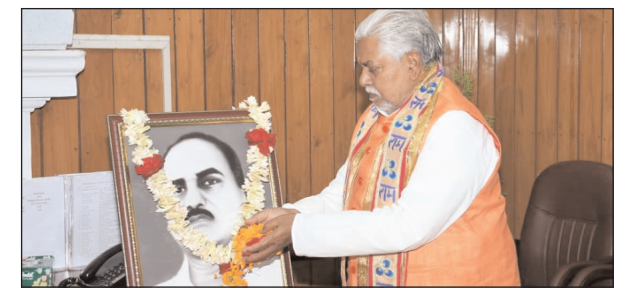

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में अमर शहीद जगदेव बाबू की जयंती के अवसर पर उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि अमर शहीद जगदेव बाबू सामाजिक न्याय, समता और शोषित-वंचित समाज के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले महान विचारक एवं क्रांतिकारी नेता थे। उन्होंने अन्याय, असमानता और सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध निर्भीक होकर आवाज उठाई और अपने विचारों व सिद्धांतों के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि जगदेव बाबू का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि लोकतंत्र की सच्ची मजबूती तभी संभव है जब समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक न्याय और अवसर पहुंचे। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और नई पीढ़ी को उनके संघर्ष, साहस और सामाजिक प्रतिबद्धता से सीख लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अमर शहीद जगदेव बाबू का बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा और उनका जीवन समाज में समानता, भाईचारे एवं न्याय की स्थापना के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

हाजीपुर बदलेगा हजारों युवाओं का भविष्य

अक्षयवट राय स्टेडियम में आज लगेगा रोजगार मेला : आनंद रंजन झा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर(वैशाली)। कैरियर मिशन कंप्यूटर एकेडमी, जंदाहा के निदेशक एवं शिक्षा-कौशल विकास के क्षेत्र में सक्रिय समाजसेवी आनंद रंजन झा ने वैशाली जिले के युवाओं से आहवान किया है कि वे 3 फरवरी 2026 को अक्षयवट राय स्टेडियम, हाजीपुर में आयोजित एक दिवसीय रोजगार सह मार्गदर्शन मेला-2026 में बड़ी संख्या में भाग लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखें। उन्होंने कहा कि जिला नियोजनालय, वैशाली के तत्वावधान में आयोजित यह मेला युवाओं को सीधे उद्योग जगत से जोड़ने का एक सशक्त मंच है। इस मेले में एवन साइकिल लिमिटेड, एपेक्स मैन्युफैक्चरिंग, अमनील इंडस्ट्रीज तथा हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कंपनियां भाग लेंगी जहां योग्य अभ्यर्थियों का प्रत्यक्ष (स्पॉट) चयन किया जाएगा। आठवीं से स्नातक एवं तकनीकी योग्यता रखने वाले युवाओं के लिए यह मेला रोजगार, आत्मविश्वास और सही करियर दिशा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने युवाओं से नवीनतम बायोडाटा, पासपोर्ट साइज फोटो एवं शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों के साथ एनसीएस पोर्टल पर पंजीकरण कर मेले में शामिल होने की अपील की। अंत में उन्होंने कहा कि ऐसे रोजगार मेले बिहार के युवाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त और स्वावलंबी बनाने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

भारत का बजट 2026-27: अनुशासन के साथ विकास को गति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केंद्रीय बजट 2026-27, जो कर्तव्य भवन से पेश किया गया पहला बजट है और वित्त मंत्री का लगातार नौवां बजट है, यह साफ संदेश देता है कि तेज आर्थिक विकास और वित्तीय अनुशासन साथ-साथ चल सकते हैं। यह बजट वित्तीय संतुलन के रास्ते पर मजबूती से बना हुआ है। इसमें राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.4% से घटकर 4.3% कर दिया गया है और कर्ज-से-जीडीपी अनुपात 56.1% से घटकर 55.6% हो गया है। इससे भारत वित्त वर्ष 2031 तक 50% (±1%) के लक्ष्य की ओर सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह सब मिलकर निवेशकों और बाजारों को यह भरोसा देता है कि देश की अर्थव्यवस्था स्थिर है और सरकार की नीतियां भरोसेमंद हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास का सबसे बड़ा आधार बना हुआ है। सार्वजनिक कैपेक्स में करीब 12% की बढ़ोतरी कर इसे 12.2 लाख करोड़ किया गया है। इसका मकसद निजी निवेश को आकर्षित करना, उत्पादकता बढ़ाना और लॉजिस्टिक्स लागत कम करना है। बजट में वित्तीय बाजारों को और मजबूत करने के लिए संतुलित कदम भी उठाए गए हैं। इनमें डेरिवेटिव्स पर एसएसटी बढ़ाना ताकि जरूरत से ज्यादा सट्टेबाजी पर रोक लगे, आरईआईटी के जरिए पीएसयू संपत्तियों का मुद्रीकरण, बॉन्ड इंडेक्स डेरिवेटिव्स की शुरुआत, और कॉरपोरेट बॉन्ड्स के लिए बेहतर मार्केट-मेकिंग व्यवस्था शामिल है।

महाविद्यालय शिक्षक संघ, बी.डी. कॉलेज द्वारा विदाई सह नवागंतुक शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना (पाटलिपुत्र विश्विवद्यालय की अंगीभूत इकाई) में महाविद्यालय शिक्षक संघ के तत्वावधान में गरिमामय विदाई-सह-नवागंतुक शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित एवं भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह की गरिमा उस समय और अधिक बढ़ गई जब महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर रत्ना अमृत का सानिध्य एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम को प्राप्त हुआ। उनके स्नेहिल उपस्थित रहने से आयोजन को विशेष गरिमा, प्रेरणा एवं संस्थागत गरुता मिली।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के वरिष्ठ एवं समर्पित शिक्षक डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह के सम्मानपूर्वक विदाई के साथ-साथ महाविद्यालय में नव-नियुक्त पांच नवागंतुक शिक्षकों का अभिनंदन एवं सम्मान करना था। शिक्षक संघ द्वारा आयोजित यह समारोह शिक्षकीय परंपरा, सहकर्मिता और अकादमिक सौहार्द का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। समारोह के दौरान शिक्षक संघ एवं महाविद्यालय परिवार द्वारा डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। वक्ताओं ने उनके दीर्घ सेवाकाल, शैक्षणिक योगदान, अनुशासन एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसी क्रम में महाविद्यालय में नव-नियुक्त पांच शिक्षकों का औपचारिक स्वागत एवं सम्मान किया गया। सभी नवागंतुक शिक्षकों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनके उज्ज्वल शैक्षणिक भविष्य की मंगलकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में शिक्षक संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ।

गीला कचरा और सूखा कचरा को रखें अलग-अलग : सीता साहू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नगर निगम पटना के नगर आयुक्त यशपाल मीणा की पहल पर जेडी वीमेंस कॉलेज पटना में आज स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महापौर सीता साहू, जेडी वीमेंस कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर मीरा कुमार, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर एवं लोकगायिका डॉ. नीतू कुमारी नवगीत, डॉ. हिना रानी, डॉ. मंजरी नाथ, संगीत विभाग की प्रोफेसर रीता दास एवं प्रोफेसर रेखा मिश्रा ने सम्मिलित रूप से किया। जेडी वीमेन्स की छात्राओं ने मेयर सीता साहू के समक्ष स्वच्छता जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए जिसे सभी ने बहुत पसंद किया और इस तरह सभी छात्राओं द्वारा बहुत प्रेरक संदेश भी दिया गया। लोकगायिका नीतू नवगीत ने कई सारे स्वच्छता गीत गाये जिसे सुनकर पूरे ऑडिटोरियम की छात्राएं झूम उठीं। बड़ा जोर से चलल बाटे स्वच्छता अभियान हो, सबसे बड़ा है गहना साफ रहना इत्यादि गीतों को सभी ने बहुत सराहा। मेयर सीता साहू ने स्वच्छता हेतु श्रमदान करने तथा पटना की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि घर-घर से कूड़ा कचरा उठाने की व्यवस्था की गई है। हम सब अपने घर में गीला कचरा और सूखा कचरा अलग-अलग रखें तथा नगर निगम की गाड़ी को गीला और सूखा कचरा अलग-अलग कर दें। मौके पर स्वच्छता जागरूकता टीम द्वारा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । छात्रों ने एक से बढ़कर एक स्वच्छता आधारित श्लोगन भी लिखे और स्वच्छता से संबंधित प्रश्नों का सही उत्तर देकर पुरस्कार प्राप्त किया। साक्षी सिंह, महरूश खान, काजल, खुशी कुमारी, सरिता को नुक्कड़ नाटक की शानदार प्रस्तुति हेतु एक एक पुस्तक प्रदान कर सम्मानित किया गया। सलोनी कुमारी, फातिमा, स्वाति कुमारी, वैष्णवी रानी, जिया कुमारी, मुस्कान कुमारी, विशाखा कुमारी को बेहतरीन श्लोगन लिखने के लिए एक-एक कलम देकर पुरस्कृत किया गया।

दर्जी समाज को सत्ता में भागीदारी एवं वीर अब्दुल हमीद स्मृति भवन निर्माण की मांग को लेकर राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

विश्वमोहन चौधरी संत

पटना। अखिल भारतीय दर्जी विकास सहकारी समिति लिमिटेड, इदरिसीया दर्जी फेडरेशन एवं वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अली इमाम भारती साहब के नेतृत्व में संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से शिष्टाचार मुलाकात कर एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन ने भारत-पाक युद्ध 1965 के परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद की अमर स्मृति को स्थायी रूप देने हेतु पटना में 'वीर अब्दुल हमीद स्मृति भवन' के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से उठाई। फाउंडेशन ने अवगत कराया कि इस संबंध में बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा पूर्व में लिए गए निर्णय एवं संकल्पों को शीघ्र मूर्त रूप दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। फाउंडेशन की ओर से यह भी बताया गया कि प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई जयंती एवं 10 सितंबर को शहीद वीर अब्दुल हमीद की शहादत दिवस पूरे सम्मान के साथ मनाया जाता है, वहीं 2007 से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा शहादत दिवस राजकीय सम्मान के साथ मनाई जाती है जो एक वीर के लिए सच्ची श्रद्धांजलि है लेकिन अब तक राजधानी पटना में उनकी स्मृति में कोई स्थायी स्मारक स्थापित नहीं हो सका है तो वहीं पुल पुलिया, सड़क, पार्क एवं अन्य का नामकरण नहीं किया गया जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

कांग्रेस मीडिया विभाग ने लांच की 'टैलेंट हंट-बिहार की आवाज'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम और राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दूबे, विधान परिषद में दल के नेता डॉ मदन मोहन झा ने आज बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम को राज्य स्तर पर लांच किया। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बिहार प्रजातांत्रिक मूल्यों की वह भूमि है जिसमें लोकतांत्रिक आस्था का बीज अत्यंत गहराई से बोया गया है। वही बीज आज एक वटवृक्ष का रूप धारण कर चुका है जिसके आश्रय में सामाजिक न्याय के कर्णधार राहुल गांधी जी ने प्रजातंत्र की पुनर्स्थापना की क्रांति का आगाज किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि इतिहास साक्षी है कि जब-जब बिहार ने किसी क्रांति का अगाज किया है, तब-तब उसने उसे न्यायपूर्ण और निर्णायक अंजाम तक पहुंचाया है।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावारू और अध्यक्ष राजेश राम ने की पटना और वैशाली जिले की समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में आज प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने चार संगठन जिलों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में पटना महानगर, पटना ग्रामीण-1, पटना ग्रामीण-2 और वैशाली जिले के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष के साथ बैठक में संगठन सृजन कार्यक्रम के साथ-साथ जिलों में चल रही पार्टी की अलग-अलग गतिविधियों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक के पूर्व जिला अध्यक्षों से विस्तृत रिपोर्ट ली गई और फिर जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष और जिले के अन्य वरिष्ठ नेताओं से उस पर बिंदुवार चर्चा हुई। बैठक में बिहार के लिये पार्टी की क्या रणनीति हो इस पर भी उक्त जिलों के वरिष्ठ नेताओं से राय मशविरा की गई। समीक्षा बैठक में क्रमवार तरीके से पार्टी के प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावारू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने गहनता से विस्तृत समीक्षा की। कांग्रेस पार्टी ने ये जिम्मेदारी तय की है कि अब जमीनी और जनहित से जुड़े मुद्दों पर कड़ा संघर्ष कर जनता के समस्याओं का निवारण करेगी।

अमीशा पटेल और नील नितिन मुकेश के हाथों हिमांशु कुमार कुशवाहा को मिला रियल एस्टेट आइकॉन अवार्ड्स

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। एके प्रॉपर्टी सॉल्यूशंस द्वारा प्रस्तुत रियल एस्टेट आइकॉन अवार्ड्स का आयोजन 1 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में किया गया। इस प्रमुख रियल एस्टेट पुरस्कार और सम्मेलन में बिल्डरों, ग्राहकों और सहयोगियों को एकजुट करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में नील नितिन मुकेश, अमीशा पटेल, महक चहल और अमन वर्मा उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन रियल एस्टेट उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा जहां उद्योग के प्रमुख खिलाड़ी एकत्रित होकर भविष्य की रणनीतियों और अवसरों पर चर्चा करेंगे। हिमांशु कुमार कुशवाहा, सीएमडी और फाउंडर, एके ग्रुप ने कहा रियल एस्टेट आइकॉन अवार्ड्स का उद्देश्य रियल एस्टेट उद्योग में उत्कृष्टता को पहचानना और सम्मानित करना है।

सतत एवं लाभकारी कृषि विकास को लेकर विकास आयुक्त की अध्यक्षता में बैठक

किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में एम-एस.एच.ओ.पी. मॉडल पर मंथन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पुराना सचिवालय स्थित सभा कक्ष में किसानों के लिए प्रैक्टिकल एवं प्रोफिटेबल दृष्टिकोण को केंद्र में रखते हुए कृषि क्षेत्र के सतत विकास पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विकास आयुक्त, बिहार मिहिर कुमार सिंह ने की। बैठक में कृषि को अधिक लाभकारी, विविधिकृत एवं बाजारोन्मुख बनाने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। विकास आयुक्त ने बैठक में एम-एस.एच.ओ.पी. की अवधारणा को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस मॉडल में कृषि क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि मौसम के अनुकूल, जिलावार एवं क्षेत्रवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए फसल पद्धतियों का चयन किया जाए तथा फसल विविधीकरण को प्राथमिकता दी जाए। विकास आयुक्त ने कहा कि जिन कृषि उत्पादों का वर्तमान में आयात किया जा रहा है, उनके घरेलू उत्पादन को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। ताकि विदेशी मुद्रा की बचत की जा सके।

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। यह क्षेत्र राज्य की अधिकांश ग्रामीण आबादी को आजीविका प्रदान करता है तथा सकल राज्य मूल्यवर्धन में लगभग एक-चौथाई का योगदान देता है।

मंत्री ने कहा कि अवसंरचनात्मक चुनौतियों और कृषि-जलवायु संबंधी जोखिमों के बावजूद, सतत सार्वजनिक निवेश और दूरदर्शी नीतिगत सुधारों के कारण बिहार के कृषि क्षेत्र में निरंतर प्रगति दर्ज की गई है। आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार की योजनाबद्ध पहलें जमीन पर सकारात्मक परिणाम दे रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लागू चतुर्थ कृषि रोडमैप (2023-28) का प्रमुख उद्देश्य किसानों को आय सुरक्षा प्रदान करना, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना तथा कृषि को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाना है। इस रोडमैप के तहत फसल उत्पादन, बागवानी, पशुपालन, डेयरी, मत्स्यिकी एवं अन्य संबद्ध गतिविधियों को राज्य योजनाओं और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के प्रभावी समन्वय से सुदृढ़ किया जा रहा है।

भारत सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं पर कार्यशाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा युवा भारत, पटना, बिहार द्वारा 2 फरवरी 2026 को भारत सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला युवा आवास, पटना में आयोजित की गई। कार्यक्रम में पटना जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 60 युवा प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान युवाओं को भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रमुख योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अंकेश कुमार, कार्यक्रम समन्वयक, एमएसएमई द्वारा एमएसएमई के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न अवसरों की जानकारी दी गई। वहीं प्रमोद कुमार सिंह एवं निशांत कुमार, बिहार युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के अंतर्गत उपलब्ध अवसरों, लाभ एवं पात्रता की जानकारी युवाओं के साथ साझा की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीता साहू महापौर, पटना नगर निगम ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्रता के अनुरूप प्राप्त करें और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनें। इस अवसर पर उपस्थित मेरा युवा भारत, पटना, बिहार के राज्य निदेशक सूर्यकांत ने युवाओं से आहवान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेरा युवा भारत की गतिविधियों से जुड़ें तथा भारत सरकार द्वारा युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों के भागीदार बनते हुए राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता करें।

सदाकत आश्रम में ललित नारायण मिश्र की जयन्ती मनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. ललित नारायण मिश्र की 104 वीं जयन्ती मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि ललित बाबू विकास पुरूष थे। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के सदस्य के रूप में उन्होंने स्वतंत्रता से पहले उपेक्षित कोशी एवं मिथिला क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिये अनेक कार्यक्रम चलाये। ललित बाबू के प्रयास से मिथिला पेंटिंग को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति और स्थान मिला।

संपादकीय

तेजाब पर रोक, फिर भी हमले जारी ?

जब खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक है, तो फिर आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की इस तक पहुंच कैसे संभव हो पा रही है।तेजाब से हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, बल्कि गहरा मानसिक और भावनात्मक आघात भी पहुंचता है। कई बार पीड़ित महिलाओं को अवसाद और सामाजिक अलगाव का सामना भी करना पड़ता है, जो उनके लिए जिंदगी भर का दर्द बन जाता है। सवाल है कि इस तरह के हमलों पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? साथ ही पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय मिल रहा है या नहीं, उनके पुनर्वास के लिए सरकारी योजनाओं की स्थिति क्या है और पीड़ितों को उनका लाभ मिल पा रहा है या नहीं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनको लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी चिंतित है।यही वजह है कि मंगलवार को शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से तेजाब हमलों से संबंधित मामलों का वर्ष वार ब्योरा, अदालतों में उनकी स्थिति तथा पीड़ितों की मदद के लिए पुनर्वास उपायों का विस्तृत विवरण देने को कहा है। साथ ही केंद्र सरकार से संबंधित कानून में बदलाव पर विचार करने को भी कहा है, ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2013 में खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक लगा दी थी। इसके बाद तेजाब से हमले की घटनाओं में थोड़ी कमी देखी गई, मगर पिछले कुछ वर्षों से यह आंकड़ा फिर बढ़ने लगा है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017 में तेजाब हमलों के 244 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2021 में ऐसे 176 मामले सामने आए। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा बढ़कर 207 हो गया।ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण है कि जब खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक है, तो फिर आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की इस तक पहुंच कैसे संभव हो पा रही है। जाहिर है, कुछ लोग अवैध तरीके से तेजाब की बिक्री करते हैं और सरकारी तंत्र की अनदेखी का दंश कई महिलाओं को झेलना पड़ता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि तेजाब हमले के पीड़ितों एवं उनके परिजनों को कई बार न्याय के लिए वर्षों तक अदालत के चक्कर काटने पड़ते हैं और उनके पुनर्वास की सरकारी योजनाएं भी कागजों तक ही सीमित रह जाती है।

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को 'समता', 'समान अवसर' और 'समावेशी शिक्षा' की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी।

शिक्षा में समता या नई असमानता: यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

(ललित गर्ग)

यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है।

आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है।

शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया।

यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया,यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए। यह समय है कि भावनाओं और राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक ऐसी नीति बनाई जाए, जो वास्तव में समान अवसर सुनिश्चित करे, लेकिन बिना किसी नए विभाजन को जन्म दिए। शिक्षा में सुधार का अर्थ समाज को आगे ले जाना है, न कि पुराने घावों को फिर से कुरेदना। देश को ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जो प्रतिभा को जाति से ऊपर रखे, अवसर को पहचान से मुक्त करे और परिसरों को संघर्ष का नहीं, संवाद का केंद्र बनाए। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक उसी दिशा में एक संकेत है। अब यह सरकार और यूजीसी की जिम्मेदारी है कि वे इस संकेत को समझें, आत्मावलोकन करें और ऐसे नियम गढ़ें जो वास्तव में भारत की समावेशी, संतुलित और भविष्यद्रष्टा संरचना के अनुरूप हों। यदि इस अवसर को भी

हम जीवन से नहीं अर्थहीनता से थकते हैं

(सुंदरचंद ठाकुर)

थोड़ा भी गौर से देखें तो आज चारों ओर व्यस्त चेहरों के भीतर थकान दिखाई देती है। लोग कहते हैं कि काम बहुत है, जिम्मेदारियां बहुत हैं, दौड़ बहुत है। पर यदि थोड़ा गहराई से देखें, तो समझ में आता है कि थकान का असली कारण काम नहीं है। इंसान जीवन से नहीं थकता, वह अर्थहीनता से थक जाता है। जिनके जीवन में अर्थ है, वे उम्रदराज होने के बावजूद उत्साह में भरे हुए दिखाई देते हैं। एक ही व्यक्ति यदि किसी काम को अर्थ के साथ करता है, तो वह थकता नहीं, बल्कि और जीवंत हो जाता है। लेकिन वही काम यदि उसे भीतर से खाली लगे, तो कुछ समय बाद वह बोझ बन जाता है। यह फर्क काम की मात्रा का नहीं, उसके अर्थ का होता है। जब जीवन में अर्थ नहीं होता, तो हर सुबह उठना कठिन लगने लगता है, हर दिन खिंचता हुआ लगता है, और हर जिम्मेदारी भारी पड़ने लगती है।

आज बहुत से लोग बाहरी रूप से सफल हैं, पर भीतर से थके हुए हैं। उनके पास साधन हैं, पर संतोष नहीं है। उनके पास व्यस्तता है, पर उद्देश्य नहीं है। वे दिन भर भागते हैं, पर जानते नहीं कि किस दिशा में। यही दिशा का अभाव धीरे धीरे मन को चूर कर देता है। अर्थहीनता तब जन्म लेती है, जब हम अपने जीवन को केवल प्रतिक्रिया में जीते हैं। कोई कहता है तो नौकरी कर लेते हैं, समाज कहता है तो विवाह कर लेते हैं, उम्र कहती है तो जिम्मेदारियां उठा लेते हैं। लेकिन बहुत कम लोग यह पूछते हैं कि मैं यह सब क्यों कर रहा हूं। जब यह प्रश्न नहीं पूछा जाता, तो जीवन एक आदत बन जाता है, अनुभव नहीं।

मनुष्य का मन केवल सुविधा से संतुष्ट नहीं होता। वह जानना चाहता है कि उसका जीवन किसी बड़े सत्य से जुड़ा है या नहीं। वह यह महसूस करना चाहता है कि उसका होना किसी अर्थ से खाली नहीं है। जब यह अनुभूति नहीं मिलती, तो भीतर एक सूक्ष्म बेचैनी जन्म लेती है, जिसे हम अक्सर थकान, ऊब या चिड़चिड़ाहट कहकर टाल देते हैं। अर्थ का मतलब यह नहीं कि हर व्यक्ति को कोई महान काम करना चाहिए। अर्थ का मतलब यह है कि जो भी हम कर रहे हैं, उसमें हमारा हृदय शामिल हो। जब हम अपने काम, रिश्तों और जिम्मेदारियों को चेतना के साथ जीते हैं, तब वही साधारण जीवन भी गहराई से भर उठता है। तब काम बोझ नहीं रहता, वह अभिव्यक्ति बन जाता है।

अर्थ जीवन को दिशा देता है। बिना दिशा के गति थका देती है। और दिशा तब आती है, जब हम अपने भीतर झांकते हैं। जब हम यह समझते हैं कि मैं केवल जीने के लिए नहीं, बल्कि कुछ समझने के लिए, कुछ देने के लिए, और स्वयं को पहचानने के लिए यहां हूं। आध्यात्मिक दृष्टि से देखा जाए, तो अर्थ चेतना से जुड़ने का परिणाम है। जब हम केवल शरीर और भूमिकाओं तक सीमित रहते हैं, तो जीवन छोटा लगने लगता है। लेकिन जब हम स्वयं को उस चेतना के रूप में पहचानने लगते हैं, जो इन सबको देख रही है, तब जीवन का हर अनुभव अर्थ से भर जाता है। तब सुख भी सिखाता है और दुख भी। थकान तब कम होती है, जब हम यह स्वीकार कर लेते हैं कि जीवन का उद्देश्य केवल दौड़ना नहीं, बल्कि जागरूक होकर जीना है। जब हम अपने हर दिन में थोड़ा सा अर्थ, थोड़ा सा मौन और थोड़ा सा सत्य जोड़ देते हैं, तो जीवन हल्का होने लगता है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

बच्चों की बेहतरी के लिए बढ़े बजटीय आवंटन

आंकड़े बताते हैं कि भारत में बच्चों के हालात बेहतरी की ओर हैं। केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट 'चिल्ड्रेन इन इंडिया 2025' के अनुसार शिशु मृत्यु दर जो 2011 में प्रति एक हजार बच्चों पर 44 थी, वह 2023 में घट कर 25 तक आ गई। बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों की दर जो 2022-23 में 13.8 प्रतिशत थी, 2024-25 में गिर कर 8.2 प्रतिशत आ गई। बाल विवाह की दर 2015-16 के 26.8 प्रतिशत से घटकर 23.3 प्रतिशत तक आ गई। ऐसे में पहली नजर में लगता है कि यह बाल कल्याण योजनाओं के लिए अधिक रकम के आवंटन का नतीजा है। लेकिन सवाल ये है कि अगर बजटीय आवंटन थोड़ा बेहतर होता तो बच्चों के लिए हालात कितने बेहतर हो सकते थे। निश्चित रूप से सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल नहीं उठाए जा सकते। रकम का आवंटन बढ़ा है व योजनाओं की संख्या भी और कुछ अच्छे नतीजे भी दिख रहे हैं। लेकिन साल दर साल बजटीय आवंटन के आंकड़े देखे जाएं तो स्पष्ट है कि कुल बजट के अनुपात में और सकेल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में बच्चों के लिए आवंटित रकम के प्रतिशत में निरंतर गिरावट देखी जा रही है। अगर बच्चे देश का भविष्य हैं तो उसमें निवेश बढ़ाने की जरूरत है ना कि आंकड़ों की बाजीगरी की।

(अनिल पांडेय)

वित्तीय वर्ष 2025-26 में सरकार ने बाल कल्याण योजनाओं के लिए बजट में 116,132.5 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की जो 2024-25 में आवंटित 109,920.95 करोड़ रुपए से ज्यादा है। यह देखने में भारी भरकम रकम है और पिछले साल के मुकाबले मामूली ही सही लेकिन बढ़ोतरी लग सकती है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू ये है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बढ़ोतरी के अनुपात में बाल कल्याण के लिए आबंटित रकम में कमी ही आई है। पिछले बजट में आवंटित रकम जीडीपी का कुल 0.34 प्रतिशत थी जबकि इस बार यह 0.33 प्रतिशत रही। इसी तरह 2014-15 में केंद्र सरकार के पूरे व्यय में बाल कल्याण की हिस्सेदारी 4.5 प्रतिशत थी जो 2021-22 में घट कर निम्नतम स्तर 1.9 प्रतिशत पर आ गई। अब इसमें मामूली इजाफा हुआ है लेकिन फिर भी यह पूर्व के स्तर से बहुत पीछे है।

साथ ही, बाल कल्याण के लिए आवंटित बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा पर खर्च हो जाता है। निश्चित रूप से शिक्षा बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए एक मूलभूत तत्व है। जब बच्चे शिक्षित होंगे तभी वे जागरूक जागरूक और विकसित भारत के सपने में सहयोगी बनेंगे। लेकिन समस्या ये है कि बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को मामूली रकम ही मिल पाती है। मसलन बाल कल्याण के मद में आवंटित राशि में बाल सुरक्षा का हिस्सा बमुश्किल एक से दो प्रतिशत है जबकि देश में बाल मजदूरी, बाल यौन शोषण और बच्चों की ट्रैफिकिंग की समस्या गंभीर है।

और यह इसके बावजूद है जब भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2008-09 से ही चाइल्ड बजट स्टेटमेंट (सीबीएस) की शुरुआत कर दी थी ताकि यह देखा जा सके कि बाल कल्याण के लिए आवंटित सार्वजनिक कोष किस तरह से खर्च किया जाता है। सीबीएस का विश्लेषण दो तरीकों से किया जाता है। पहला, कुल बजट में बाल कल्याण के लिए आवंटित राशि का प्रतिशत और दूसरा, जीडीपी के हिसाब से बाल कल्याण को आवंटित रकम का प्रतिशत। और इस पर नजर डालने से स्पष्ट है कि बजट में आवंटित राशि में इजाफा तो हो रहा है लेकिन कुल बजट और जीडीपी के अनुपात में पूरी तरह बाल-केंद्रित खर्चों में गिरावट आ रही है।

यह स्थिति तब है जब बाल कल्याण से संबंधित योजनाओं की संख्या 49 से बढ़कर 93 से भी ज्यादा हो गई है। फिर भी अगर 2011 की जनगणना के हिसाब से देखा जाए तो 2025 में प्रत्येक बच्चे के लिए महज 1993 रुपए की रकम ही आवंटित हुई। साथ ही, दक्षिणी राज्य अपने बजट में बाल कल्याण के लिए अधिक राशि आवंटित करते हैं जबकि बिहार, झारखंड व उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में स्थिति गंभीर है। आलम यह है कि केरल जहां प्रति बच्चे के लिए 18,203 रुपए की राशि आवंटित करता है, वहीं बिहार में यह सिर्फ 4,363 रुपए है।

हालांकि, बजट संबंधी अड़चनों के बावजूद भारत ने कुछ मामलों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसमें सबसे प्रमुख उदाहरण है महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से पिछले वर्ष शुरू किया गया 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान'। यह एक उदाहरण है कि सफलता तभी मिलती है जब नागरिक समाज संगठनों सहित सरकार व प्रशासन का हर पुर्जा व समाज के सभी वर्ग साथ आएं। पूरी सरकार व पूरा समाज के साथ मिलकर चलने के चमत्कारी नतीजे सामने आए हैं। यह दुनिया में पहली बार हुआ जब 25 करोड़ लोगों ने एक साथ बाल विवाह रोकने की शपथ ली। देश में नागरिक समाज संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के जमीन पर काम कर 250 से भी ज्यादा नागरिक समाज संगठनों ने कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ करीबी समन्वय से अप्रैल 2023 से अब तक 4,00,000 से अधिक बाल विवाह रोके हैं। महज एक साल में ही सात लाख से अधिक लड़कियां स्कूल लौटीं, और आर्थिक दृष्टि से 19 लाख संवेदनशील परिवार सरकारी योजनाओं से जोड़े गए। इसके नतीजे स्पष्ट हैं। इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन की पहल पर सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहैवियर चेंज फॉर चिल्ड्रेन (सी-लैब) की रिपोर्ट टिपिंग प्वाइंट टू जीरो- एविडेंस टुवार्ड्स ए चाइल्ड मैरेज फ्री इंडिया के अनुसार 2022 से 2025 के बीच 18 वर्ष से कम की लड़कियों के बाल विवाह में 69 प्रतिशत गिरावट आई जबकि 21 वर्ष से कम आयु के लड़कों के विवाह में 72 प्रतिशत की गिरावट आई। सबसे ज्यादा 84 प्रतिशत की गिरावट असम में दर्ज की गई। आज माना जा रहा है कि भारत में बाल विवाह की दर जो राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 (2019-21) में 23.3 प्रतिशत थी, अब घट कर 15 प्रतिशत के आस पास आ गई है। इस सफलता को अन्य मोर्चों पर भी दोहराने की जरूरत है। लेकिन इसके लिए पहले इस तथ्य को रेखांकित करना जरूरी होगा कि बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ ही सेहत, सुरक्षा व देखभाल और उचित पोषण भी जरूरी है। और इसके लिए जरूरी है उचित धनराशि का आवंटन। आज देश में 40 प्रतिशत आबादी बच्चों व किशोरों की है लेकिन हम अपनी जीडीपी का एक प्रतिशत भी इन पर खर्च नहीं कर रहे। यह किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। खुशहाल बचपन व

दूबई में फंसे हैं झारखण्ड के 14 मजदूर

केंद्र व राज्य सरकार से लगायी वतन वापसी की गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बगोदर। झारखंड के एक बार फिर प्रवासी मजदूरों के विदेश में फंसने का मामला सामने आया है। इस बार 14 मजदूर दुबई फंसे है। जिसमें गिरिडीह के बगोदर के दो, सरिया के दो मजदूर व हजारीबाग व बोकारो के मजदूर शामिल हैं। इस बार दुबई में फंसे मजदूरों ने इंटरनेट में वीडियो साझा कर केन्द्र व राज्य सरकार से वतन वापसी की गुहार लगाई है।

उनका आरोप है कि कंपनी के द्वारा मजदूरों को काम के बदले मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। साथ ही समय से अधिक काम कराया जा रहा है। इससे मजदूरों को वहां रहने एवं खाने-पीने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

दुबई में फंसे मजदूरों में गिरिडीह जिले के सरिया थाना क्षेत्र चिचाकी के रोशन कुमार, अजय कुमार शामिल हैं। इसके अलावा बगोदर थाना क्षेत्र के तिरला के राजेश महतो डुमरडेली के अजय कुमार, बोकारो जिले के पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के कंजकीरो के डालेश्वर महतो, हजारीबाग जिले के बिष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के खेदाडीह के जागेश्वर महतो, फालेन्द्र महतो, सिरैय के बैजनाथ महतो, पारजोरिया के दिलीप महतो, गंगाधर महतो, त्रिलोकी महतो, चुकचुको बसरिया के दीपक कुमार, गोरहर थाना क्षेत्र के गोरहर के रोहित महतो, सेवा महतो शामिल हैं।

ये सभी मजदूर अक्टूबर 2025 को एक कंपनी में ट्रांसमिशन लाइन में काम करने के लिए दुबई गए थे, लेकिन पिछले तीन महीने से किसी भी मजदूर को ठीक से वेतन नहीं मिला है।

जिसकी वजह से सभी मजदूर खाने के लिए मोहताज हो गए हैं। वहीं, प्रवासी मजदूर के हित में काम करने वाले सिकन्दर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से मजदूरों के सकुशल वतन वापसी कराने की मांग की है।

बालू का अवैध परिवहन करते छह हाइवा जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लोहरदगा। जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र में जिला प्रशासन ने अवैध बालू कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए छह हाइवा वाहन जब्त किए हैं। यह कार्रवाई भड़गांव-नांदगांव पथ पर स्थित बीटीआईपीएल प्लांट में की गई, जहां डंपिंग प्लांट की आड़ में लंबे समय से अवैध बालू का कारोबार चल रहा था।

उपायुक्त डॉ. कुमार ताराचंद को गुप्त सूचना मिली थी कि सेन्हा थाना अंतर्गत भड़गांव क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध बालू का भंडारण और परिवहन किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद उपायुक्त के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई।

टीम में सहायक जिला खनन पदाधिकारी राजा राम प्रसाद, अंचल अधिकारी पंकज कुमार भगत तथा सेन्हा थाना प्रभारी नीरज झा शामिल थे। पुलिस बल के साथ टीम ने सुबह प्लांट में छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान छह हाइवा वाहन (जेएच 13जे 6362, जेएच 13जे 3825, जेएच 13जे 5141, जेएच 13जे 9876, जेएच 13जे 9290 एवं जेएच 13जे 8633) पर अवैध रूप से लोड बालू बरामद किया गया। सभी वाहनों को जब्त कर सेन्हा थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। अंचल अधिकारी पंकज कुमार भगत ने बताया कि जब्त सभी वाहनों पर प्राथमिक दर्ज करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, रात के अंधेरे में कोयल नदी के टुगरी टोली और बेड़ा टोली घाट से बालू का उठाव किया जाता था। बताया जाता है कि नीचे बालू और ऊपर से हल्का डस्ट डालकर इसे वैध सामग्री का रूप दिया जाता था, जिसे रांची सहित अन्य शहरों में सप्लाई किया जाता था। इस अवैध कारोबार से माफिया मोटी कमाई कर रहे थे और यह धंधा करीब एक वर्ष से चल रहा था। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में बालू माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

अपने कार्यकाल में किए गए विकास के बल पर अपनी जीत के लिए हैं आशान्वित: अरूणा शंकर

प्रथम मेयर अरुणा शंकर ने दाखिल किया मेयर पद के लिए नामांकन पर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र की प्रथम मेयर सह मेयर प्रत्याशी अरुणा शंकर ने समाहरणालय पहुंचकर एडिशनल कलेक्टर कुंदन कुमार के समक्ष अपना नामांकन किया। प्रथम मेयर अरुणा शंकर भाजपा के सभी नेता व कार्यकर्ताओं समेत हजारों की संख्या महिला पुरूष समर्थकों के साथ टाउन हॉल से भव्य जुलूस निकाला। जुलूस शहर के विभिन्न मार्गो से होता हुआ समाहरणालय गेट तक पहुंचा। वहां अरुणा शंकर ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

नामांकन पत्र दाखिल करने के पश्चात प्रत्याशी अरुणा शंकर ने कहा कि जब वे मेयर पद पर थी तो शहर के विकास में एक अहम भूमिका निभा चुकी है। फिर से दोबारा अगर जनता उनको चुनाव में जिताती है तो निगम क्षेत्र में और भी बेहतर काम करके दिखाएंगी। एक सवाल के जवाब में अरुणा शंकर ने कहा की वे जीत के प्रति शत-प्रतिशत आशान्वित हैं। क्योंकि उन्हें हर वर्ग एवं हर समुदाय के लोगों का व्यापक जन समर्थन मिल रहा है। वे जहां भी जा रही हैं, लोग उन पर आशीर्वाद बरसा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के पूरे कार्यकर्ताओं का हुजूम भी साथ है। कहा कि नामांकन पत्र तो वे दाखिल कर चुकी हैं। लेकिन अब पूरे मेदिनी नगर के वासी उनके लिए चुनाव लड़ रहे हैं। मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष नामांकन में शामिल हुए।

शतचंडी यज्ञ को ले गाजे -बाजे के साथ निकली कलश यात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पांडु प्रखंड के माहूगवा के कांति में पांच दिवसीय शतचंडी यज्ञ को लेकर सोमवार को गाजे- बाजे के साथ भव्य कलश जलयात्रा निकाली गई। इस अवसर पर 501 श्रद्धालुओं ने यज्ञ स्थल प्रांगण से अपने- अपने हाथों में कलश लेकर गांव के मुख्य पथ से भ्रमण करते हुए गांव के देवी मंडप, हनुमान मंदिर, प्रखंड मुख्यालय के दुर्गा मंदिर, हनुमान मंदिर होते हुए करमडीह गांव पास घोड़ी व बाकी नदी संगम पहुंचे।

मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं ने कलश में जल भरा। जलयात्रा में शामिल सभी पुरुष व महिला श्रद्धालु मुख्य पथ से प्रखंड मुख्यालय स्थित यज्ञशाला मंडप का भ्रमण करते हुए ब्लॉक मोड होकर गांव के यज्ञ शाला प्रांगण में वापस पहुंचे। वहां पूजा पाठ के साथ कलश स्थापना किया गया।

इस अवसर पर कलश जलयात्रा का सफल संचालन यज्ञ समिति के लोगों ने किया।

मौके पर पांडु जिला परिषद सदस्य मीना देवी, सांसद प्रतिनिधि कृष्ण विजय सिंह, समाजसेवी उपेंद्र सिंह, गिरिजा शंकर तिवारी, संतोष पासवान, अरविंद कुमार सिंह, शंभू सिंह, लालेश्वर सिंह, मिथलेश सिंह, अवधेश सिंह, सुरेंद्र सिंह, देवेंद्र पाण्डेय, दिलीप गुप्ता, अजय बैठा, त्रिलोकी सोनी, मदन गोपाल सोनी, रविंद्र कुमार सिंह, नाथुन पाण्डेय, मिथलेश चंद्रवंशी, बाल मुकुंद सोनी सहित कई गणमान्य खलश जलयात्रा में शामिल हुए।

दुर्व्यवहार मामले में थाना प्रभारी निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। वारंटी को गिरफ्तार करने के दौरान थरथरी के दीरी पर में आंगनवाड़ी सेविका के साथ दुर्व्यवहार मामले में एसपी भारत सोनी ने थानाध्यक्ष को निलंबित करते हुए पुलिस केंद्र भेज दिया है।

थानाध्यक्ष ने शुक्रवार की आधी रात में रामबचन प्रसाद की पत्नी आंगनबाड़ी सेविका के बाल खींचकर थप्पड़ मारा था। रामबचन प्रसाद को पुलिस ने बिना कुछ बताए गिरफ्तार किया था। कारण पूछने पर उनकी पत्नी के साथ दुर्व्यवहार किया था। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। डीएसपी की जांच प्रतिवेदन में मामला सत्य पाया गया।

एसपी ने थानाध्यक्ष संजय कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। हिलसा अंचल के पुलिस निरीक्षक चंद्रभानु को थरथरी थाना का प्रभार सौंपा गया है।

तीन दिवसीय सूर्याहू पर्व धूमधाम से संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। देवघर जिले के सारठ प्रखंड अंतर्गत पथरड्डा गांव में इन दिनों आस्था का लोकपर्व सूर्याहू (सूरजाही) धूमधाम से मनाया जा रहा है। रविवार शाम को ग्रामीणों ने अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को फल, पकवान और अन्य सामग्री से सजी डाली लेकर पतरो नदी घाट पर अर्घ्य अर्पित किया। ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ नदी घाट पहुंचे श्रद्धालुओं का दृश्य देखते ही बनता था। सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को पूजा-अर्चना कर अर्घ्य देकर तीन दिवसीय इस महापर्व का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

मुख्य व्रतिनी सीता देवी सहित अन्य व्रतधारियों ने 36 घंटे का निर्जला उपवास रखकर भगवान सूर्य की आराधना की। शनिवार शाम को खरना के बाद महाप्रसाद ग्रहण के लिए हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े थे।

ग्रामीणों के अनुसार, यह पर्व गांव में 15 वर्ष बाद आयोजित किया गया है, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह और भक्ति का माहौल छाया हुआ है। रविन्द्र नाथ तिवारी, पूर्व जिला परिषद सदस्या पुष्पा देवी, संजय तिवारी, राजकुमार तिवारी, राजा तिवारी सहित कई ग्रामीण इस आयोजन को सफल बनाने में जुटे रहे।

झारखंड के ग्रामीण इलाकों, खासकर देवघर, दुमका, गिरिडीह, जामताड़ा आदि जिलों में मनाया जाने वाला सूर्याहु (या सुरजाही/सूर्याही) एक प्रमुख लोक पर्व है। यह सूर्य देव की उपासना का तीन दिवसीय महापर्व है, जो मुख्य रूप से मनोकामना पूर्ण होने पर या हर 5-12-15 साल में (परंपरा के अनुसार) आयोजित होता है।

व्रती 36 घंटे (कभी-कभी 24 घंटे) तक निर्जला उपवास रखते हैं। कड़े नियम-नियमों का पालन किया जाता है। पर्व की शुरूआत में खरना किया जाता है, उसके बाद महाप्रसाद वितरित होता है।

छठ पूजा की तरह शाम को अस्ताचलगामी और सुबह उगते सूर्य को नदी/तालाब घाट पर अर्घ्य दिया जाता है। डाली में फल, मिठाई आदि सजाए जाते हैं।

सामाजिक महत्वः यह पर्व सदान, आदिवासी और अन्य समुदायों द्वारा सामूहिक रूप से मनाया जाता है। बच्चों का मुंडन भी कराया जाता है, जिससे स्वास्थ्य और मनोकामना पूर्ति की कामना की जाती है।

माहात्म्यः सूर्य देव से सुख, समृद्धि, आरोग्य और यश की प्रार्थना की जाती है। यह झारखंड की ग्रामीण संस्कृति में आस्था और सामुदायिक एकता का प्रतीक है।

सूर्याहु पर्व छठ पूजा से काफी मिलता-जुलता है, क्योंकि दोनों ही सूर्य देव की उपासना पर आधारित हैं और नदी घाट पर अस्ताचलगामी तथा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा समान है। दोनों में 36 घंटे का निर्जला व्रत, खरना जैसी रस्में और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रमुख है।

हालांकि, छठ पूजा मुख्य रूप से बिहार, झारखंड और पूर्वी यूपी में हर साल कार्तिक महीने में चार दिवसीय रूप से मनाई जाती है, जिसमें छठी मैया की विशेष पूजा होती है। वहीं सूर्याहु झारखंड के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों (विशेषकर सदान समुदाय) में अधिक स्थानीय है, तीन दिवसीय होता है और इसे नियमित रूप से नहीं, बल्कि मनोकामना या निश्चित अंतराल (जैसे 5-15 साल) पर मनाया जाता है। छठ पूजा वैदिक और पौराणिक कथाओं (जैसे कर्ण, रामायण-महाभारत) से जुड़ी है, जबकि सूर्याहु अधिक लोक-परंपरा आधारित है। यह पर्व छठ पूजा से प्रेरित लगता है लेकिन स्थानीय परंपराओं के साथ अपनी अलग पहचान रखता है।

बच्चों का सर्वांगीण विकास ही विद्यालय की सबसे बड़ी पहचान : अविनाश वर्मा

जेनिथ फ्यूचर पब्लिक स्कूल में भव्य वार्षिक समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। स्थानीय कन्नीराम चौक स्थित जेनिथ फ्यूचर पब्लिक स्कूल परिसर में विद्यालय का 13वां वार्षिक समारोह हर्षोल्लास व भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन झारखंड के संस्थापक अध्यक्ष अविनाश कुमार वर्मा, विशिष्ट अतिथि जेनिथ फ्यूचर पब्लिक स्कूल के संरक्षक मुमताज खान, पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल, विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय श्रीवास्तव प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन झारखंड के सचिव सतीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आनंद कुमार, सह-सचिव अमित आनंद, अनुशासन पदाधिकारी वीरेंद्र दुबे सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने किड्स डांस, स्कूल थीम डांस, झारखंडी नृत्य, कथपुतली नृत्य, बंगाली नृत्य, महिला सशक्तिकरण पर आधारित नृत्य, देशभक्ति नाटक एवं नृत्य, वेस्टर्न डांस, गदर डांस, फेयरवेल डांस, क्ववाली डांस सहित अनेक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अविनाश कुमार वर्मा ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं बल्कि संस्कारों की प्रयोगशाला होता है। जहां बच्चों के व्यक्तित्व का निर्माण किया जाता है। आज बच्चों की प्रस्तुति यह सिद्ध करती है कि यह विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ कला, संस्कृति व संस्कारों को समान महत्व देता है। एक अच्छा विद्यालय वही होता है, जहां बच्चों को केवल किताबी ज्ञान नहीं बल्कि जीवन जीने की कला सिखाई जाती है।

विशिष्ट अतिथि मुमताज खान ने कहा कि आज के समय में बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों व सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। जेनिथ फ्यूचर पब्लिक स्कूल इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। आज बच्चों की प्रस्तुतियां देखकर यह स्पष्ट है कि विद्यालय में प्रतिभाओं को निखारने का भरपूर अवसर दिया जाता है।

धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य अजय कुमार श्रीवास्तव ने दिया। उन्होंने कहा कि वार्षिक समारोह पूरे वर्ष की मेहनत का परिणाम है। शिक्षकगण बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करते हैं। अभिभावकों का सहयोग मजबूत बनाता है। हमारा लक्ष्य केवल अच्छे परिणाम देना नहीं,बल्कि बच्चों को आत्मनिर्भर, संस्कारवान व आत्मविश्वासी बनाना है। कार्यक्रम में प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन झारखंड के सदस्य उमेश कुमार व सिकंदर आजम सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

वार्ड 19 का करेंगे चतुर्दिक विकास : नवीन प्रसाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नम्बर 19 से वार्ड पार्षद प्रत्याशी नवीन प्रसाद ने सदर प्रखंड कार्यालय में सोमवार को अपना नामांकन-पत्र दाखिल किया। इस दौरान उनकी पत्नी सुषमा आहूजा समेत बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद थे । वार्ड पार्षद प्रत्याशी नवीन प्रसाद ने कहा कि उनकी पत्नी सुषमा अहूजा वार्ड 19 से वार्ड पार्षद रही हैं। अब वे वार्ड की जनता के कहने अपनी पत्नी की जगह खुद वार्ड पार्षद का चुनाव लड़ रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जनता का भरपुर सहयोग मिल रहा है। अगर जनता उन्हें चुनती है तो मेदिनीनगर नगर निगम के वार्ड 19 क्षेत्र का चतुर्दिक विकास करेंगे । सभी वार्ड के निवासियों के घर में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का काम करेंगे। साथ ही सड़क व नाली का बेहतर व्यवस्था करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रत्येक सड़क मार्ग में प्रकाश की उत्तम व्यवस्था की जाएगी। छूट गया विकास कार्यों को बेहतर ढंग से अमली जामा पहनाया जाएगा। वार्ड क्षेत्र के लोगों के यहां विकास कार्य को पहुंचाएंगे।

झील पूजा में उमड़े लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जमुई के चंद्रमंडी प्रखंड के कियाजोरी गांव में पासवान समाज की ओर से दो दिवसीय झील पूजा सह मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और आस्था का माहौल बना रहा। झील पूजा की विशेष पहचान इसकी अनूठी परंपरा है, जिसमें पुजारी जलते अंगारों पर नंगे पांव चलते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके पैर नहीं जलते। इसे श्रद्धालु आस्था और विश्वास का चमत्कार मानते हैं।

झील पूजा सह मेले में स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर विधायक सावित्री देवी, पूर्व विधायक केदार हाजरा, लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश महासचिव प्रसादी पासवान, जिला परिषद सदस्य सलोनी मुर्मू, राजीव पासवान, मनोज पोद्दार समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने पूजा-अर्चना कर जमुई जिले सहित पूरे राज्य में शांति और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की कामना की।

वार्ड 21 में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता : साहेब सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नम्बर 21 से वार्ड पार्षद प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे साहेब सिंह ने सदर प्रखंड कार्यालय में सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया । साहेब सिंह अपने भाई गुरबीर सिंह समेत अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ सदर प्रखंड कार्यालय पहुंचे व अपना नामांकन किया ।

वार्ड पार्षद प्रत्याशी साहेब सिंह ने पर्चा दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि जनता निगम के चुनाव में वार्ड नंबर 21 से उन्हें चुनती है तो वे अपने वार्ड में विकास के बेहतर कार्य करेंगे। उनके वार्ड में जो भी समस्या है, उससे जनता को निजात दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी समस्या शुद्ध पेयजल है। बरसात में नदी के पानी को बिना फिल्टर के लोगों के घर तक दिया जाता है, जिससे यहां के लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। अगर जनता उनपर विश्वास करती है तो सबसे पहले शुद्ध पेयजल कि व्यवस्था कराएंगे। वार्ड क्षेत्र में नाली व सड़क बनवाना उनकी प्राथमिकता होगी। क्षेत्र में लाइट का बेहतर इंतजाम किया जाएगा। जनता के कार्यों को सरलता के साथ पूरा कराया जाएगा। क्षेत्र वासियों का सरकार से संबंधित कार्यों को पूरा कराया जाएगा।

बच्चों के बीच पठन-पाठन सामग्री का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। आज वयोधा फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा बादू गाँव में बच्चों के बीच एक प्रेरणादायक शैक्षणिक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सैकड़ों बच्चों को ड्रॉइंग बुक, स्केच पेंसिल, इरेजर, शार्पनर एवं चॉकलेट वितरित की गई।

इस पहल का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता और कलात्मक कौशल को बढ़ावा देना है, ताकि वे अपनी प्रतिभा को खुलकर विकसित कर सकें। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में उत्साह और खुशी का विशेष माहौल देखने को मिला।

इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के ट्रस्टी योगाचार्य ऋषिकेश, अध्यक्ष देवाशीष कुमार, सचिव विकास चौबे, सह सचिव नवीन कुमार विश्वकर्मा एवं विशेष आमंत्रित सदस्य अभय राज एवं साहिल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों को प्रोत्साहित किया और शिक्षा के साथ रचनात्मक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। वयोधा फाउंडेशन ट्रस्ट शिक्षा, स्वास्थ्य, योग, पर्यावरण संरक्षण तथा समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

सेविका का चयन

दुमका। उपायुक्त के निर्देश पर शनिवार को रानीश्वर प्रखंड के बीडीओ सह सीडीपीओ राजेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में बिलकांदी पंचायत के सिउलीबोना आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका चयन के लिए आम सभा हुई। बीडीओ ने विभागीय पदाधिकारी व ग्रामीणों को सेविका चयन के लिए जारी नियमों की जानकारी दी। कहा कि सिउलीबोना अनुसूचित जनजाति बहुल्य पोषक क्षेत्र है। सेविका बनने के लिए मिता मुर्मू और मिलीशा मरांडी ने आवेदन दिया। आवेदनों की स्क्रूटनी करने व शैक्षणिक योग्यता सहित अन्य दस्तावेजों की जांच कर अंक तालिका तैयार की गई।

अंक तालिका के अनुसार मिलीशा मरांडी को सबसे ज्यादा अंक मिले। आम सभा में ग्रामीणों ने कहा कि मिलीशा मरांडी पोषक क्षेत्र की बहु नहीं है। इस पर ग्राम प्रधान, मुखिया सहित अन्य ग्रामीणों से पूछताछ करने पर एक आवेदिका मिता मुर्मू पोषक बहुल क्षेत्र की बहू निकली। मिलीशा मरांडी अभी अविवाहित है और पोषक क्षेत्र की बहू नहीं है। इसके बाद भी आवेदन में पति का नाम लिख दिया।

मंदिर से अष्टधातु से निर्मित मूर्ति की चोरी

श्रद्धालुओं में रोष, अनशन की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। हसनपुर थाना क्षेत्र के देवधा गांव के राम जानकी मंदिर में स्थापित राम, जानकी, लक्ष्मण एवं ठाकुर जी की प्रतिमा रविवार की देर रात चोरी हो गई। गायब प्रतिमा अष्टधातु की है। यह काफी पुरानी भी है।देवधा गांव का राम जानकी मंदिर लगभग 100 साल पुराना है। मंदिर में राम, जानकी, लक्ष्मण और ठाकुर की प्रतिमाएं स्थापित थीं। रविवार की रात राम, जानकी, लक्ष्मण और ठाकुर जी की मूर्तियों की चोरी अज्ञात चोरों ने कर ली। चोरी गई मूर्तियों की कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक की आंकी जा रही है।

मंदिर से जुड़ा पुजारी का मकान है। इसकी देखभाल भी पुजारी सुधारी जी करते हैं। पुजारी का कहना है कि अन्य रात की भांति मंदिर में ताला लगाकर वे सोने चले गए। इस दौरान अज्ञात चोरों ने किसी उपकरण से ताला को काटने का प्रयास किया। सफलता नहीं मिलने पर मास्टर की के सहारे ताला खोलकर मंदिर के अंदर प्रवेश कर गया और मंदिर में स्थापित राम, जानकी, लक्ष्मण और लड्डू गोपाल की बेशकीमती मूर्तियां की चोरी कर फरार हो गया।

ग्रामीण पंकज सिंह ने बताया कि करीब आठ साल पूर्व भी गांव के ही एक दूसरे ठाकुरबाड़ी से सभी 6 मूर्तियां गायब हो गईं थी लेकिन आज तक उन सभी मूर्तियों को बरामद करने में नाकाम है।

ग्रामीणों ने बताया कि तीन दिन के अंदर गायब सभी मूर्तियां को पुलिस द्वारा बरामद नहीं किया जाएगा तो चौथे दिन सैकड़ों ग्रामीण थाना परिसर में अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठेगें। थानाध्यक्ष अकमल खुर्शीद ने बताया कि प्रतिमा अष्टधातु की है या नहीं, इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

बीईईओ की विदाई व नवपदस्थापित सहायक आचार्य का हुआ सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पांडू प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय कृत मध्य विद्यालय पांडू के प्रांगण में सोमवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अजय कुमार व सहायक आचार्य अध्यापक संघ अध्यक्ष अरविंद विश्वकर्मा, प्रखंड इकाई पांडू के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। समारोह में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी महेन्द्र प्रजापति की भावभीनी विदाई व नवपदस्थापित सहायक आचार्य का वस्त्र एव पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों व अतिथियों ने प्रजापति के कार्यकाल की सराहना की। कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में प्रखंड में शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूती मिली व शिक्षकों को सकारात्मक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अतिथि के रूप में डीडीओ धर्मेन्द्र कुमार, शिक्षा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनी पांडे, सहायक अध्यापक संघ के प्रदेश महासचिव प्रद्युमन कुमार सिंह उर्फ सिंटू सिंह, समाजसेवी अविनाश कुमार सिंह व शिक्षक रामवृक्ष राम की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने अपने संबोधन में शिक्षा को समाज की मजबूत नींव बताते हुए शिक्षकों से निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों के निर्वहन का आह्वान किया।कार्यक्रम में राजकीय कृत मध्य विद्यालय पांडू के अध्यापक गोपाल सिंह यादव, राजकीय कृत +2 कल्याण उच्च विद्यालय पांडू के प्रधानाचार्य देवेश कुमार पाल, सीआरपी महबूब अली, सीआरपी अजय सिंह, प्रखंड शिक्षा इकाई के सचिव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।समारोह के दौरान सभी ने पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर बीईईओ महेन्द्र प्रजापति को सम्मानित किया। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कॉफी हो जाएगी महंगी, 2.5 प्रतिशत का इजाफा, किन-किन सामान के लिए करनी होगी जेब ढीली

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप कॉफी के शौकिन हैं तो आपके लिए बजट 2026 अच्छी खबर लेकर नहीं आया है। बजट 2026 में कॉफी मशीन पर मिलने वाली छूट को वापस ले लिया गया है। जिसकी वजह से मशीनें महंगी हो जाएंगी। ऐसे होने पर आपकी कॉफी महंगी हो जाएगी। मौजूदा समय में कॉफी मशीन पर 10 प्रतिशत की ड्यूटी लगती है। लेकिन छूट के बाद यह घटकर 7.5 प्रतिशत हो जाता है। लेकिन छूट के वापस लिए जाने की वजह से अब आपकी कॉफी महंगी हो जाएगी। मशीनों के लिए पहले की तुलना में 2.5

प्रतिशत अधिक पैसा खर्च करना होगा। एक्सपर्ट्स के अनुसार रुपये का डॉलर के मुकाबले कमजोर होना भी एक बड़ा कारक बनकर इस साल उभरा है।

बजट 2026 के ऐलान से क्या-क्या हुआ महंगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2026-27 में सीमा शुल्क में कटौती की घोषणा की। इससे 17 कैंसर की दवाओं के साथ-साथ सात दुर्लभ बीमारियों के लिए विशेष चिकित्सकीय आवश्यकताओं वाली दवाओं एवं खाद्य पदार्थों के साथ-साथ माइक्रोवेव ओवन में उपयोग होने वाले कलपुर्जों की कीमत भी कम हो जाएगी।

31वीं बार डिविडेंड दे रही है जिलेट इंडिया लिमिटेड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी भरकम डिविडेंड देने वाली कंपनियों में जिलेट इंडिया लिमिटेड का भी नाम आता है। कंपनी इस बार एक शेयर पर 180 रुपये का डिविडेंड दे रही है। इस डिविडेंड के लिए जो रिकॉर्ड डेट तय किया है वो इसी हफ्ते है। बता दें, कंपनी 31वीं बार निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही है। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में जिलेट इंडिया लिमिटेड ने बताया है कि 1 शेयर पर 120 रुपये का अंतरिम डिविडेंड और 60 रुपये का स्पेशल डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 4 फरवरी 2025, दिन बुधवार को रिकॉर्ड डेट तय किया है। बता दें, कंपनी के इतिहास में यह दूसरी बार है

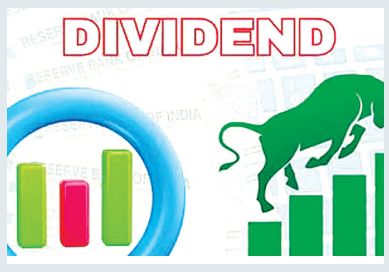

जब इतना भारी भरकम डिविडेंड दिया जा रहा है। इससे पहले 2017 में जिलेट इंडिया लिमिटेड ने निवेशकों को एक शेयर पर 154 रुपये का डिविडेंड दिया था। इससे पहले कंपनी अगस्त 2025 में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 47 रुपये का डिविडेंड दिया था। बता दें, कंपनी ने पहली बार निवेशकों को 2001 में एक शेयर पर 1.5 रुपये का डिविडेंड दिया था। पिछले एक हफ्ते में जिलेट इंडिया लिमिटेड को लेकर काफी चर्चा है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में इस दौरान 9.30 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद भी एक साल शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक करीब 1 प्रतिशत का नुकसान हुआ है। आज सोमवार को कंपनी के शेयरों में प्री ओपनिंग सेशन के दौरान एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है।

बिटकॉइन 75000 डॉलर से नीचे

क्रिप्टो मार्केट में हाहाकार

नई दिल्ली, एजेंसी। बिटकॉइन की कीमत आज 2 फरवरी को 75,000 डॉलर से नीचे आ गई। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में हाहाकार है और गिरावट की रफ्तार तेज हो गई है। कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के अनुसार, सुबह लगभग 9-15 बजे (भारतीय समयानुसार) बिटकॉइन की कीमत 74,683.63 डॉलर पर थी। यह अप्रैल 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है, जब अमेरिका से शुरू हुए ट्रेड वॉर ने क्रिप्टोकरेंसी बाजार को मंदी के दौर में धकेल दिया था।

बिटकॉइन की कीमतें अपने 2025 के शिखर से लगभग 40 प्रतिशत गिर चुकी हैं। सिर्फ जनवरी में ही इसमें करीब 11 प्रतिशत की कमी आई है। यह अक्टूबर 2025 में शुरू हुई गिरावट के बाद लगातार चौथा महीना है जब बिटकॉइन नुकसान में रहा। यह 2018 के बाद से बिटकॉइन की सबसे लंबी गिरावट है। बिटकॉइन के साथ-साथ, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम भी तेजी से गिरी है और यह 2,200 डॉलर के महत्वपूर्ण

स्तर से नीचे आ गई है।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, खरीदारों की कमी, सकारात्मक गति और विश्वास की कमी के कारण क्रिप्टो संपत्तियों की बिकवाली तेज हो गई है। डेल्टा एक्सचेंज की रिसर्च एनालिस्ट रिया सहगल के मुताबिक, इस सप्ताह बिटकॉइन की कीमतों में तेज गिरावट देखी गई क्योंकि कम तरलता वाले सप्ताहांत के ट्रेड के दौरान 2 अरब डॉलर से अधिक की पोजीशन खत्म हो गई। अक्टूबर वाली गिरावट के विपरीत, इस बार कोई स्पष्ट कारण, श्रृंखलाबद्ध बिकवाली या व्यवस्थागत झटका नहीं था। बस मांग में कमी, लिक्विडिटी का कम होना और बाजारों से अलग-थलग एक टोकन है। जनवरी में अमेरिकी स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से 1.6 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी ने इस बिकवाली को और बढ़ा दिया, जो संस्थागत जोखिम कम करने को दर्शाता है। सहगल ने बताया, व्यापक आर्थिक और भू-राजनीतिक कारकों ने गिरावट को गहरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा केविन वॉर्श को अगले फेडरल रिजर्व चेयर के रूप में नामित करने पर बाजारों ने नकारात्मक प्रतिक्रिया दी, जिन्हें एक कठोर मौद्रिक नीति का समर्थक माना जा रहा है। ट्रंप के इस कदम ने अमेरिकी डॉलर में तेजी ला दी और क्रिप्टो सहित जोखिम वाली संपत्तियों में बिकवाली बढ़ गई। सहगल ने आगे कहा, इसके साथ ही, भू-राजनीतिक तनाव, ईरान के अब्बास बंदरगाह पर विस्फोट की रिपोर्ट और अमेरिका-ईरान में बढ़ोतरी की आशंका ने सुरक्षित संपत्तियों की ओर पलायन को बढ़ावा दिया, जिससे डिजिटल संपत्तियों पर दबाव और बढ़ा। तकनीकी रूप से, बिटकॉइन अभी भी 80,000-82,000 डॉलर के अपने महत्वपूर्ण प्रतिरोध स्तर से नीचे है, और इसके नीचे जाने का लक्ष्य 72,000-70,000 डॉलर के आसपास है।

ब्रिन ने दिया सबसे बड़ा पब्लिक डोनेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल के को-फाउंडर और दुनिया के टॉप रईसों में शामिल सर्गेई ब्रिन ने अपना अब तक का सबसे बड़ा पब्लिक डोनेशन दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने एक नए कोएलिशन बेटर कैलिफार्निया को 20 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,83,61,96,000 रुपये का दान दिया है। इसका मकसद कैलिफोर्निया में सस्ते मकानों की समस्या का समाधान करना है। ब्रिन के अलावा सिलिकॉन वैली के कई दूसरे टेक लीडर्स ने भी इस मुहिम को दान दिया है। कुल मिलाकर 35 मिलियन डॉलर का डोनेशन दिया गया है। दान देने वालों में गूगल के पूर्व सीईओ एरिक श्मिट, वेंचर कैपिटेलिस्ट माइकल मोरित्ज, पेपाल के सीईओ मैक्स लेवचिन, स्ट्राइप के पैट्रिक कोलिसन, के टॉनी शू और जॉन डूर शामिल हैं। श्मिट और मोरित्ज ने 2 मिलियन डॉलर का दान दिया जबकि लेवचिन का डोनेशन 1 मिलियन डॉलर था। इन रईसों ने

यह डोनेशन ऐसे समय दिया है जब कैलिफोर्निया की सरकार अमीरों पर 1 फीसदी का वेल्थ टैक्स लगाने की तैयारी में है। ब्रिन ने पिछले साल 1.1 अरब डॉलर के शेयर डोनेट किए थे। पिछले साल ब्रिन ने करीब 1 अरब डॉलर के शेयर ट्रांसफर किए थे। इस नॉन-प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन की स्थापना 2021 में ब्रिन ने ही की थी। साथ ही ब्रिन ने 45 मिलियन डॉलर माइकल जे फॉक्स फाउंडेशन और 90 मिलियन डॉलर अपने परिवार के फाउंडेशन को दिए थे। मई में उन्होंने 700 मिलियन डॉलर का दान दिया था। इस तरह ब्रिन के लिए पिछले साल सबसे ज्यादा दान किया। पिछले साल गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में काफी तेजी आई थी। कंपनी में ब्रिन की 6 फीसदी हिस्सेदारी है। पिछले साल उनकी नेटवर्थ में 97.3 अरब डॉलर की तेजी आई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने हाल में नेवादा में दो प्रॉपर्टीज खरीदी हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 269 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उनसे आगे एलन मस्क (676 अरब डॉलर) और लैरी पेज (289 अरब डॉलर) हैं। ब्रिन की नेटवर्थ मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की कंबाइंड नेटवर्थ से ज्यादा है।

4500 कमाई से माता-पिता को ऑडी गिफ्ट करने तक

पुणे के दो भाइयों ने अपनी मेहनत और लगन से वो कर दिखाय

नई दिल्ली, एजेंसी। पुणे के दो भाइयों ने अपनी मेहनत और लगन से वो कर दिखाया, जिस पर यकीन करना मुश्किल है। कभी 4,500 रुपये महीने कमाने वाले रोहित नंदेश्वर और उनके भाई ने अपने माता-पिता को एक शानदार ऑडी कार गिफ्ट की। यह कहानी सिर्फ एक कार खरीदने की नहीं, बल्कि गरीबी से अमीरी तक के सफर की है। इसमें परिवार का प्यार और भाईचारे की ताकत साफ दिखती है।

रोहित और उनके भाई का बचपन तंगहाली में बीता। उनका घर छोटा था। छत टपकती थी। दीवारें टूटी हुई थीं। पैसों की तंगी हमेशा बनी रहती थी। लेकिन, घर में प्यार की कोई कमी नहीं थी। रोहित बताते हैं, मैं ऐसे घर में पला-बढ़ा जहां पैसे की कमी थी, लेकिन प्यार कभी कम नहीं लगा। उनके पिता 35 साल तक ऑटो रिक्शा चलाते रहे। मां घर की सारी जिम्मेदारियां संभालती थीं। थोड़ी सी बचत करके उन्होंने पिता को अपना रिक्शा खरीदने में मदद की। उससे आमदनी थोड़ी बढ़ गई। लेकिन, जीवन आसान नहीं था। स्कूल की फीस, बहन की शादी और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां परिवार को हमेशा चिंता में रखती थीं।

साल 2018 में रोहित ने स्टॉक मार्केट के बारे में सीखना शुरू किया। शुरुआत में सब ठीक चल रहा था। लेकिन, तभी कोरोना महामारी आ गई। एक ही महीने में रोहित को करीब 2 लाख रुपये का नुकसान हुआ। ईएमआई और कर्ज का बोझ और बढ़ गया। इस मुश्किल वक्त में उनके परिवार ने उनका साथ नहीं छोड़ा। पिता के शब्द उन्हें हिम्मत देते रहे- ईमानदारी से काम कर; नसीब हर बार साथ नहीं देता। रोहित ने हार नहीं मानी। वह सीखते रहे। मेहनत करते रहे। तीन साल बाद वह न सिर्फ नुकसान से उबरे, बल्कि पहले से कहीं ज्यादा तरक्की की।

जब हालात सुधरे तो भाइयों ने अपने माता-पिता के लिए कुछ खास करने का फैसला किया। उन्होंने अपने पिता के लिए एक लग्जरी कार खरीदने की सोची। दिसंबर 2025 में वे बिना बताए अपने पिता को शोरूम ले गए।

4,500 रुपये महीने की नौकरी की

बचपन से ही दोनों भाइयों ने परिवार का हाथ बंटाना शुरू कर दिया था। रोहित ने कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को बताया, मैंने सिम कार्ड बेचे, दिन में साइबर कैफे में काम किया और रात में पैम्फलेट बांटे। 2015 में मैं 4,500 रुपये महीने पर एचआर असिस्टेंट बन गया। लेकिन, यह काफी नहीं था। मेरे भाई और मैंने एक छोटा इवेंट्स का बिजनेस भी चलाया। हर छोटे-बड़े काम ने उन्हें जिम्मेदारी सिखाई और परिवार को सहारा दिया।

1.71 लाख सस्ती हुई चांदी, सोना 40000 रुपये टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोमवार,2 फरवरी को भी चांदी की कीमतों में गिरावट जारी रही, जो पिछले दो दिनों से चली आ रही तेज मंदी का हिस्सा है। चांदी अब गुरुवार (30 जनवरी) को बने अपने रिकॉर्ड हाई 4,20,000 रुपये से 40 प्रतिशत से भी अधिक नीचे आ गई है। यानी करीब 1.71 लाख रुपये टूट चुकी है। इस गिरावट का कारण डॉलर का मजबूत होना और आज से सीएमई एक्सचेंज द्वारा बढ़ाई गई मार्जिन जरूरतें लागू होना है। एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 6 प्रतिशत गिरकर 2,49713 रुपये प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गई। हालांकि, वैश्विक बाजारों में सुधार देखा गया, जहां स्पॉट सिल्वर में 8 प्रतिशत से अधिक की तेजी आकर 84.140 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई, जबकि एशियाई व्यापार के शुरुआती घंटों में इसमें लगभग 12 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सोमवार के सत्र में एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई, जिससे पिछले एक दशक से अधिक समय में आई सबसे तेज एक-दिन की गिरावट के बाद नुकसान और बढ़ गया।

एमसीएक्स सोना 1.5 प्रतिशत गिरकर 1,40,000 रुपये प्रति दस ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। यानी ऑल टाइम हाई से करीब 40000 रुपये सस्ता हो गया है। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, स्पॉट गोल्ड एशियाई व्यापार के समय 4 प्रतिशत गिरने के बाद 1 प्रतिशत तक

उभर आया। अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंच गई थीं, जिसने अनुभवी व्यापारियों को भी आश्चर्यचकित कर दिया था। जनवरी में यह रैली और तेज हो गई क्योंकि निवेशक भू-राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर होती मुद्राओं और फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर सवालों के बीच सोने-चांदी की ओर दौड़ पड़े।

चीन से अतिरिक्त सट्टेबाजी ने इस तेजी को और हवा दी। उच्च जोखिम प्रोफाइल के लिए, मार्जिन 6.6 प्रतिशत से बढ़कर 8.8 प्रतिशत हो जाएगा। सिल्वर के फ्यूचर्स के लिए, गैर-उच्च जोखिम प्रोफाइल के लिए मार्जिन 11 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया जाएगा, जबकि उच्च जोखिम वाले खातों के लिए, यह आवश्यकता 12.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 16.5 प्रतिशत कर दी जाएगी। मार्जिन आवश्यकताओं में भी वृद्धि की जाने वाली है। सिक्योरिटीज के वीपी रिसर्च एनालिस्ट - कमोडिटी एंड करेंसी, जतिन त्रिवेदी ने कहा कि आगे चलकर, चांदी में अत्यधिक उतार-चढ़ाव बना रहने की संभावना है, जिसमें सोने की तुलना में तेज और उतार-चढ़ाव की गुंजाइश है। मौजूदा माहौल में, सतर्क रुख अपनाने की सलाह दी जाती है।

गिरावट के तत्काल कारण

शुक्रवार को आई तेज गिरावट का तात्कालिक कारण यह घोषणा थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना केविन वार्श को अगला फेडरल रिजर्व चेयरमैन नामित करने की है। इस घटनाक्रम ने अमेरिकी डॉलर को मजबूत किया और उन व्यापारियों के मनोबल को गिरा दिया जो ट्रम्प के नेतृत्व में कमजोर मुद्रा की उम्मीद कर रहे थे। वार्श को आमतौर पर मजबूत मुद्रास्फीति-विरोधी (हॉक) माना जाता है, जिससे डॉलर के समर्थन में और डॉलर में कीमत वाली बुलियन के लिए नकारात्मक, सख्त मौद्रिक नीति की उम्मीदें बढ़ गई।

फ्यूचर्स पर मार्जिन

दशकों में देखे गए सबसे बड़े मूल्य उतार-चढ़ाव के बाद कॉमेक्स सोने और सिल्वर फ्यूचर्स पर मार्जिन जरूरतें बढ़ाने के फैसले से और दबाव आया। यह आज, 2 फरवरी से लागू हो गया है। एक्सचेंज के अनुसार, गैर-उच्च जोखिम वाले खातों के लिए सोने के फ्यूचर्स के लिए मार्जिन आवश्यकताएं मौजूदा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर कांट्रैक्ट वैल्यू का 8 प्रतिशत कर दी जाएंगी।

विदेशों में प्रॉपर्टी खरीदी है तो आपके लिए बजट 2026 हुए हैं अच्छे प्रावधान

विदेशी प्रॉपर्टी से आमदनी भारत में टैक्स लगेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। इस समय विदेशों में रियल एस्टेट में निवेश का चलन बढ़ा है। अब उद्योगपति या कारोबारी ही नहीं, प्रोफेशनल्स और नौकरीपेशा लोग भी विदेश में प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं। इसके पीछे कई वजहें हैं, जैसे बच्चों की पढ़ाई विदेश में होना या फिर अपने पैसे को अलग-अलग जगहों पर लगाना ताकि रिस्क कम हो। इनके लिए इस बार के बजट में भी घोषणा हुई है। इस बारे में जानते हैं चार्टर्ड अकाउंटेंट सी. कमलेश कुमार से।

अगर आप भारत के नागरिक हैं और विदेशों में प्रॉपर्टी खरीदते हैं, तो आपको आरबीआई की एलआरएस यानीदारीकृत प्रेषण योजना का पालन करना होगा। रिजर्व बैंक की इस स्कीम के तहत, कोई भारतीय किसी वित्तीय वर्ष में अधिकतम 2,50,000 ही विदेश भेज सकते हैं। ऐसा देखा गया है कि परिवार के सदस्य मिलकर अपने एलआरएस की लिमिट का इस्तेमाल कर लेते हैं। और फिर विदेश में एक प्रॉपर्टी खरीद लेते हैं। यहां ध्यान देने योग्य बात यह है कि आप चाहें तो किश्तों में भी पेमेंट कर सकते हैं। लेकिन, हर बार भेजी गई रकम साल की लिमिट के अंदर होनी चाहिए। साथ ही यह ट्रांसफर बैंकिंग चैनल से ही होना चाहिए। दरअसल,विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के नियमों का पालन करने के लिए सही

इसे एक उदाहरण से समझा सकते हैं

मान लीजिए, आप भारत के निवासी हैं। आपने यूके के किसी शहर में एक प्रॉपर्टी खरीदी है। वहां आपको प्रॉपर्टी से हर महीने किराया मिलता है। चूंकि आप भारत के निवासी हैं, इसलिए यह किराया भारत में भी टैक्सेबल होगा। आपको किराये की आमदनी यूके से हुई है तो उस किराए पर टैक्स भी वहां की सरकार वसूलेगी। ऐसे में, आप भारत में उस किराए पर लगने वाले टैक्स में से यूके में भरे गए टैक्स को घटा सकते हैं। इसे ही फॉरेन टैक्स क्रेडिट कहते हैं। इससे आपकी आय पर दोहरा कर नहीं लगेगा। बस, आपको यूके में टैक्स भरने का सबूत दिखाना होगा।

कागजात रखना बहुत जरूरी है। अब आपके मन में सवाल उठता होगा कि जब विदेशों में प्रॉपर्टी खरीदी है तो उससे कुछ आमदनी भी होगी। उस पर कराधान के नियम क्या हैं। तो आप जान लें कि विदेश में खरीदी गई प्रॉपर्टी से होने वाली कमाई, भारत में रहने वाले लोगों के लिए यहां टैक्सेबल (कर योग्य) होती है। इसमें इसके कोई मायने नहीं होते कि किराये का भुगतान भारत में किया गया है या विदेश में। अगर आपको विदेश से किराया मिलता है, तो आपको इसकी जानकारी अपने भारतीय टैक्स रिटर्न में देनी होगी, भले ही उस पर विदेश में टैक्स लग चुका हो। अगर किसी आमदनी पर दो देशों में टैक्स लगता है, तो भारत के टैक्स ट्रीटी के तहत आपको विदेश में भरे गए टैक्स का क्रेडिट मिल सकता है।

विदेशों में प्रॉपर्टी खरीदने के लिए लिए आप बैंक से नियमानुसार लोन भी ले सकते हैं। बैंकों से लिए गए लोन पर आज जो ब्याज चुकाते हैं, उस पर आप टैक्स में छूट का क्लेम कर सकते हैं। लेकिन यहां यह देखना होगा कि वह तय लिमिट के अंदर हो।

अगर आप विदेश में खरीदी हुई प्रॉपर्टी बेचते हैं और इस सौदे में आपको मुनाफा होता है, तो उस पर होने वाले कैपिटल गेन पर भी भारत में टैक्स भरना होगा। यहां भी टैक्स ट्रीटी के तहत फॉरेन टैक्स क्रेडिट का फायदा मिल सकता है, जिससे डबल टैक्सेशन से बचा जा सकता है। यह याद रखना बहुत जरूरी है कि विदेश में खरीदी गई सभी प्रॉपर्टी की जानकारी आपको अपने भारतीय टैक्स रिटर्न में देनी होगी। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो काला धन अधिनियम , 2015 के तहत आप पर भारी जुर्माना लग सकता है और कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है।

5 साल में 870 प्रतिशत रिटर्न छोटे से शेयर में 5 प्रतिशत के अपर सर्किट का क्या है राज

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद की छोटी सी कंपनी एमआइसी इलेक्ट्रॉनिक्स ने दिसंबर 2025 तिमाही के मिले-जुले नतीजे दिए हैं। कंपनी का कुल रेवेन्यू पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले लगभग 668 प्रतिशत बढ़कर 90.23 करोड़ रुपये हो गया। पिछली

तिमाही (सितंबर 2025) की तुलना में भी यह 138 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि, मुनाफे पर दबाव बना हुआ है। नेट प्रॉफिट 13.36 प्रतिशत घटकर 1.88 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल और पिछली तिमाही दोनों की तुलना में कम है। रेवेन्यू में भारी बढ़ोतरी के बावजूद, कंपनी के मार्जिन सिकुड़ गए हैं। ऑपरेटिंग मार्जिन पिछली तिमाही के 10.06 प्रतिशत से घटकर 4.40 प्रतिशत रह गया है। नेट प्रॉफिट मार्जिन भी 5.73 प्रतिशत से घटकर 2.08 प्रतिशत पर आ गया है, जिससे इस विकास की टिकाऊपन पर सवाल उठ रहे हैं। सोमवार, 2 फरवरी को कंपनी के शेयर की कीमत में 5 प्रतिशत का उछाल (अपर सर्किट) देखा गया और यह 42.82 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी की बाजार पूंजी लगभग 998 करोड़ रुपये है। हाल के समय में यह स्मॉल-कैप का शेयर पिछड़ा रहा है। पिछले एक साल में यह 45 प्रतिशत गिरा है। पिछले छह महीने में 16 प्रतिशत, तीन महीने में 19 प्रतिशत और एक महीने में 4.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास के बाद क्या करेंगे अरिजीत सिंह

क्या 38 साल के सिंगर अरिजीत सिंह अब शांत और गांव जैसी जिंदगी में लौट रहे हैं? बुधवार को यही सवाल सबके मन में था। एक दिन पहले उन्होंने एलान किया कि वे प्लेबैक सिंगिंग से आधिकारिक रूप से रिटायर हो रहे हैं, लेकिन संगीत से नहीं। कई सेलेब्स ने अरिजीत के लिए पोस्ट शेयर किए हैं

सिंगर सोना मोहपात्रा

सिंगर सोना मोहपात्रा ने लिखा, प्लेबैक सिंगिंग से दूर जाना आजादी और नई संभावनाओं की ओर कदम है। मुझे यकीन है कि उनके कारण निजी और सही हैं। वे खुद के लिए जगह बना रहे हैं, नए गाने अपनी शर्तों पर बनाने के लिए। इससे नई आवाजों को मौका मिलेगा।

नीना गुप्ता

अभिनेत्री नीना गुप्ता ने कहा, पहले चौंक गई, लेकिन यह बहादुरी है। कभी-कभी हम एक ही रास्ते पर फंस जाते हैं। वे संगीत सीखना चाहते हैं, जो अच्छा है। हम उन्हें मिस करेंगे, लेकिन शायद कुछ नया लेकर आएंगे।

अरिजीत का संगीत करियर

अरिजीत का संगीत करियर तेजी से ऊपर चढ़ा। 2005 में रियलिटी शो फेम गुरुकुल से शुरू किया। 2011 में मर्डर 2 का फिर मोहब्बत से प्लेबैक डेब्यू किया। आशिकी 2 का तुम ही हो ने उन्हें स्टार बनाया, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। आखिर अब अरिजीत क्या करने वाले हैं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वह फिल्म निर्माता बनेंगे?

अरिजीत के हिट गाने

अरिजीत ने अगर तुम साथ हो, गेरुआ, चन्ना मेरेया, ऐ दिल है मुश्किल, बुल्लेया, जालिमा, गलती से मिस्टेक, ऐ वतन, मस्त मगन, केसरिया, अपना बना ले, झूमे जो पठान, तुम क्या मिले, वे कमलेया, चलेया और गहरा हुआ जैसे कई गानों से दिल जीता है। अरिजीत एक्टर शाहरुख से लेकर सलमान, आमिर, अक्षय और रणबीर जैसे सितारों के लिए पसंदीदा आवाज बने।

25 साल के फिल्मी सफर की चुनौतियों पर बोलीं एक्ट्रेस श्रिया सरन

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री श्रिया सरन को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 25 साल पूरे हो गए हैं। इतने लंबे सफर के बाद उनका नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने अलग-अलग भाषाओं और सिनेमा के दौर को करीब से देखा है। श्रिया सरन ने बातचीत में अपने करियर, फिल्मी दुनिया में आए बदलाव और आज के दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे प्री-सोशल मीडिया दौर से लेकर आज के डिजिटल युग तक इंडस्ट्री पूरी तरह बदल चुकी है। खास बातचीत में श्रिया सरन ने सबसे पहले फिल्म सेट्स पर आए तकनीकी बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, जब मैंने करियर की शुरुआत की थी, तब शूटिंग का माहौल बिल्कुल अलग था। उस समय लाइट्स बहुत तेज होती थीं, जो आंखों को चुभती थीं और कई बार परेशानी भी होती थी। कैमरे भी भारी और सीमित तकनीक वाले होते थे। कलाकारों को सेट पर इंतजार करना पड़ता था और कैमरे के चलने की आवाज सुनकर ही पता चलता था कि शूटिंग शुरू हो गई है। उस दौर में सब कुछ ज्यादा मेहनत और धैर्य की मांग करता था।

श्रिया ने कहा, आज हालात काफी बदल चुके हैं। तकनीक ने फिल्म इंडस्ट्री को ज्यादा आरामदायक बना दिया है। अब सॉफ्ट लाइट्स होती हैं जो आंखों पर असर नहीं डालतीं। कैमरे पहले से ज्यादा आधुनिक और हल्के हो गए हैं, जिससे शूटिंग आसान और तेज हो गई है। इन बदलावों की वजह से कलाकार अपने अभिनय पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल भी पहले से बेहतर हो गया है। या सरन ने कहा, पहले कलाकारों को सिर्फ एक मैनेजर से डील करना पड़ता था, लेकिन अब पूरा सिस्टम बदल चुका है। आज एजेंसियों का दौर है, जहां कलाकारों को कई लोगों से बात करनी होती है। नई पीढ़ी के लोग नई तरह की जानकारी और सोच लेकर आते हैं। वे ऐसी चीजें जानते हैं, जो पुरानी पीढ़ी को नहीं पता होतीं। ऐसे में बदलाव को स्वीकार करना जरूरी है। अपने 25 साल के करियर के उतार-चढ़ाव पर बात करते हुए श्रिया ने कहा, इतने लंबे सफर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं। कभी ऐसा लगता है कि सब कुछ अच्छा चल रहा है और कभी इंसान खुद को बहुत अकेला या कमजोर महसूस करता है। इन मुश्किल दिनों से निकलने के लिए अपने आसपास ऐसे लोगों का होना बहुत जरूरी है, जो आपका साथ दें और आपको संभालें। सही लोग और सकारात्मक माहौल ही आपको आगे बढ़ने की ताकत देते हैं। श्रिया सरन ने अपने लंबे और सफल करियर का श्रेय अपनी टीम और सहयोगियों को दिया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी निर्देशकों और सह-कलाकारों की देन हूं, जिनके साथ मैंने काम किया है। हर फिल्म और हर अनुभव ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। अगर सही लोग और टीम का सहयोग न मिला होता, तो यह सफर इतना आसान और सफल नहीं होता।

पुलकित सम्राट ने ग्लोरी के साथ नए लीग में रखा कदम

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था। वह कहते हैं, यह प्रक्रिया बेहद इंटेंस रही है, लेकिन उतनी ही एडिक्टिव भी। बता दें कि पुलकित को इस किरदार की तैयारी के लिए कड़ी फिज़िकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा, साथ ही भावनात्मक स्तर पर भी खुद को पूरी तरह झोंकना पड़ा। एक बॉक्सर की भूमिका निभाना उनके लिए कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर खुद को नए सिरे से खोजने जैसा है। पुलकित यह भी कहते हैं, अगर अभिनेता सेफ खेलते रहें, तो उनकी ग्रोथ रुक जाती है और सब कुछ फॉर्मूला बन जाता है। अब हम इसके लिए तो अभिनेता नहीं बने है न। उनके अनुसार, खुद को चुनौती देना न सिर्फ कलाकार के विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि दर्शकों को कुछ नया देने के लिए भी ज़रूरी है। बीते सालों में पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता और प्रयोग के जरिए एक अलग पहचान बनाई है,फिर चाहे वह हल्की-फुल्की एंटरटेनर फिल्में हों, गंभीर हों या परफॉर्मेंस-ड्रिवन रोल्स हों। रही बात ग्लोरी की तो इस फिल्म का किरदार उनके करियर में एक मजबूत परत जोड़ता है। यह एक ऐसा किरदार है, जो अनुशासन, संवेदनशीलता और सच्ची भावनात्मक ईमानदारी की मांग करता है। फिलहाल ग्लोरी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रख रहे पुलकित एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, जो जोखिम उठाने के साथ-साथ खुद को नए रूप में गढ़ने और रचनात्मक महत्वाकांक्षा से भरा है। हालांकि ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में वह न सिर्फ अपने एक लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर रहे हैं, जो हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को लगातार विकसित करता जा रहा है।

फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की एक्सपायरी डेट होती है

एक्ट्रेस मोना सिंह फिल्म बॉर्डर 2 की कामयाबी को लेकर खुश हैं। वह जल्द ही कोहरा के दूसरे सीजन में नजर आने वाली है। इसमें वह एक पुलिस ऑफिसर का चैलेंजिंग रोल निभा रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने किरदार और फिल्म इंडस्ट्री में बड़ी उम्र के कलाकारों के बारे में बात की है।

स्क्रीन पर बूढ़ी क्यों दिखती हैं मोना?

बातचीत में मोना सिंह ने 40 की उम्र में भी स्क्रीन पर 50 और 60 साल के किरदारों को निभाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मैंने अपनी ऑन-स्क्रीन उम्र की परवाह नहीं की है, क्योंकि मैं बहुत कॉन्फिडेंट हूं और मुझे पता है कि मैं कौन हूं। मुझे कुछ भी साबित नहीं करना है, इसलिए मैं रिस्क लेती रहती हूं। लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं, आप स्क्रीन पर इतनी बूढ़ी क्यों दिखती हैं? मैं कहती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह वह किरदार है जिसे मैं निभा रही हूं और यह मुझे सच में एक्साइट करता है।

60 की उम्र में पुरुष करते हैं रोमांटिक रोल

एक्ट्रेस ने माना कि इंडस्ट्री में लोग बड़ी उम्र के एक्टर्स को अच्छे रोल देने से हिचकिचाते हैं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ इसी इंडस्ट्री में होता है कि महिलाओं की एक एक्सपायरी डेट होती है। यह बहुत दुख की बात है। 60 साल के पुरुष अभी भी रोमांटिक लीड रोल कर सकते हैं, जबकि महिलाएं नहीं कर सकतीं। मैंने कभी इस बारे में ज्यादा परवाह नहीं की।

बॉर्डर 2 में मोना का किरदार

आपको बता दें कि मोना सिंह ने 23 जनवरी को रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल की पत्नी का किरदार निभाया है। इसके लिए उनकी काफी तारीफ हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है।

कब रिलीज होगी कोहरा 2

मोना ने कोहरा सीजन 2 का हिस्सा बनने को एक बहुत बड़ा सम्मान बताया। दूसरे सीजन में, वह धनवंत कौर का रोल निभा रही हैं। कोहरा 2 11 फरवरी को रिलीज होगी।

जितना ध्यान लोग सोशल मीडिया पर देते हैं, फैमिली पर भी दें

बॉलीवुड में शाहिद कपूर की शुरुआत साल 2003 में एक लवर बॉय के तौर पर इश्क विश्क से हुई थी। इंडस्ट्री में आम तौर पर एक्टर्स का एक इमेज में बंध जाना जहां स्वभाविक की समस्या बन जाती है, वहीं हरफनमौला शाहिद ने इस बंधन को मानने से इनकार कर दिया। पर्दे पर उन्हें जब वी मेट और विवाह में निहारने वाले दर्शक तब दंग रह गए, जब कमीने, हैदर, कबीर सिंह में उनका इन्टेंस अवतार दिखा। अब वह विशाल भारद्वाज की ओ रोमियो में एक गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं। आप चाहे उनके फैन हो या नहीं, लेकिन उनकी अदाकारी के ग्राफ की तारीफ हर कोई करता है। एक दमदार एक्टर होने के साथ ही शाहिद एक फैमिली मैन भी हैं। बातचीत में उन्होंने करियर और निजी जीवन के बीच के संतुलन, पैरंटिंग, शादी, परफॉर्मेंस ओरिएंटेड भूमिकाओं, और ओ रोमियो पर बात की है।

अपने परिवार को पॉजिटिव सोच देनी चाहिए

शाहिद कपूर एक बेहतरीन पिता भी हैं। वह मीशा और ज़ैन के प्यारे पापा हैं। आज के दौर में वह बच्चों को वह किस तरह के वैल्यूज देना चाहेंगे? इस सवाल पर एक्टर कहते हैं, 'इस पर तो किताब लिखी जा सकती है। मुझे लगता है कि आपके परिवार के जो मूल्य हैं, वह आपके बच्चों में होने चाहिए। बच्चों को हमेशा पॉजिटिव एनर्जी देनी चाहिए, क्योंकि आजकल के बच्चे और यंगस्टर्स बहुत समझदार हो गए हैं। आजकल के बच्चे हर चीज के लिए बहुत ज्यादा सोचते हैं और नकारात्मक पहलुओं की तरफ उनका फोकस ज्यादा है, तो ऐसे में उन्हें पॉजिटिव सोच देना बहुत जरूरी है। उन्हें बताना जरूरी है कि हम इन फैमिली वैल्यूज में विश्वास करते हैं। बच्चों को बहुत ज्यादा प्यार देने की जरूरत है, एक कनेक्शन स्थापित करना, उनसे कम्युनिकेट करना बेहद आवश्यक है।'

बच्चों पर अपने सपने ना थोपें

शाहिद से जब पूछा गया कि वह अपने बच्चों को किस चीज से बचाना चाहेंगे? तो जवाब मिला, 'मुझे लगता है कि मां-बाप को अपने बच्चों को अपनी ख्वाहिशों और महत्वाकांक्षाओं से बचाना चाहिए। बच्चों पर अपने सपने न थोपें। ऊपर वाले ने उन्हें अपनी एक यात्रा पर भेजा है और बच्चों को उस सफर पर जाने दें।'

शादी में एक-दूसरे को वक्त देना बहुत जरूरी है

पत्नी मीरा राजपूत के साथ बॉन्डिंग के बारे में शाहिद कहते हैं, 'मैं हमेशा कहता हूं कि शादी डेली वर्क है। अपनी शादी देखकर हर किसी को लगता है कि दूसरे की शादी अच्छी है, पर ऐसा नहीं होता। जिस तरह से आप आज इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर फोकस करते हैं, उसी तरह से अपनी रिलेशनशिप पर भी ध्यान देना जरूरी है। जब आप अपने पार्टनर पर ध्यान देते हैं और उसे इज्जत देते हैं, तो वह सामने वाले को भी महसूस होता है। शादी में पार्टनर को वक्त और सम्मान देना बहुत आवश्यक है। मैं-मीरा ये ही कोशिश करते हैं।'

आप तभी ट्रांसफॉर्म होते हैं, जब खुद को चुनौती देते हैं

शाहिद कपूर ने लवर बॉय से अपने करियर की शुरुआत की थी और फिर इंटेंस और टफ भूमिकाओं में नजर आए। इस ट्रांसफॉर्मेशन पर वह कहते हैं, 'आप ट्रांसफोर्म तभी हो पाते हैं, जब आप रिस्क लेना या खुद को चुनौती देना शुरू करते हैं। इससे आप मुश्किल भूमिकाएं कर पाते हैं और फिर उस सफर का आनंद उठाने लगते हैं। जब लोग उस चीज को देखते हैं और पसंद करते हैं, तब वे उस तरह के रोल्स का प्रस्ताव आपके पास लाने लगते हैं और एक सिलसिला चल निकलता है।

ओ रोमियो डरावनी भी है, रोमांटिक भी, इमोशनल भी

शाहिद आगे कहते हैं, अब विशाल सर के साथ ही ओ रोमियो मेरी चौथी फिल्म है। ये नब्बे के गैंगस्टर की प्रेम कहानी है और सभी जानते हैं कि विशाल भारद्वाज की फिल्मों की दुनिया थोड़ी अनोखी और अजीब होती है। फिल्म के अंदर एक ड्रामा है, पर यह फिल्म थोड़ी क्रिर्की है। ये एक ही साथ में डरावनी भी है, रोमांटिक भी और इमोशनल भी।'

डब्ल्यूपीएल के एलिमिनेटर में दिल्ली

- 2 बार की चैंपियन मुंबई बाहर, यूपी को 5 विकेट से हराया; मारिजान को 3 विकेट

वडोदरा। वडोदरा में खेले गए विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आखिरी लीग मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने यूपी वारियर्ज को 5 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ दिल्ली ने डब्ल्यूपीएल के एलिमिनेटर के लिए क्वालिफाई कर लिया।

2 बार की चैंपियन मुंबई बाहर– दिल्ली की इस जीत से दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यूपी वॉरियर्ज आखिरी पायदान पर रही। दिल्ली ने 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ 8 पॉइंट्स लेकर लीग स्टेज तीसरे नंबर पर खत्म किया। गुजरात जायंट्स दूसरे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहले स्थान पर रहकर पहले ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी हैं।

यूपी 122 रन ही बना पाई

पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्ज की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 122 रन ही बना सकी। टीम की कोई भी बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा नहीं छू सकी। दीप्ति शर्मा ने 24, सिमरन शेख ने 22 और शिखा पांडे ने नाबाद 23 रन बनाए। दिल्ली की ओर से मारिजान कैप ने 3 विकेट लिए। चिनेल हेनरी और श्री चरणी को 2-2 विकेट मिले, जबकि मिन्नू मणि ने 1 विकेट झटका।

वोल्वार्ट के 47 रन– 123 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत साधारण रही। लिजेल ली 10 और शेफाली वर्मा 29 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद लौरा वोल्वार्ट ने 47 और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 26 रन की पारी खेली। दिल्ली ने 18.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यूपी की तरफ से दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। शिखा पांडे, सोफी एकलस्टन, डिएंड्रा डॉटिन को एक-एक विकेट मिला।

भारत के खिलाफ मैच खेलने से मना करना

पाकिस्तान पर भारी पड़ सकता है

- ग्रुप-स्टेज में ही बाहर होने का खतरा

आईसीसी बैन लगा सकता है, भविष्य में मेजबानी मिलनी मुश्किल

नईदिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच खेलने से मना कर दिया। पाकिस्तान सरकार ने रविवार को कहा कि उनकी टीम टूर्नामेंट खेलेगी, लेकिन भारत से नहीं भिड़ेगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कहा कि पीसीबी अपने फैसले पर फिर से विचार करे।

ग्रुप स्टेज से बाहर होने का खतरा– आईसीसी की प्लेइंग कंडीशन के मुताबिक मैच बॉयकॉट करने से पाकिस्तान का ही रन रेट खराब होगा। 16.10.7 क्लॉज में बताया है कि पाकिस्तान के 20 ओवर में 0 रन होंगे। जबकि भारत का एक भी ओवर काउंट नहीं होगा। इससे पाकिस्तान का रन रेट बाकी मैच जीतकर भी निगेटिव में जा सकता है। ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान के अलावा नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका की टीमें हैं। पाकिस्तान अगर 3 में से एक भी मैच हार गई तो टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो जाएगी। अमेरिका तो पिछले वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को हराकर ग्रुप स्टेज में ही बाहर भी कर चुका है। नीदरलैंड भी आईसीसी टूर्नामेंट में बड़े उलटफेर करते आई है।

वर्ल्ड कप से बैन कर सकता है आईसीसी

आईसीसी ने पाकिस्तान को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। वर्ल्ड बॉडी अब पीसीबी से पूछेगा कि उसने बॉयकॉट क्यों किया? अगर पाकिस्तान ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो आईसीसी उसे इसी वर्ल्ड कप से बैन भी कर सकता है। इससे पहले भी 5 टीमें वर्ल्ड कप में मैच का बॉयकॉट कर चुकी हैं।

पीएसएल को एनओसी नहीं मिलेगी– पाकिस्तान इस मामले में सुरक्षा कारणों का हवाला नहीं दे सकता, क्योंकि टीम अपने सभी मैच भारत की बजाय श्रीलंका में खेलने वाली है। पीसीबी ने अगर बांग्लादेश को सपोर्ट करने का कारण दिया तो भी आईसीसी एक्शन ले सकता है क्योंकि आईसीसी ने पहले ही पीसीबी को धमकी दे दी थी कि अगर बांग्लादेश को सपोर्ट किया तो पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) नहीं मिलेगा।

नॉकआउट स्टेज में भारत सामने आया तो क्या करेगा पाकिस्तान?

पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज में तो भारत के खिलाफ खेलने से मना कर दिया, लेकिन बोर्ड ने यह साफ नहीं किया कि नॉकआउट में अगर टीम इंडिया सामने आई तो टीम खेलेगी या नहीं? आईसीसी के सूत्रों ने दैनिक भास्कर को बताया कि पाकिस्तान से जवाब मांगा जाएगा। अगर कारण संतोषजनक नहीं रहा तो पीसीबी पर सख्त एक्शन लिया जाएगा।

पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने पीसीबी के फैसले पर कहा, हम बस वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं। सरकार ने अगर किसी टीम के खिलाफ खेलने के लिए मना कर दिया तो हम उसका पालन करेंगे। हम टूर्नामेंट में अपना 100 प्रतिशत खेल दिखाने पर फोकस कर रहे हैं।

आईसीसी से मेजबानी मिलना मुश्किल– पाकिस्तान ने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी। देश को 29 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली थी। आईसीसी अब पाकिस्तान को भविष्य में मिलने वाली मेजबानी से भी हटा सकता है क्योंकि भारत-पाकिस्तान मैच से आईसीसी की कमाई बढ़ती। अब मैच नहीं होगा, इससे आईसीसी का रेवेन्यू कम हो सकता है। इस नुकसान की भरपाई के लिए आईसीसी अब पाकिस्तान को मिलने वाले सालाना रेवेन्यू शेयर को भी घटा सकता है।

सिंधु-साइना के एलीट क्लब में शामिल हुई देविका

- बैडमिंटन में उपलब्धि, सिहाग ने जीता थाईलैंड मास्टर्स

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की 20 वर्षीय उभरती शटलर देविका सिहाग ने रविवार को थाईलैंड मास्टर्स 2026 में इतिहास रच दिया। बैंकॉक में खेले गए फाइनल मुकाबले में उन्होंने मलेशिया की गो जिन वेई को हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 खिताब जीता। देविका ने पहला गेम 21-8 के बड़े अंतर से जीता। दूसरे गेम में जब वे 6-3 से आगे चल रही थीं, तभी मलेशियाई खिलाड़ी को चोट के कारण रिटायर होना पड़ा और देविका को विजेता घोषित कर दिया गया। देविका ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम नहीं गंवाया। उन्होंने हर मैच सीधे सेटों में जीता। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने टूर्नामेंट की नंबर-1 सीड सुपनिदा को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इस जीत के साथ देविका सुपर 300 खिताब जीतने वाली भारत की सिर्फ तीसरी महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले यह उपलब्धि केवल पीवी सिंधु और साइना नेहवाल के नाम थी। देविका ने कहा-मैं बेहद खुश हूं क्योंकि यह मेरा पहला सुपर 300 खिताब है। मैंने यहां बहुत अच्छे मैच खेले और काफी कुछ सीखा है। मैं सिर्फ अपना 100 प्रतिशत देना चाहती थी। इसी सोच ने मुझे आत्मविश्वास दिया।

- पाकिस्तान को 58 रन से हराया, वेदांत की फिफ्टी, आयुष म्हात्रे और खिलन पटेल को 3-3 विकेट

भारत अंडर-19 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पहुंचा

बुलवायो (एजेंसी)। भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने पाकिस्तान को 58 रन से हरा दिया। जिम्बाब्वे के बुलवायो में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 252 रन का स्कोर खड़ा किया। वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन की पारी खेली। पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 253 रन का लक्ष्य 33.3 ओवर में हासिल करना था। टीम 46.2 ओवर में 194 रन ही बना सकी।

भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से– अंडर-19 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। मैच 4 फरवरी को दोपहर 1 बजे से हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। वहीं पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड आमने-सामने होंगे। मैच 3 फरवरी को दोपहर 1 बजे से बुलवायो में खेला जाएगा।

वेदांत ने फिफ्टी लगाई– वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन बनाकर टीम को 200 के करीब पहुंचाया। वैभव सूर्यवंशी 22 गेंद पर 30 रन ही बना सके। कप्तान आयुष म्हात्रे खाता भी नहीं खोल पाए। आखिर में कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने फिफ्टी पार्टनरशिप कर स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया।

प्लेयर ऑफ द मैच कनिष्क चौहान बने

भारत की जीत के हीरो कनिष्क चौहान रहे। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कनिष्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में 35 रन की तेज पारी खेली। इसके बाद बॉलिंग करते हुए उन्होंने 10 ओवर में एक मेडेन फेंकते हुए 30 रन दिए। कनिष्क ने विकेटकीपर हमजा जुहूर को 42 रन पर आउट किया।

हरियाणा का कनिष्क पाक के खिलाफ मैन ऑफ द मैच

मां बोलीं- कहा था धुम्मे ठावेगा; आईपीएल भी खेलेंगे

हरियाणा में झज्जर के रहने वाले कनिष्क चौहान ने अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। रविवार रात को कनिष्क के कुलाना गांव में आतिशबाजी की गई।जिम्बाब्वे में चल रहे वर्ल्ड कप मैच में रविवार को कनिष्क ने पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों पर 35 रन बनाए और एक विकेट भी लिया। बेटे को मैन ऑफ द मैच का खिताब मिलने के बाद मां ने कहा कि हमें तो पहले ही पता था कि वो धुम्मा ठावेगा (कुछ खास करके दिखाएगा)।9 फरवरी को कुलाना गांव में कनिष्क का स्वागत समारोह रखा गया है। इसी दिन रात को परिवार की तरफ से जागरण भी कराया जाएगा।कनिष्क चौहान ऑलराउंडर हैं। इस बार वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम में खेलेंगे। कनिष्क को आरसीबी ने 30 लाख रुपए के बेस प्राइस में टीम में शामिल किया है।

- **मां बोलीं– बेटे की उपलब्धि पर गर्व–** कनिष्क की मां सरिता चौहान ने कहा कि बेटे की इस उपलब्धि पर उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ कनिष्क चौहान ने दूसरी बार सही मौके पर बेहतरीन प्रदर्शन किया और मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। रात में बेटे से बात करने के बाद ही उन्हें नींद आई। बेटे ने जीत और खिताब मिलने की खुशी परिवार के साथ शेयर की।
- **पाकिस्तान के खिलाफ दूसरी बार मैन ऑफ द मैच–** कनिष्क चौहान ने लगातार दूसरी बार पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

करनाल के नायब सूबेदार ने रोइंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

7 मिनट 12 सेकेंड में क्लियर की रोइंग रेस, 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

करनाल (एजेंसी)। इंडियन आर्मी में नायब सूबेदार और पेरिस ओलिंपिक में डेब्यू करने वाले कैमला गांव के बलराज पंवार ने एक बार फिर प्रदेश का नाम नेशनल लेवल पर रोशन किया है। बलराज ने सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। इस चैंपियनशिप में बलराज ने 7 मिनट 12 सेकेंड में 2000 मीटर की रेस क्लियर की। बलराज ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी इस उपलब्धि की जानकारी सांझा की। बीती 27 जनवरी से 1 फरवरी तक पुणे में सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप हुई। इस चैंपियनशिप में बलराज ने भी अपना दमखम दिखाया और गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। गोल्ड मेडलिस्ट बलराज पंवार ने मीडिया से बातचीत में बताया कि पुणे में आयोजित रोइंग चैंपियनशिप में 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। जिसमें मेरी टाइमिंग 7 मिनट 12 सेकेंड की रही है।

आर्मी की तरफ से लिया भाग– उसने आर्मी सर्विसेज की तरफ से हिस्सा लिया था। दूसरे स्थान पर इंडियन आर्मी ही रही और तीसरे स्थान पर हरियाणा रहा और चौथे पर झारखंड रहा था। बलराज ने बताया कि रोइंग में हवा और पानी की धार भी जीत और हार को प्रभावित करती है। जिसके कारण समय ज्यादा लग जाता है।

ओलिंपियन के लग्न टीके में 500 किलो देसी घी के पकवान

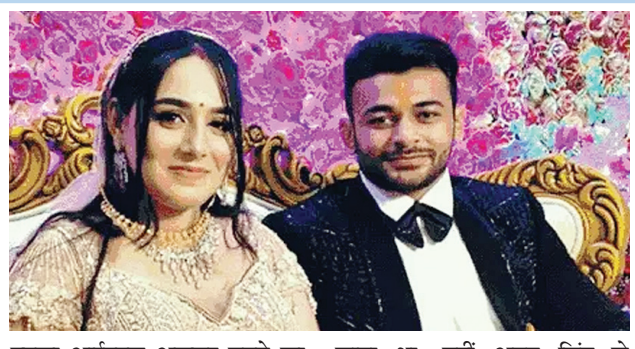

झज्जर में पिता के दोस्त की बेटी संग शादी करेंगे; दुल्हन यूपीएससी की तैयारी कर रही

झज्जर (एजेंसी)। झज्जर के रहने वाले ओलिंपियन पहलवान दीपक पूनिया कल, 3 फरवरी को विवाह के बंधन में बंधने जा रहे हैं। झज्जर शहर के धनखड़ फार्म हाउस में लग्न टीके (तिलक) का कार्यक्रम हुआ। दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि लंच में 500 लीटर देसी घी के अलग-अलग पकवान तैयार किए गए।

दीपक पूनिया सेना में सूबेदार हैं। वह अपने पिता के दोस्त की बेटी शिवानी के साथ सात फेरे लेंगे। दीपक और शिवानी की 28 सितंबर 2025 को सगाई हुई थी। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी लोग ही शामिल हुए। शिवानी संघ लोक सेवा आयोग (पीएससी) की तैयारी कर रही हैं, उनका आईएएस अफसर बनने का सपना है।

शिवानी के पिता प्रॉपर्टी डीलर, अखाड़े में हुई जान-पहचान– दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि शिवानी के पिता अनूप सिंह प्रॉपर्टी का काम करते हैं। जब दीपक अखाड़े में प्रैक्टिस करने जाता था, वहीं अनूप सिंह से मुलाकात हुई। कई बार मुलाकातें हुई और 2020 में दोस्ती हो गई। जब बेटे के लिए रिश्ते आने लगे तो मैंने अनूप से कहा कि अपना बेटा है, आपकी बेटी है, क्यों न दोस्ती को रिश्तेदारी में बदल लें। अनूप ने तुरंत हां कर दी।

शिवानी एमए-बीएड, आगे भी तैयारी कर रही– शिवानी ने रोहतक के जाट कॉलेज से इंग्लिश ऑनर्स से एमए किया है। इसके अलावा उन्होंने बीएड की। अब एमएड की तैयारी है। साथ ही पीएससी की भी तैयारी कर रही हैं। सुभाष का कहना है कि शिवानी हमारी बहू ही नहीं बेटी जैसी है, वो जितना चाहे पढ़े।

शिवानी बोलीं– दोनों परिवारों की रजामंदी से हुआ रिश्ता– रिंग सेरेमनी के बाद एक इंटरव्यू में शिवानी ने बताया था कि मेरा खेलों से कोई नाता नहीं रहा है। मैं शुरू से ही पढ़ाई में ध्यान रखती आई हूं। अब मेरा लक्ष्य ब्लूरु अफसर बनने का है। इसके लिए सेल्फ स्टडी कर रही हूं। मेरे पापा दीपक के पिता के साथ 5-6 साल से साथ में काम कर रहे हैं।

81 साल की सुमनर बोलीं- शुरुआत करने में कभी देर नही होती

- दोनों हाथ में गठिया, फिर भी 3 मिनट 'डेड हैंग', बनाया विश्व रिकॉर्ड

कोलोराडो (एजेंसी)। कोलोराडो 7 उम्र सिर्फ एक नंबर है, यह साबित किया है 81 साल की बुजुर्ग महिला बोनी सुमनर ने। 2023 में पति मार्क के निधन के बाद वे अकेली पड़ गई थीं। गम में डूबने की बजाय उन्होंने खुद को मजबूत किया। फरवरी 2024 में जिम जाना शुरू किया। जुलाई में 'डेड हैंग' के बारे में पढ़ा। पहली बार में 21 सेकंड तक डेड हैंग किया।

आमतौर पर 40-50 साल के लोग पहली बार में 5 से 10 सेकंड ही टिक पाते हैं। बोनी को आर्थ?राइटिस है। दोनों हाथों में दर्द रहता है। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने हर बार पिछली बार से 3 सेकंड ज्यादा डेड हैंग का लक्ष्य रखा। फरवरी 2025 तक वे 2 मिनट का समय पार कर चुकी थीं। 3 मिनट 3 सेकंड तक डेड हैंग कर उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया।

टी-20 वर्ल्ड कप के वॉर्मअप मैचों का शेड्यूल जारी

भारतीय टीम साउथ अफ्रीका से खेलेगी, बीसीसीआई ने इंडिया ए की टीम भी जारी की

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप के वॉर्मअप मैचों का शेड्यूल जारी हो गया है। ये मुकाबले 2 से 6 फरवरी के बीच खेले जाएंगे। वॉर्मअप मैच 7 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे।

इंग्लैंड की टीम वॉर्मअप मैचों में हिस्सा नहीं लेगी। जबकि, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसी बड़ी टीमें एक-एक मैच ही खेलेंगी।

भारतीय टीम भी एक वॉर्मअप मैच खेलेगी। जोकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ 4 फरवरी को मुंबई के छ्ङ्क पाटील स्टेडियम में खेला जाएगा। शेष 2 वॉर्मअप मैच में इंडिया ए की टीम उतरेगी।

कैसे देख सकते है वॉर्मअप

सभी मुकाबलों के वीडियो हाइलाइट्स आईसीसी के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होंगे। भारत और साउथ अफ्रीका मैच की लाइव स्ट्रीमिंग स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर होगी

तिलक वर्मा को खेलना होगा एक वॉर्मअप मैच

बीसीसीआई ने वॉर्मअप मैच के लिए इंडिया ए टीम का ऐलान भी कर दिया है। इसकी कप्तानी आयुष बडोनी करेंगे। तिलक वर्मा भी इस टीम का हिस्सा हैं। वे कम से कम एक मैच खेलकर अपनी फिटनेस साबित करेंगे। तिलक वर्मा विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान इंजर्ड हो गए थे।

इंडिया ए टीम– आयुष बडोनी (कप्तान), नमन धीर, आशुतोष शर्मा, प्रियांश आर्य, एन. जगदीशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, रियान पराग, मानव सुथार, अशोक शर्मा, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह, विपराज निगम, रवि बिश्नोई, खलील अहमद और मयंक यादव।

अफगानिस्तान और स्कॉटलैंड में पहला मैच

वॉर्मअप मैचों की शुरुआत अफगानिस्तान और स्कॉटलैंड के मैच के साथ होगी। यह मुकाबला बेंगलुरु स्थिति बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मैदान-1 में खेला जाएगा। दूसरी ओर मुंबई के डीबाय पाटील स्टेडियम में इंडिया ए की टीम यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (यूएसए) के साथ खेलेगी। पहले दिन कनाडा और इटली का मैच चेन्नई में खेला जाएगा।

7 फरवरी से होगी वर्ल्ड कप की शुरुआत

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी को कोलंबो में नीदरलैंड और पाकिस्तान के मैच से होगी। जबकि भारत का पहला मैच अमेरिका के साथ मुंबई में खेला जाएगा। फाइनल मैच 8 मार्च को खेला जाएगा। इस मैच का वेन्यू पाकिस्तान के फाइनल पहुंचने या न पहुंचने पर तय होगा।

संक्षिप्त समाचार

स्क्रैप माफिया रवि काना के लिए रेड कॉर्नर नोटिस होगा जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की बांदा जेल से निकलकर गायब हुए स्क्रैप माफिया रवि काना के विदेश भागने की आशंका है। इसके चलते नोएडा पुलिस अब उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की तैयारी में है। उसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रवि काना पर स्क्रैप कारोबार की आड़ में अवैध वसूली, जमीन कब्जाने, धमकी देने, मारपीट और संगठित अपराध से जुड़े कई गंभीर आरोप हैं। जांच के दौरान ऐसे इनपुट मिले हैं, जिनसे यह संकेत मिला है कि रवि काना विदेश में पनाह लेने की कोशिश कर सकता है। इसी वजह से पुलिस ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया तेज की है। इसके लिए आवश्यक दस्तावेज और केस से जुड़ी पूरी जानकारी इंटरपोल के माध्यम से भेजी जा रही है। रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद रवि काना की तलाश सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि दुनिया के अन्य देशों की पुलिस एजेंसियां भी उसे पकड़ने में सहयोग करेंगी। अगर वह विदेशी में पाया जाता है तो उसे हिरासत में लेकर भारत प्रत्यर्पित करने की कार्रवाई की जा सकेगी। पूर्व में भी उसकी गिरफ्तारी थाईलैंड से हुई थी, तब भी पुलिस ने उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। वह अपनी प्रेमिका के साथ विदेश गया था। नोएडा पुलिस का कहना है कि संगठित अपराध और माफिया गतिविधियों में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। माफिया के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होगी। चर्चा है कि कुछ अधिकारियों और सफेदपोशों ने जेल प्रशासन पर दबाव बनाकर आरोपी को जल्द रिहा कराने की कोशिश की। उन्होंने बांदा जेल प्रशासन को गैंगस्टर को जल्द छोड़ने के लिए भी कहा। नोएडा पुलिस इस पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजने की तैयारी में है। स्क्रैप कारोबार के दौरान स्थानीय सफेदपोश और पुलिस अधिकारियों पर रवि काना और उसके गिरोह के सदस्यों को मदद पहुंचाने के आरोप लग चुके हैं। रवि काना के स्क्रैप कारोबार का दायरा सिर्फ नोएडा और पश्चिमी यूपी तक सीमित नहीं था। वह हरियाणा और राजस्थान तक स्क्रैप के ठेके जबरन लेता था।

भारत से मैच के बहिष्कार को लेकर पाकिस्तान पर अनुराग ठाकुर का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी सांसद और पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की ओर से भारत के खिलाफ मैच से बहिष्कार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान टीम यह फैसला इसलिए ले रही है क्योंकि वे फिर से भारत से हारने से डरते हैं। अनुराग ठाकुर ने सीएनएन-न्यूज18 को दिए इंटरव्यू में मजाकिया अंदाज में कहा, वे फिर से हारना नहीं चाहते। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान सरकार ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि उनकी टीम टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी, लेकिन 15 फरवरी 2026 को कोलंबो में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच में नहीं उतरेगी। पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जारी बयान में मैच बहिष्कार का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया, लेकिन सूत्रों ने बताया कि यह फैसला मुख्य रूप से घरेलू राजनीतिक कारणों पर आधारित है। बलूचिस्तान में हाल के हमलों और आंतरिक सुरक्षा स्थिति के कारण भारत के खिलाफ खेलना राजनीतिक रूप से संवेदनशील माना जा रहा है। पाकिस्तान सरकार कट्टरपंथी समूहों की आलोचना से बचना चाहती है, जो क्रिकेट को विदेश नीति का हिस्सा मानते हैं। इसलिए, सिर्फ भारत मैच से बचकर वे घरेलू दबाव कम करना चाहते हैं, जबकि टूर्नामेंट के बाकी मैच खेलकर क्रिकेट बोर्ड के वित्तीय हितों और रैंकिंग की रक्षा करना चाहते हैं। पीसीबी के करीबी एक सूत्र ने बताया कि बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी जल्द ही मीडिया को और अधिक जानकारी देंगे।

नई दिल्ली में कोहरे ने फिर मचाया कोहराम

प्रदूषण की मार से दिल्ली वालों को मामूली राहत

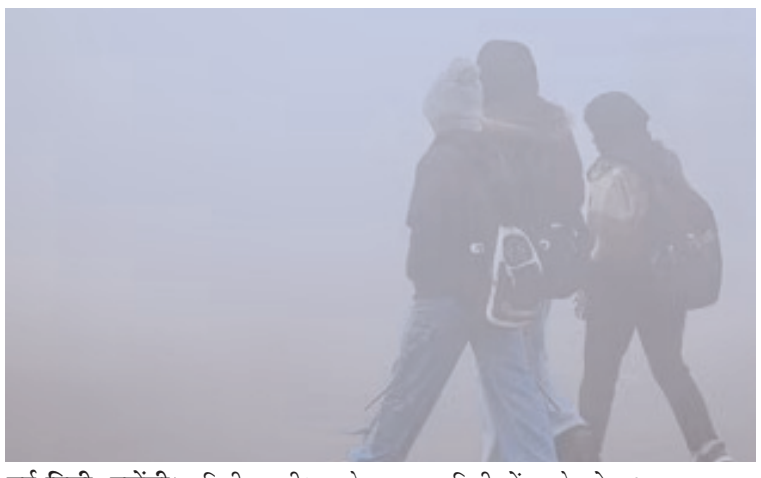

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाके आज एक बार फिर घने कोहरे की चादर में लिपटे नजर आए। एम्स, अक्षरधाम, इंडिया गेट, द्वारका, आईजीआई एयरपोर्ट, महिपालपुर, नोएडा और गाजियाबाद समेत अधिकतर हिस्सों में आज सुबह दिल्ली के कुछ हिस्सों में घने कोहरे की चादर छाई रही। इस दौरान कुछ जगहों पर हवा की गुणवत्ता भी खराब बनी रही। घने कोहरे के चलते विजिबिलिटी घटने से ट्रेनों से लेकर फ्लाइटों पर असर पड़ सकता है।

दिल्ली के मौसम पर रविवार को एक पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिला। दिल्ली में रविवार तड़के हुए हल्की बूंदाबांदी के बाद दिनभर धूप खिली रही। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार की सुबह दिल्ली में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहने के आसार हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 20 से 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने का अनुमान है।

सीपीसीबी के अनुसार, आईजीआई एयरपोर्ट और महिपालपुर के पास वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 134 रिकॉर्ड किया गया। वहीं मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग पर एक्यूआई 118, द्वारका में 243 दर्ज किया गया। हवा की गति बढ़ने से दिल्ली के प्रदूषण में मामूली सुधार हुआ है। इससे एक दिन पहले की तुलना में प्रदूषण के स्तर में कमी आई है। हालांकि, अब भी दिल्ली की हवा खराब श्रेणी में बनी हुई है।

यमुना को लेकर एनजीटी सख्त; यूपी उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली को निर्देश

● सुधार कार्यक्रमों को जमीन पर लागू करने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। एनजीटी ने दिल्ली समेत उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों को यमुना की स्थानीय मछलियों को बचाने के लिए केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य पालन अनुसंधान केंद्र की सिफारिशों को जल्द से जल्द से लागू करने को कहा है। अदालत ने दिल्ली जल बोर्ड और अन्य विभागों को यमुना के किनारे सीवर सफाई प्लांट लगाने और उन्हें ठीक से चलाने का आदेश दिया है ताकि नदी का पानी मछलियों और अन्य जीवों के रहने लायक बन सके।

एनजीटी उस मामले की सुनवाई कर रहा था जिसमें उसने एक मीडिया रिपोर्ट पर खुद ही संज्ञान लिया था। इस खबर में प्रयागराज के एक सरकारी सर्वे का जिक्रकिया गया था जिसमें बताया गया था कि यमुना नदी में भारत की मछली प्रजातियों की संख्या में कमी आई है। सर्वे आईसीएआर-सीआईएफआरआई (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य पालन अनुसंधान केंद्र) ने किया था।

सर्वेक्षण के मुताबिक, कतला, रोहू, नयन, पब्दा, गोच, चीतल, टेंगरा, रीठा, बाम और महाशीर जैसी भारतीय मछलियों की संख्या कम हो गई है। इसके विपरीत कॉमन कार्प, सिल्वर कार्प, बिग हेड, थाई मांगुर, ग्रास कार्प, तिलापिया, क्रोकोडाइल फिश और बास जैसी आठ विदेशी मछलियों की संख्या बढ़ गई है। इन विदेशी मछलियों की वजह से भारतीय मछलियों पर बुरा असर पड़ रहा है। एनजीटी के

अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल ने 29 जनवरी को कहा कि नदी में पलूशन की वजह से भारतीय मछलियों की संख्या कम हो रही है। कई संस्थाओं ने इन मछलियों को बचाने की कोशिश की है लेकिन फिर भी उनकी संख्या घटती जा रही है। इसलिए अब इन सुधार कार्यक्रमों की फिर से जांच करना जरूरी है ताकि इन्हें जमीन पर सही तरीके से लागू किया जा सके।

अदालत ने स्थानीय सरकारों को आईसीएआर- सीआईएफआरआई प्रयागराज के सुझावों को मानने पर जोर दिया है। इन सलाहों में मछली पकड़ने के अवैध सामान पर रोक लगाना और मछली पकड़ने की पाबंदी के समय कड़ी निगरानी रखना शामिल है। साथ ही मछली पालन के सही तरीके अपनाने, खास इलाकों में मछलियों को पालने और मछलियों के पकड़ने का सही रिकॉर्ड रखने की बात भी कही गई है। इन सिफारिशों में मछली पालन के नियमों का पालन करना, नदियों में विदेशी मछलियां डालने पर रोक लगाना और लोगों को जागरूक करना भी शामिल है। साथ ही पानी का बहाव बनाए रखने और गंदगी को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की बात भी कही गई है ताकि जलीय पर्यावरण सुरक्षित रहे। एनजीटी ने दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों को इन सुझावों को जल्द लागू करने का आदेश दिया है।

बजट में एम्स समेत दिल्ली के अस्पतालों को पहली बार मिले 10 हजार करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय बजट में दिल्ली के पांच प्रमुख केंद्रीय अस्पतालों के लिए कुल 10,100.58 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें सबसे अधिक बढ़ोतरी एम्स (ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) के बजट में हुई है, जबकि सफदरजंग, आरएमएल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी) से जुड़े सुचेता कृपलानी और कलावती सरन अस्पताल के बजट में आंशिक कटौती हुई है। एम्स प्रशासन ने संस्थान का बजट बढ़ाए जाने पर केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि अस्पताल में चिकित्सा सुविधाएं, मेडिकल शिक्षा और शोध को बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान वित्त वर्ष में एम्स को पहली बार 5,500 करोड़ रुपये से अधिक का बजट मिला है। वहीं अन्य चार अस्पतालों को कुल 4,599.66 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। अकेले एम्स का बजट इन चार अस्पतालों के कुल बजट से 19.59 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष एम्स सहित पांच केंद्रीय अस्पतालों को कुल 9,821 करोड़ रुपये का बजट मिला था। इस बार पांच अस्पतालों का बजट 179.58 करोड़ रुपये बढ़ा है, जिसमें एम्स को 901.26 करोड़ अतिरिक्त मिले हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस बजट वृद्धि से दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों में चिकित्सा सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण को नई गति मिलेगी। विशेषकर एम्स में लंबित परियोजनाओं जैसे स्काई वॉक और सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के निर्माण से मरीजों को बेहतर सुविधा मिलेगी और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। एम्स के मास्टर प्लान के तहत अस्पताल में 900 मीटर लंबा स्काई वॉक बनाने की योजना है। यह मुख्य परिसर और मस्जिद मोड परिसर के बीच बेहतर आवागमन के लिए बनाया जाएगा। स्काई वॉक एम्स मेट्रो स्टेशन से मस्जिद मोड परिसर तक सुविधा प्रदान करेगा। इसके लिए अतिरिक्त बजट की मांग की गई थी, जिसे केंद्रीय बजट में शामिल किया गया। बजट बढ़ाकर 2,170.75 करोड़ रुपये किया गया है। यहां मातृ एवं शिशु ब्लॉक के निर्माण की योजना है, जिसमें लगभग 1,000 बेड होंगे। इस परियोजना की प्रक्रिया अब तेजी से आगे बढ़ सकेगी। इसके अलावा, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का बजट भी बढ़ाकर 270.20 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

दिल्ली में वकील पर हमला: क्लाइंट से मिलकर लौट रहे थे, सिर पर चोटें

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के मुखर्जी नगर के पास रोड रेज की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। ये घटना काली थार और एक एसयूवी के बीच विवाद से जुड़ी है। दिल्ली हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले एक वकील पर कथित तौर पर पांच से छह लोगों ने लाठियों से हमला किया। यह घटना 25 जनवरी को रात करीब 8:45 बजे के आसपास की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी अभी तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं। उत्तर प्रदेश के नोएडा एक्सटेंशन निवासी 29 वर्षीय शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि एक संकरी गली में थार कार ने उनका रास्ता रोक लिया था जिसके बाद ही ये विवाद शुरू हुआ। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि 'मैं एक क्लाइंट से मिलने मुखर्जी नगर गया था और अपनी एसयूवी में सवार था, तभी हरियाणा रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एक काली थार एक मोड़ पर मेरी गाड़ी के सामने अचानक रुक गई। थार ने मेरी कार का रास्ता पूरी तरह ब्लॉक कर दिया। इसके बाद मैं करीब पांच मिनट तक इंतजार करता रहा और फिर अपनी कार निकालने की कोशिश की, जिसके बाद थार ड्राइवर कथित तौर पर गाली देने लगा।' सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल ले गई।

भरोसा टूटा, लेकिन बातचीत संभव; अमेरिका को ईरान की दो टूक- युद्ध नहीं चाहते, पर तैयार हैं

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका अब ईरान के लिए एक भरोसेमंद बातचीत करने वाला साझेदार नहीं रहा। फिर भी, ईरान अमेरिका के साथ न्यायपूर्ण और संतुलित समझौता करना चाहता है, खासकर परमाणु हथियारों के मुद्दे पर। एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में अब्बास अराघची ने साफ कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन उसे गलत जानकारी और गलत आकलन के आधार पर किसी सैन्य कार्रवाई की चिंता है। उन्होंने इशारों में कहा कि कुछ ताकतें डोनाल्ड ट्रंप को युद्ध की ओर धकेलना चाहती हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ट्रंप सही फैसला लेंगे।

ईरान का कहना है कि अमेरिका के साथ बातचीत में भरोसा टूट चुका है। हालांकि, कुछ क्षेत्रीय दोस्त देश दोनों के बीच भरोसा बहाल कराने की कोशिश कर रहे हैं। अब्बास अराघची के

मुताबिक यह काम मुश्किल है, लेकिन नामुमकिन नहीं। उन्होंने यह भी साफ किया कि अगर अमेरिका ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंध हटाने को तैयार हो, तो समझौता संभव है। अराघची ने कहा कि ट्रंप का %ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने% का रुख सही है और ईरान भी इससे सहमत है, लेकिन बदले में उसे प्रतिबंधों से राहत चाहिए। इसी बीच अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। ईरान के पास यूएसएस अब्राहम लिंकन की अगुवाई में बड़े स्तर पर नौसैनिक बेड़ा तैनात किया गया है। दूसरी ओर, ट्रंप ने फ्लोरिडा के मार-ए-लागो से कहा कि वे अब भी समझौते को लेकर %उम्मीद% रखते हैं। खामेनेई ने दी अमेरिका को चेतावनी

वहीं ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने युद्ध शुरू किया, तो यह सीमित नहीं रहेगा और पूरे क्षेत्र में फैल जाएगा।

इस्राइल ने संघर्षविराम के तहत राफाह बॉर्डर को आंशिक रूप से खोला

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने रविवार को गाजा और मिस्र के बीच स्थित राफाह बॉर्डर क्रॉसिंग को आंशिक रूप से फिर से खोलने का एलान किया है। यह क्रॉसिंग फिलहाल ट्रायल आधार पर खोली गई है और सिर्फ सीमित संख्या में गाजा के लोगों की आवाजाही की अनुमति दी जा रही है। मई पिछले साल के बाद यह पहला मौका है जब राफाह क्रॉसिंग को आंशिक रूप से खोला गया है।

इस्राइल की सैन्य एजेंसी सीओजीएटी के अनुसार, यह फैसला संघर्षविराम समझौते के तहत लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार से कुछ लोग इस रास्ते से आना-जाना शुरू कर सकते हैं। इसके लिए एक नई जांच (स्क्रीनिंग) सुविधा भी तैयार की गई है, जहां से गुजरने वाले लोगों की जांच होगी।

गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने कहा कि युद्ध के दौरान विस्थापित हुए हजारों फलस्तीनी इस फैसले का इंतजार कर रहे थे। मीडिया कार्यालय के प्रमुख इस्माइल अल-थवाब्ता के

मुताबिक, करीब 80,000 फलस्तीनी ऐसे हैं जो युद्ध के समय गाजा छोड़ गए थे और अब वापस लौटना चाहते हैं।

इस बीच, इस्राइल ने डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (एमएसएफ) को गाजा में काम करने से रोकने का फैसला भी किया है। इस्राइल का कहना है कि एमएसएफ ने अपने फलस्तीनी कर्मचारियों की पूरी जानकारी नहीं दी। यह नियम सभी मानवीय संगठनों पर लागू किया गया है। इस फैसले की संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों ने आलोचना की है।

वहीं दूसरी ओर, गाजा में सैन्य कार्रवाई जारी है। रविवार को राफाह शहर के उत्तर-पश्चिम इलाके में ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई। इसके अलावा मध्य गाजा के वाड़ी गाजा इलाके में भी एक ड्रोन हमले में एक फलस्तीनी मारा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्तूबर 10 से लागू सीजफायर के बावजूद अब तक 500 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

पूर्वोत्तर राज्य बोर्नो में सेना की बड़ी कार्रवाई, बोको हरम का शीर्ष कमांडर और दस चरमपंथी ढेर

अबुजा, एजेंसी। पूर्वोत्तर नाइजीरिया में एक सैन्य अभियान में बोको हरम के एक शीर्ष कमांडर को मार गिराया। इसके अलावा, इस चरमपंथी संगठन के दस सदस्यों को भी मारा गया है। नाइजीरियाई सेना रविवार को यह जानकारी दी। सेना के प्रवक्ता सानी उबा ने एक बयान जारी किया। इस बयान उन्होंने बताया कि बोर्नो राज्य के सांबिसा के जंगल में बोको हरम का कमांडर अबू खालिद इस चरमपंथी संगठन की कड़ी में एक अहम व्यक्ति था और वह सांबिसा क्षेत्र में संगठन के अभियानों और रसद की व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहा था। उबा ने बताया कि सैनिकों ने शनिवार रात बोर्नो राज्य के कोडुंगा इलाके में बोको हरम के सदस्यों पर हमला किया। इस दौरान उनसे हथियार, खाद्य सामग्री और चिकित्सा आपूर्ति बरामद की गई। यह जानकारी ऐसे समय में सामने आई है, जब इसी हफ्ते की शुरुआत में बोको हरम के सदस्यों ने पूर्वोत्तर राज्य में एक निर्माण स्थल और एक सैन्य अड्डे पर अलग-अलग हमले किए। इन हमलों दर्जनों लोगों की हत्या कर दी गई थी।

ब्रिटेन के पूर्व राजकुमार एंड्रयू पर भी दबाव

लंदन/वाशिंगटन, एजेंसी। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रावर्ट फिको के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने जेफरी एपस्टीन से संबंधित नई फाइलों के सामने आने के बाद इस्तीफा दे दिया, जिनमें पता चला है कि दोनों ने युवतियों के बारे में ईमेल का आदान-प्रदान किया था। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मिरोस्लाव लाजैक ने किसी भी प्रकार की गलती से इन्कार किया। उन्होंने इसे अनौपचारिक और हल्के-फुल्के अंदाज में ईमेल का आदान-प्रदान बताया। उन्होंने कहा कि वह इस्तीफा इसलिए दे रहे हैं, ताकि इस स्थिति का इस्तेमाल प्रधानमंत्री पर हमला करने के लिए न किया जाए। फिको ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने लाजैक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से संबंधित लाखों नई फाइलें शुक्रवार को प्रकाशित की थीं। ब्रिटेन के विवादों में घिरे पूर्व राजकुमार एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर पर इस सप्ताहांत में अमेरिका की उस समिति के समक्ष गवाही देने का दबाव बढ़ रहा है जो यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन के अपराधों की सीमा की जांच कर रही है। एक दूसरी महिला ने

आरोप लगाया है कि एपस्टीन उसे 2010 में तत्कालीन राजकुमार एंड्रयू के साथ यौन संबंध बनाने के लिए ब्रिटेन ले गया था। यह मुलाकात विंडसर कैसल स्थित उनके रायल लाज आवास पर हुई थी। एपस्टीन फाइलों में कई शक्तिशाली लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें पूर्व राजकुमार एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर से लेकर एलन मस्क तक के नाम शामिल हैं। इसके अलावा प्रमुख नामों में वर्जिन ग्रुप के अरबपति संस्थापक रिचर्ड ब्रैनसन, न्यूयार्क जायंट्स के को-आनर स्टीवन टिश, इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बराक और अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक आदि शामिल हैं।

90 वर्षीय दलाई लामा ने जीता संगीत जगत का सबसे बड़ा अवॉर्ड, मेडिटेशन एल्बम को मिला ग्रैमी

लॉस एंजिल्स , एजेंसी। संगीत की दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान ग्रैमी अवॉर्ड पहली बार किसी आध्यात्मिक गुरू को मिला है। तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने अपना पहला दलाई लामा जीता है। 68वें वार्षिक ग्रैमी पुरस्कार समारोह में उनके एल्बम %मेडिटेशन- द रिफ्लेक्शंस ऑफ हिज होलीनेस द दलाई लामा% को ग्रैमी अवॉर्ड दिया गया है।

दलाई लामा ने ऑडियो बुक, नैरेटर और स्टोरीटेलिंग रिकॉर्डिंग कैटेगरी के लिए अपना पहला ग्रैमी पुरस्कार जीता, जिसमें उन्होंने अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस केतनजी ब्राउन जैक्सन को हराया है। ऐसे में के-पॉप और स्टीवन स्पीलबर्ग के साथ अवॉर्ड जीतने वाले कलाकारों की सूची में दलाई लामा का नाम भी शामिल

हो गया है।

बता दें कि जिस ऑडियो एल्बम के लिए दलाई लामा को ग्रैमी अवॉर्ड मिला है, वह दुनिया भर के लोगों को शांति का संदेश देती है। एल्बम 'मेडिटेशन- रिफ्लेक्शंस ऑफ हिज होलीनेस द दलाई लामा' तिब्बती बौद्ध गुरू के विचारों का संग्रह है। इसमें करुणा, मन की शांति को बढ़ाने पर विचार साझा किए गए हैं। यह एल्बम दुख से उबरने की राह दिखाती है। इसमें म्यूजिक, मेडिटेशन और आध्यात्मिक विचार सभी कुछ शामिल हैं। दलाई लामा की इस ऑडियो एल्बम का मकसद दुनिया भर में सद्भाव और खुशहाली को बढ़ाना है। %के-पॉप डेमन हंटर्स% के गाने %गोल्डन% ने प्रीमियर समारोह में विजुअल मीडिया के लिए लिखित गीत का पुरस्कार जीता, जो किसी के-पॉप कलाकार द्वारा ग्रैमी पुरस्कार जीतने का पहला मौका है। गीतकारों ने अपना स्वीकृति भाषण अंग्रेजी और कोरियाई दोनों भाषाओं में दिया, जिससे गाने की द्विभाषी अपील उजागर हुई। संगीत श्रेणी का पुरस्कार %म्यूजिक फॉर जॉन विलियम्स% को मिला, जिसका मतलब है कि निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग ने आधिकारिक तौर पर अपना पहला ग्रैमी पुरस्कार जीत लिया है। इसके साथ ही वे ईजीओटी विजेता बन गए हैं। यानी एक ऐसे कलाकार जिनके पास एमी, ग्रैमी, टोनी और ऑस्कर पुरस्कार हैं।

संक्षिप्त समाचार

कलाकार संघ की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो कलाकार संघ की कार्यकारिणी व प्रतिनिधिमंडल सदस्यों की एक बैठक चीरा चास स्थित आशियाना गार्डेन फेज-4 में आयोजित हुई। संघ के अध्यक्ष जगदीश बाबला की अध्यक्षता व महासचिव मनबोध मिश्रा के संचालन में आयोजित इस बैठक में कलाकारों के हित में विभिन्न मुद्दों व भावी कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गयी। बैठक में रंजू सिंह, कस्तूरी सिन्हा, रागिनी सिन्हा अंबष्ठ, मनोज उपाध्याय उर्फ सुमनजी, अरुण पाठक, मृत्युंजय भट्टाचार्या, अशोक बाबला, पूणेन्दु कुमार सिंह, कन्हैया वर्मा, अरुप रक्षित, बीएनपी सुमन आदि उपस्थित थे।

दुबई में फंसे झारखंड के 14 मजदूर, सरकार से लगाई वतन वापसी की गुहार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड के प्रवासी मजदूर एक बार फिर विदेश में फंस गए हैं। झारखंड के बोकारो, हजारीबाग और गिरिडीह के 14 प्रवासी मजदूर इस बार दुबई में फंसे हुए हैं। कंपनी के द्वारा मजदूरों के बीच काम के बदले मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। साथ ही समय से अधिक काम कराया जा रहा है। इससे मजदूरों को वहां रहने एवं खाने-पीने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विदेश में फंसे मजदूरों ने एक वीडियो भेजकर अपनी पीड़ा को साझा करते हुए सरकार से मदद की अपील की है। मजदूरों के द्वारा भेजे गए वीडियो को उन्होंने मीडिया के साथ साझा किया है। विदेशों में फंसने वाले मजदूरों का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार प्रवासी मजदूर ज्यादा पैसे कमाने की लालच में विदेश जाकर फंस चुके हैं। काफी मशक्कत के बाद उनकी वतन वापसी कराई गई। इसके बावजूद प्रवासी मजदूर पुरानी घटनाओं से सबक नहीं ले रहे हैं।

नप उम्मीदवार सहोदरी देवी को आप पार्टी का समर्थन

बेरमो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आम आदनी पार्टी ने फुसरो नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए सहोदरी देवी को समर्थन दिया है। सोमवार को उन्होंने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। इससे पूर्व ये फुसरो नगर परिषद वार्ड 18 से तेज-तर्रार पार्षद रह चुकी हैं। नामांकन के वक्त आम आदमी पार्टी के जिला प्रभारी अरविंद विकाश, जिला सह प्रभारी बैजनाथ गोराई, जिला कोष प्रभारी धर्मेंद्र शर्मा, जिला प्रवक्ता मिथिलेश गिरि, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश, श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, संजय सिंह सहित कई आप कार्यकर्तागण शामिल रहे। इसके अलावा राजेश गिरि, मनोज कुमार रजक, राजकिशोर सिंह, अयूब अंसारी, वीर बहादुर सिंह, शकुंतला देवी,कुंती देवी, वीणा देवी, आलिया देवी, मुकेश रजक, बिट्टू रजक सहित सैकड़ो फुसरो के गणमान्य लोग उपस्थित थे। नामांकन के बाद प्रेस-मीडिया से बात करते हुए सहोदरी देवी ने कहा कि फुसरो नगर परिषद की बिजली, पानी, नाली, सफाई जैसी समस्याओं को हल करना उनकी प्राथमिकता है। विशेष रूप से रैयतों की भूमि अधिग्रहण का मुआवजा सीसीएल द्वारा नहीं देने को गंभीरता से लेकर एनओसी का मुद्दा हल कराएंगी। इसके अलावा अन्य लंबित समस्याओं को हल करना भी उनके मुद्दों में शामिल हैं।

शहर की सरकार बनाने को नामांकन प्रक्रिया तेज

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शहर की सरकार बनाने को लेकर नॉमिनेशन की प्रक्रिया तेज हो चुकी है। चास नगर निगम के मेयर पद के लिए 41 लोगों ने नॉमिनेशन फॉर्म खरीदा है। आज से नॉमिनेशन की प्रक्रिया तेज हो चुकी है। सुबह से ही नॉमिनेशन करने के लिए सड़क पर भारी भीड़ देखी जा रही है। चाहे वह मेयर का पद हो या फिर वार्ड पार्षद का पद का। उम्मीदवार नामांकन करने में लगे हुए हैं। गिरिडीह लोकसभा से पांच बार भाजपा सांसद रहे रविंद्र पांडे के बड़े पुत्र डॉ विकास पांडे ने चास नगर निगम के मेयर पद के लिए आज नामांकन दाखिल किया है। इसके साथ ही पूर्व मेयर भोलू पासवान, निधि कुमारी और गजेंद्र प्रसाद हिमांशु ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया है। डॉ विकास पांडे ने कहा कि चास की जनता के भविष्य के लिए मैंने नामांकन किया है। विकास के पद पर निगम को आगे ले जाने के लिए मैं काम करूंगा। सभी लोगों ने चास के विकास के लिए जनता से वोट देने की अपील करते हुए खुद को जनता का प्रत्याशी बताया। इस दौरान पूर्व मेयर भोलू पासवान पर निधि कुमारी ने हमला करते हुए कहा कि खुद के मुंह से 5 साल बेमिसाल की बात कहना शोभा नहीं देता है। क्योंकि यह जनता आकलन करती है और करेगी। पूर्व मेयर ने कहा कि चास की जनता ने हमारे काम को देखा है। मैं जनता की तरफ से खड़ा हूं और जनता ही चुनाव में तय करेगी।

महापौर पद के लिए 11 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नगर निकाय चुनाव में महापौर के पद के लिए सोमवार को 11 प्रत्याशियों ने निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार, सहायक निवार्ची पदाधिकारी बाल किशोर महतो तथा सहायक निवार्ची पदाधिकारी विशाल कुमार पांडेय के समक्ष नामांकन दाखिल किया। महापौर पद के लिए नामांकन दाखिल करने वालों में लक्ष्मी देवी, रवि चौधरी, कृष्ण चंद्र सिंह राज शमशेर आलम अंसारी, दिलीप कुमार, विनोद कुमार सिंह, डॉ नीलम मिश्रा, डॉ सुशील कुमार, प्रकाश कुमार, मोहम्मद जावेद इकबाल एवं रवि बुंदेला शामिल है।

बीएसएल के विस्तारीकरण अभियान की सफलता पर कुमार अमित का किया गया अभिनंदन

अभियान के तहत 50 हजार लोगों ने लिखा था प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट में विस्तारीकरण का मार्ग प्रशस्त होने पर इसके लिए पिछले कई माह से बोकारो वेलफेयर सिविल सोसायटी के तत्वावधान में अभियान चला रहे कुमार अमित ने खुशी जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। सिविल सोसाइटी के द्वारा सेक्टर 2 अम्बे गार्डन में नागरिक अभिनंदन एवं प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक वर्गों से आए लोगों ने इस अभियान के संयोजक कुमार अमित को इस कार्य के लिए अभिनंदन किया। कुमार अमित ने भी इस अभियान में सहयोग करने वाले सभी प्रमुख लोगों को अंगवस्त्र देकर आभार जताया। अवसर पर प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कुमार अमित ने बताया कि पिछले सात माह से जारी इस अभियान के तहत समाज के हर वर्ग के लगभग पचास हजार लोगों ने बीएसएल विस्तारीकरण और बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने के लिए प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिखा। इसके अलावा अनेक सांसदों सहित सरकार के अनेक अधिकारियों से मिल कर स्थगित विस्तारीकरण को प्रारंभ करने हेतु आवश्यक पहल करने की मांग की गई। नेता प्रतिपक्ष सह तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष श्री बाबूलाल मरांडी सहित अनेक सांसदों ने प्रधानमंत्री को इस संबंध में पोस्टकार्ड लिख कर इस अभियान को समर्थन भी दिया। पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा एवं सांसद केन्द्रीय मंत्रियों, झारखण्ड के राज्यपाल, नेता प्रतिपक्ष, पूर्व मुख्यमंत्रियों, अनेक मजबूती से रखा। परिणामस्वरूप इस विस्तारीकरण से स्थगन हटा और मार्ग प्रशस्त हुआ। इसके लिए कुमार अमित ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राज्यपाल संतोष गंगवार, केन्द्रीय इस्पात मंत्री द्वय एच डी कुमारस्वामी, भूपति राजु श्रीनिवास वर्मा, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री द्वय अर्जुन मुण्डा, रघुवर दास, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहु, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने केन्द्रीय इस्पात मंत्री से अनेकों बार मिलकर कर इस विषय को महतो, राज्यसभा सांसद द्वय दीपक प्रकाश, प्रदीप वर्मा, चतरा सांसद कालीचरण सिंह, केंद्रीय इस्पात सचिव संदीप पौण्ड्रिक, पूर्व साँसद पशुपतिनाथ सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पूर्व निदेशक प्रभारी बी.के तिवारी, पूर्व अधिशासी निदेशक राजन प्रसाद, भिलाई स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी, बीएसएल के पूर्व अधिशासी निदेशक चितरंजन महापात्रा, वर्तमान प्रबंधन सहित सभी बोकारो वासियों एवं मिडिया का आभार जताया। इसके साथ हीं कुमार अमित ने बोकारो वेलफेयर सिविल सोसाइटी के तत्वावधान में समाज के सहयोग से बोकारो एयरपोर्ट और प्रस्तावित इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए भी पोस्टकार्ड अभियान चलाने का ऐलान किया। उन्होंने बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने के लिए संघर्ष जारी रखने की बात कही। ऑफि सर एसोसिएशन के अध्यक्ष ए.के सिंह ने विस्तारीकरण कार्य में समाज से सकारात्मक सहयोग की अपील की। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी श्री जीतेन्द्र सिंह ने कहा कि विस्तारीकरण के फलस्वरूप हजारों करोड़ के निवेश से बोकारो का तीव्र गति से विकास होगा। चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के नरेंद्र सिंह ने कहा की विस्तारीकरण से बोकारो में कई आर्थिक विकास की संभावनाएं विकसित होंगी। विस्थापित परिवार से सबसे पहले बीएसएल अधिकारी बनने वाले सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक श्री प्रद्युम्न साव ने कहा कि हजारों लोगों के लिए प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी सृजित होगा। बीएमएस नेता रंजय कुमार ने कहा कि विस्तारीकरण से प्लांट में मजदूरों की छँटनी पर लगाम लगेगा। विस्थापित नेता अब्दुल रब और शिवप्रसाद शिबू ने विस्तारीकरण से विस्थापित बेरोजगारों को रोजगार मिलने की उम्मीद जताई। कार्यक्रम का संचालन अतुल कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में बैंक कर्मचारी संघ के नेता श्री एस एन दास, विस्थापित नेता शंकरलाल गोप, उद्यम संकल्प के राजेश कुमार, बीएमएस के महामंत्री विनोद कुमार, एस के वर्मा, बीएकेएस के दिलीप कुमार, भानू पाठक, युवा नेता विनोद कुमार, छात्र नेता विवेक पाठक, महिला नेत्री ममता गोस्वामी, उद्यमी जय भुवन सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश राम, कृष्णा कालिन्दी, पूर्व सैनिक परिषद के रवि रंजन दुबे, राकेश मिश्रा, संजीव कुमार, होमगार्ड एसोसिएशन के जिला श्री अध्यक्ष अमरेंद्र द्विवेदी, आदिवासी सरना समिति के कृष्णा हेम्ब्रम, शशिभूषण विश्वकर्मा, धनंजय चौबे, प्रिंसु सिंह, अरविंद राय, करण गोराई, जन्मजय गोस्वामी, चंद्रप्रकाश, लालबाबू, कुमार राहुल, संतोष पंडित, नितेश चौधरी, कुणाल शर्मा, शशि भूषण, अशोक कुमार आदि के अलावा सैंकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मजदूर संगठनों को उनका अधिकार मिले : यूनियन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ बीएमएस के महामंत्री विनोद कुमार ने बताया कि सेल एसईएसबीएफ सेल इंप्लाइज सुपरएनुएशन बेनिफिट फंड ट्रस्ट बोर्ड की 50वीं मीटिंग बोर्ड का ट्रस्टी मीटिंग आज कोलकाता स्थित इस्पात भवन में संपन्न हुई। ट्रस्टी बोर्ड मैनेजमेंट ऑफिसर एसोसिएशन ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधि से बना हुआ है, जब से यह बोर्ड बना है अकाउंट में सिग्नेचर अथॉरिटी मैनेजमेंट और ऑफिसर एसोसिएशन के प्रतिनिधि होते हैं। लेकिन अभी तक ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधि नहीं होते हैं। इसके लिए बीएमएस ने इस पर घोर आपत्ति व्यक्त की और बीएमएस ने ट्रेड यूनियन के सदस्यों को सिग्नेचर अथॉरिटी में शामिल करने की मांग की। सेल के सभी कर्मचारियों को सैलरी से हर महीने 2% एस इ एस बी एस में जमा होती थी और सेवानिवृत होने पर कर्मचारियों को एकमुश्त पैसा मिलता था। सेल एस इ एस बी एस एफ बोर्ड को बंद करने का निर्णय मैनेजमेंट ने एक तरफा लिया था जिसको सभी यूनियन प्रतिनिधी ने जोरदार विरोध किया। 31 मार्च 2026 से एस इ एस बी एस एफ में 2% जमा नहीं होगा अब कर्मचारियों को एस इ एस बी एस एफ में जो फंड है उसमें कर्मचारियों को अपने फंड इन्वेस्ट करने की ऑप्शन होगी एस इ एस बी एस एफ या एनपीएस में ऑप्शन दी जाएगी। ट्रस्ट बोर्ड मीटिंग में बीएमएस के तरफ से बोकारो से रमेश कुमार मिश्रा मेघातुबुरु से संतोष पांडा और भिलाई से संजय कुमार सिंह उपस्थित थे।

बाल विवाह मुक्ति रथ को सांसद आवास से हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सहयोगिनी द्वारा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के साथ मिलकर बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण व जनजागृति करने को लेकर बाल विवाह मुक्ति रथ को धनबाद सांसद आवास से बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । बाल विवाह मुक्ति रथ सांसद आवास से रावण हुआ जो बोकारो जिले के सभी प्रखंडों तथा धार्मिक स्थलों में बाल विवाह को लेकर जागरूक करेगा। उक्त रथ के साथ कला जत्था सांस्कृतिक दल ने नुक्कड़ नाटक, गीत-संगीत प्रस्तुत किया तथा उपस्थित ग्रामीणों को बाल विवाह पर जागरूक करते हुए सावधान! बाल विवाह कानून अपराध है, आईए हम सब मिलकर इसे जड़ से मिटाए, सब बच्चों को उनके अधिकार दिलाए का संदेश दिया। सांसद आवास में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शत्रुघन महतो ने कहा कि बाल विवाह कानूनन अपराध है हम सभी को मिलकर बाल विवाह मुक्त भारत का निर्माण करना है हम सभी के सहयोग से बाल विवाह मुक्त भारत बनेगा! इस दौरान सहयोगिनी बोकारो के निदेशक गौतम सागर ने कहा कि बाल विवाह मुक्ति रथ का भ्रमण बोकारो के 50 गाँव के साथ साथ प्रखण्ड मुख्यालय पंचायत मुख्यालयों में किया जाएगा बाल विवाह निषेध पदाधिकारी, धार्मिक गुरुओं पंचायत के प्रतिनिधियों को इस अभियान से जोड़ा जा रहा है, बाल विवाह मुक्ति रथ के साथ सहयोगिनी बोकारो के गौतम सागर, रवि कुमार, विकास कुमार गोस्वामी , कुमार गौरव सुनील कालिंदी, अशोक महतो, धीरेन्द्र महतो, मंटू करमाली, पायल कुमारी, खुशबू पाण्डेय ,बिनोद महतो, नईमुद्दीन अंसारी, सीता कुमारी, मुमताज अंसारी ,माला देवी गुलनाज बानो, चंदा कुमारी,पूजा कुमारी, दीपा कुमारी आदि शामिल थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप झाड़ी में महिला का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

चंदनकियारी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चंदनकियारी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप झाड़ियों में एक महिला का अधजला शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। शव की शिनाख्त हो चुकी है, लेकिन हत्या की गुत्थी अभी भी अनसुलझी है। मृतका की पहचान बालीडीह की रहने वाली 55 वर्षीय नमिता देवी के रूप में हुई है,मौके पर एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम मदद से हर बिंदुओं पर जांच किया जा रहा है। घटना स्थल पर बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने खुद पहुंचकर मामले की अग्रेत्तर कार्रवाई में जुट चुके है आपको बता दें कि चंदनकियारी थाना क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास आज उस वक्त सनसनी फैल गया, जब स्थानीय लोगों ने झाड़ियों में एक महिला का शव देखा। शव अर्धनग्न अवस्था में था और उसे जलाने का प्रयास किया गया था। वारदात की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान नमिता देवी (55 वर्ष) के रूप में हुई है। वह बालीडीह थाना क्षेत्र के बनशिमली की रहने वाली थीं और पति का नाम हरे राम गोप है। मामले की बारीकी से जांच के लिए एफ एस एल टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने स्वयं घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने मृतका के परिजनों को आश्वासन दिया है कि अपराधी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे। पुलिस फिलहाल मृतका के परिजनों से संपर्क कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि महिला यहाँ तक कैसे पहुँची वोही दूसरी ओर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सूर्या हाइलैंड सोसाइटी स्थित मंदिर प्रांगण में सुंदरकांड का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। माघी पूर्णिमा के शुभ अवसर पर सूर्या हाइलैंड सोसाइटी के मंदिर प्रांगण में संगीतमय सुंदरकांड का भव्य आयोजन किया गया। सुंदरकांड का मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध कथा वाचक पंडित रमाशंकर मिश्र रहे, जिनके द्वारा रामायण के सबसे प्रमुख कांड सुंदरकांड का संगीतमय एवं लयवद्ध प्रस्तुति की गई। सुंदरकांड को सुनने के लिए मुख्य रूप से धनबाद के विधायक राज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ।

इस दौरान समाचार संकलन करने आए पत्रकारों को सुंदरकांड के प्रति एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सूर्या हाइलैंड सिटी में इस आयोजन से लोगों में काफी खुशी का माहौल देखा गया। इस दौरान पुरुषों के अलावा महिला श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखी गई। सभी श्रद्धालु पंडित रमाशंकर मिश्रा द्वारा सुंदरकांड के लयवद्ध प्रस्तुति से भाव विभोर दिखे।सुंदरकांड वाचन के दौरान पंडित रमाशंकर मिश्र ने श्रद्धालुओं को बताया कि रामायण में सुंदरकांड का बहुत ही बड़ा महत्व है। सुंदरकांड वास्तव में अति सुंदर है, जिसके पठन-पाठन एवं श्रवण करने से मनुष्य की सारी बाधाएं दूर हो जाती है।उन्होंने बताया कि जहां भी सुंदर कांड का पठन-पाठन एवं श्रवण किया जाता है उस स्थान पर बजरंगबली हनुमान के अलावा स्वयं देवाधिदेव महदेव, श्री हरि विष्णु एवं सभी देवी देवता उस स्थान पर उपस्थित होकर सुंदरकांड का श्रवण करते हैं एवं श्रवण करने वाले श्रद्धालुओं को अपना आशीर्वाद देते हैं।सुंदरकांड आयोजन के मुख्य यजमान के रूप में कुमारधूबी स्थित कुमारधूबी बालक - बालिका बंगला मध्य विद्यालय के पधानाध्यापक कन्हैया मिश्रा एवं धनबाद प्रेस क्लब के महासचिव अजय प्रसाद रहे।

कार्यक्रम में श्रद्धालुओं के लिए भगवान के प्रसाद के अलावा विशेष प्रसाद के रूप में संध्या 7:00 बजे खीर-पूड़ी एवं अन्य भोग की भी आयोजन में व्यवस्था की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में सूर्या हाइलैंड सिटी सोसाइटी के अध्यक्ष नरेंद्र परमार, सचिव संतोष सिन्हा, समिति के अन्य पदाधिकारी गण जिसमें देवभूषण कुमार,महेश कुमार पासी, विनोद सिंह, डा. भक्ति सिंह, हरेराम शर्मा, अमिताभ सिन्हा एवं संयुक्त सचिव निवास मंडल के अलावा महिलाओं में मुख्य रूप से पुनीता मैडम, संगीता सिंह, प्रियंका सिंह , निक्की कुमारी, रीता कुमारी, मोनिका देव, रेखा खंडेवाल, मंजू सिन्हा, अंजू कमारी , बिभा प्रसाद, ज्योति शर्मा एवं कुमारी सपना ओझा का मुख्य रूप से सराहनीय योगदान रहा।

माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा, 2026 को लेकर निषेधाज्ञा लागू, परीक्षा आज से शुरू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2026 को शांतिपूर्ण एवं कदाचार-मुक्त संपन्न कराने के उद्देश्य से चास एवं बेरमो (तेनुघाट) अनुमंडल क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू की गई है। झारखंड माध्यमिक एवं इंटर परीक्षा 03 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो रही है। परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्रों के आसपास भीड़, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों एवं विधि-व्यवस्था की समस्या की संभावना को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अनुमंडल दंडाधिकारी चास प्रांजल ढांडा एवं अनुमंडल दंडाधिकारी बेरमो (तेनुघाट) मुकेश मछुआ द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 03 फरवरी 2026 से 23 फरवरी 2026 तक अथवा परीक्षा समाप्ति तक निषेधाज्ञा आदेश जारी किया गया है। इसके तहत दोनों अनुमण्डल के भौगोलिक क्षेत्रांतर्गत अवस्थित सभी परीक्षा केन्द्रों के परिसर से 500 (पाँच सौ गज) की परिधि के अंतर्गत लागू की गई है।

निषेधाज्ञा अंतर्गत क्या नहीं करे-

1. पाँच या पाँच से अधिक की संख्या में व्यक्तियों के एक साथ किसी भी स्थान विशेष पर एकत्रित होने, भ्रमण करना अथवा भीड़ लगाना निषिद्ध है।
2. किसी भी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के द्वारा निषेधाज्ञा क्षेत्र अंतर्गत किसी प्रकार का कोई आग्नेयास्त्र, परंपरागत हथियार तथा लाठी, डण्डा, भाला, तीर-धनुष, फर्सा, बर्छा इत्यादि में से कोई भी हथियार लेकर चलना, भ्रमण करना, प्रदर्शन करना अथवा उसका व्यवहार किया जाना निषिद्ध है।
3. निषिद्ध क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र के साथ अथवा बिना किसी अस्त्र-शस्त्र के भी किसी भी प्रकार का कोई जूलूस, रैली, सभा, धरना एवं प्रदर्शन इत्यादी का आयोजन किया जाना निषिद्ध है।

जनवरी माह में बोकारो स्टील प्लांट का शानदार प्रदर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट ने कैलेंडर वर्ष 2026 की शुरूआत शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन के साथ की है। इस दौरान रॉ मटेरियल हैंडलिंग प्लांट, आयरन मेकिंग, स्टील मेकिंग, रोलिंग मिल्स एवं डिस्पैच में कई अब तक के सर्वश्रेष्ठ मासिक रिकॉर्ड स्थापित किए गए हैं। प्लांट की कई इकाइयों ने अपनी रेटेड क्षमता से अधिक उत्पादन कर असाधारण परिचालन दक्षता, टीम वर्क तथा प्रक्रिया उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है। ये उपलब्धियां उत्पादकता, विश्वसनीयता और निरंतर विकास के प्रति बोकारो स्टील की सुदृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। बोकारो स्टील के आर एम एच पी विभाग ने 10.07 लाख टन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक आंकड़ा दर्ज किया (पिछला सर्वश्रेष्ठ 9.92 लाख टन, मई-23 में था)। ओवन पुशिंग 526 प्रति दिन के नए उच्च स्तर पर पहुँची (पिछला सर्वश्रेष्ठ 525, दिसंबर-25 में)। सिंटर उत्पादन 602 ('000 टन) रहा, जबकि पिछला सर्वश्रेष्ठ 593 ('000 टन) मई-25 में था। ब्लास्ट फर्नेस-2 से हॉट मेटल उत्पादन 148.5 ('000 टन) तक पहुँचा, जबकि पिछला सर्वश्रेष्ठ मासिक आंकड़ा 145.9 ('000 टन) मार्च-25 में था। टोटल हॉट मेटल उत्पादन 469 ('000 टन) रहा, जो जनवरी-25 के पिछले सर्वश्रेष्ठ 468 ('000 टन) से अधिक है। स्टर-क्क से क्रूड स्टील उत्पादन 342 ('000 टन) रहा, जबकि पिछला सर्वश्रेष्ठ 337.5 ('000 टन) जनवरी-25 में दर्ज किया गया था। इस प्रदर्शन के साथ एसएमएस -क्कने अपनी रेट-`ड क्षमता का 120% हासिल किया।

इसी श्रृंखला में, जनवरी माह में कुल क्रूड स्टील उत्पादन 440.5 ('000 टन) रहा, जो जनवरी-25 के पिछले सर्वश्रेष्ठ 438.7 ('000 टन) से अधिक है। इसी प्रकार, जनवरी में एचआर कॉइल उत्पादन 406 ('000 टन) रहा, जबकि पिछला सर्वश्रेष्ठ 387.8 ('000 टन) दिसंबर-23 में था, जो इसकी रेटेड डीपीआर क्षमता का 106% है। पी एल टी सी एम में मासिक उत्पादन पिछले सर्वश्रेष्ठ 83.3 ('000 टन) के मुकाबले बढ़कर 91 ('000 टन) तक पहुँचा। रढट-क्कक्कने अक्टूबर-23 के पिछले सर्वश्रेष्ठ 54.37 ('000 टन) के मुकाबले 54.5 ('000 टन) का उत्पादन किया। हॉट डिप गैल्वनाइजिंग लाइन का उत्पादन 25.4 ('000 टन) रहा, जो अक्टूबर-25 के पिछले सर्वश्रेष्ठ 22 ('000 टन) से अधिक है। जनवरी माह की अन्य उपलब्धियों में उफ सेलेबल-III का उत्पादन 87.5 ('000 टन) रहा, जो अक्टूबर-25 के पिछले सर्वश्रेष्ठ 79.9 ('000 टन) से अधिक है। उफसेलेबल-III का डिस्पैच 81.5 ('000 टन) रहा, जो अक्टूबर-25 के पिछले सर्वश्रेष्ठ 74.9 ('000 टन) से अधिक है। उफसेलेबल का कुल उत्पादन 135 ('000 टन) रहा, जो अक्टूबर-25 के पिछले सर्वश्रेष्ठ 126.8 ('000 टन) से अधिक है। जनवरी में फिनिश्ड स्टील का उत्पादन 380 ('000 टन) के नए उच्च स्तर पर पहुँचा, जिसने दिसंबर-23 के पिछले सर्वश्रेष्ठ 366 ('000 टन) को पार कर लिया। इसी तरह, सेलेबल स्टील का उत्पादन 420 ('000 टन) रहा, जो मई-25 के पिछले सर्वश्रेष्ठ 408.3 ('000 टन) से अधिक है। जनवरी में 403 ('000 टन) सेलेबल स्टील डिस्पैच का नया रिकॉर्ड भी बनाया गया, जो मार्च-07 के पिछले सर्वश्रेष्ठ 399.4 ('000 टन) से अधिक है। सी एच एस जी पी में उत्पादन एवं डिस्पैच के क्षेत्र में भी नए मासिक रिकॉर्ड बनाए गए। इसके अलावा, जनवरी माह में ग्रेन्युलेटेड स्लैग के 32 रेक का डिस्पैच किया गया, जबकि पिछला सर्वश्रेष्ठ आँकड़ा दिसंबर-25 में 26 रेक था। यह ऑल-राउंड बेहतरीन प्रदर्शन टीम बीएसएल के सामूहिक संकल्प एवं उच्च मानकों के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने इस उपलब्धि के लिए बोकारो स्टील के कर्मियों को बधाई देते हुए उत्कृष्टता के इस क्रम को भविष्य में भी निरंतर बनाए रखने का आह्वान किया है। साथ ही, 02 फरवरी को निदेशक प्रभारी श्री रंजन ने अधिशासी निदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संयंत्र के विभिन्न शॉप्स का भ्रमण किया और नए उत्पादन मानक स्थापित करने के लिए कर्मचारियों को बधाई देते हुए इस सिलसिले को आगे भी निरंतर बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145865 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com